THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 328 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.6 2080 गुरुवार, 15 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'लोगों की जिंदगी में सरकार का दखल कम से कम हो...'

वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में बोले पीएम मोदी

अबू धाबी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मेरा मानना है कि आज विश्व को ऐसी सरकारों की जरूरत है जो सबको साथ लेकर चले। वह दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में बोल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'दुबई जिस तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बन रहा है, वह बहुत बड़ी बात है।'

आज हम 21वीं सदी में

उन्होंने कहा कि आज हम 21वीं सदी में हैं। एक तरफ दुनिया आधुनिकता की तरफ बढ़ रही है तो पिछली सदी से चले आ रहीं चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो रही हैं। खाने की सुरक्षा हो, स्वास्थ्य सुरक्षा हो, पानी की सुरक्षा हो, ऊर्जा की सुरक्षा हो चाहें शिक्षा हो। हर सरकार अपने नागरिकों के प्रति अनेक दायित्वों से बंधी हुई है। आज हर सरकार के सामने सवाल है कि वो किस अप्रोच के साथ आगे बढ़े। मेरा मानना है कि आज विश्व को ऐसी सरकारों की जरूरत है जो सबको साथ लेकर चले।

सरकार का दबाव नहीं होना चाहिए

पीएम ने कहा, 'मैं मानता हूं कि सरकार का अभाव भी नहीं होना चाहिए और सरकार का दबाव भी नहीं होना चाहिए। बल्कि मैं तो ये मानता हूं कि लोगों की जिंदगी में सरकार का दखल कम से कम हो, ये सुनिश्चित करना भी सरकार का काम है। इन 23 वर्षों में सरकार में मेरा सबसे बड़ा सिद्धांत रहा है-'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस'। मैंने हमेशा एक ऐसा वातावरण बनाने पर जोर

दिया है जिसमें नागरिकों में उद्यम और ऊर्जा की भावना विकसित हो।' उन्होंने आगे कहा, 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र पर चलते हुए हम सैचुरेशन की अप्रोच पर बल दे रहे हैं। सैचुरेशन की अप्रोच, यानी सरकार की योजनाओं के लाभ से कोई भी लाभार्थी छूटे नहीं, सरकार खुद उस तक पहुंचे। गवर्नेंस के इस मॉडल में भेदभाव और भ्रष्टाचार दोनों की ही गुंजाइश समाप्त हो जाती है।'

गवर्नेंस में जन-भावनाओं को प्राथमिकता दी

उन्होंने कहा, 'हमने गवर्नेंस में जन-भावनाओं को प्राथमिकता दी है। हम देशवासियों की जरूरत के प्रति संवेदनशील हैं। हमने लोगों की जरूरतों और लोगों के सपनों को पूरा करने पर ध्यान दिया है। भारत आज सौर, हवा, जल के साथ-साथ बायोफ्यूल्स, ग्रीन हाइड्रोजन पर भी काम कर रहा है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि प्रकृति से जितना हासिल किया है, उसे लौटाने का प्रयास भी करना चाहिए। इसलिए भारत ने विश्व को एक नया मार्ग सुझाया है, जिस पर चलते हुए हम पर्यावरण की बहुत मदद कर सकते हैं। ये मार्ग है-मिशन लाइफ यानि वातावरण के लिए जीना।

उन्होंने कहा, 'हम ना केवल सरकारों के साथ उपस्थित चुनौतियों का समाधान करेंगे, बल्कि विश्व-बंधुत्व को भी मजबूती देंगे। एक विश्व-बंधु के रूप में भारत इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। अपनी जी20 प्रेसिडेंसी के दौरान भी हमने इसी भावना को आगे बढ़ाया। हम वन अर्थ, वन फैमिली. वन फ्यूचर इसी भाव से चले।' अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'एक दशक में हम दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए। इसी अवधि में हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 26 गुना बढ़ गई, हमारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भी दोगुनी हो गई और हमने इस संबंध में अपनी पेरिस प्रतिबद्धताओं को समय सीमा से पहले ही पार कर लिया।'

अबू धाबी में पीएम मोदी ने किया पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन

विशेष पूजा में हुए शामिल

अबुधाबी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अबू धाबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन कर दिया है। विशेष पूजा-अर्चना इस समय की जा रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अक्षय कुमार, शंकर महादेवन, दिलीप जोशी जैसी कई हस्तियां भी इस हिंदू मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बने हैं। जिस तरह से राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान हजारों लोगों की उपस्थिति थी, वैसा ही माहौल अबू धाबी में भी देखने को मिला है।

पीएम मोदी ने इस नए मंदिर में विशेष आरती में हिस्सा भी लिया है। पुजारियों के साथ उनकी लंबी वार्ता हुई है, विशेष पूजा की गई है और तय रीति रिवाजों के तहत शुभ मूहर्त में मंदिर का उद्घाटन हुआ है।

जेपी नड्डा गुजरात से जाएंगे राज्यसभा अशोक चव्हाण को भी मिला टिकट

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को पार्टी ने गुजरात से राज्यसभा भेजने का निर्णय किया है। पहले इस बात की चर्चा चल रही थी कि पार्टी उन्हें हिमाचल प्रदेश से लोकसभा में चुनाव मैदान में उतार सकती है। लेकिन जेपी नड्डा ने चुनावी व्यस्तताओं का हवाला देते हुए स्वयं इस बात का खंडन कर दिया था। वहीं दो दिन पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को भी राज्यसभा का टिकट दे दिया गया है वे महाराष्ट्र से राज्यसभा पहुंचेंगे। राज्यसभा उम्मीदवारों की दूसरी सूची में आज सात नाम की घोषणा की गई है। चार लोगों को गुजरात से और तीन लोगों को महाराष्ट्र से राज्यसभा भेजने का निर्णय किया गया है।

गुजरात से राज्यसभा जाने वालों में जगत प्रकाश नड्डा के अलावा गोविंद भाई ढोलकिया, मयंक भाई नायक और जसवंतसिंह सलामसिंह परमार शामिल हैं। वहीं, महाराष्ट्र से राज्यसभा का टिकट पाने वालों में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के अलावा मेधा कुलकर्णी और डॉ अजीत गोपचड़े का नाम शामिल है। पहली सूची में 14 लोगों का नाम शामिल किया गया था, जिसमें उत्तर प्रदेश से पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी और कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह का नाम शामिल था। राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची के माध्यम से भाजपा ने सामाजिक समीकरण और जातिगत आधारों को साधने का काम किया है।

ईडी ने छठी बार केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया, पहले पांच समन कर चुके नजरअंदाज

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में शामिल होने के लिए नया समन जारी किया है।ईडी ने उन्हें 19 फरवरी को पेश होने के लिए कहा है। इससे पहले भी ईडी पांच समन भेज चुकी है, जिसे मुख्यमंत्री ने नजरअंदाज कर दिया था। ईडी ने 2 फरवरी, 17 जनवरी, तीन जनवरी, 21 दिसंबर और दो नवंबर को केजरीवाल को समन भेजा था, लेकिन दिल्ली सीएम पेश नहीं हुए थे। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए जवाब में पूछा कि यदि वह आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं हैं, तो उन्हें समन क्यों जारी किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। ईडी ने पेश न होने पर कोर्ट में अर्जी दी थी। जिस पर कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को समन भेजा है। जिसमें उन्हें 17 फरवरी को कोर्ट में पेश होने को कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया हाईकोर्ट के तीन जजों के ट्रांसफर का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने केंद्र को विभिन्न हाई कोर्ट के तीन न्यायाधीशों के ट्रांसफर की सिफारिश की है। दरअसल, इन न्यायाधीशों ने अपने तबादले का अनुरोध किया था।

मंगलवार को कॉलेजियम की बैठक में जस्टिस संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस भी शामिल थे। कॉलेजियम ने कलकत्ता हाई कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य के अन्य हाई में ट्रांसफर के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। कॉलेजियम ने कहा, 12 फरवरी, 2024 को एक पत्र द्वारा जस्टिस मौसमी भट्टाचार्य ने व्यक्तिगत कारणों से कलकत्ता हाई कोर्ट से किसी अन्य हाई कोर्ट में ट्रांसफर की मांग की है। कॉलेजियम ने अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और न्याय के बेहतर प्रशासन के हित में जस्टिस भट्टाचार्य को तेलंगाना हाई कोर्ट में ट्रांसफर किये जाने की सिफारिश की जाती है। कॉलेजियम ने जस्टिस अनु शिवरमन के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया। दरअसल, जस्टिस श्रीवास्तव ने केरल से बाहर ट्रांसफर की मांग की थी। उन्हें अब कर्नाटक हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम ने जस्टिस सुजॉय पॉल के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। जस्टिस सुजॉय पॉल ने बताया था कि उनके पुत्र मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं। कॉलेजियम ने जस्टिस सुजॉय पॉल को तेलंगाना उच्च न्यायालय में ट्रांसफर करने की सिफारिश की है।

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Gachibowli Mob: +91 9289220863, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671. **KARIMNAGAR**: RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM**: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR**: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL**: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET**: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

स्वामी प्रसाद बोले

मैंने राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया, अब गेंद अखिलेश के पाले में

नेता स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 14 फरवरी (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने के बाद बुधवार को मीडिया को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया है। अब आगे क्या करूंगा ये इस पर निर्भर करता है अखिलेश यादव क्या करते हैं? अब गेंद उनके पाले में हैं। स्वामी प्रसाद सपा से विधान परिषद सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा ही बहुजन समाज की लड़ाई लड़ी है और आगे भी यही करता रहूंगा।

बता दें कि राष्ट्रीय महासचिव के पद से इस्तीफा देने को स्वामी प्रसाद की दबाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि वह बदायूं से अपनी बेटी संघमित्रा के लिए टिकट चाहते थे पर इस सीट पर सपा ने अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया।

वन नेशन-वन इलेक्शन के खिलाफ उतरी स्टालिन सरकार

विधानसभा में पास किया प्रस्ताव

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

चेन्नई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर में सारे चुनाव एक साथ कराए जाने की पहल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। यहां एमके स्टालिन की सरकार ने एक राष्ट्र-एक चुनाव की पहल के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव में केंद्र सरकार से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू नहीं करने का आग्रह करते हुए कहा गया है कि यह कदम 'लोकतंत्र के खिलाफ, अव्यवहारिक, भारत के संविधान में निहित नहीं है।'

इसके साथ ही इसमें कहा गया है, 'भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में स्थानीय निकायों, राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनाव जन केंद्रित मुद्दों के आधार पर अलग-अलग समय पर हो रहे हैं और यह लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के विचार के खिलाफ है।' मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा में एक और प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र से जनगणना के आधार पर 2026 के बाद प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाने का आग्रह किया गया।

विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ

असम में कांग्रेस को बड़ा झटका

कमलाख्या डे का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा, एक विधायक के साथ बीजेपी को दिया समर्थन

गुवाहाटी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को असम में बड़ा झटका लगा है। असम कांग्रेस के विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष के पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। कमलाख्या डे ने एक अन्य कांग्रेस विधायक बसंत दास के साथ बीजेपी को समर्थन दिया है। एपीसीसी अध्यक्ष को लिखे पत्र में उन्होंने कहा है कि वह केवल कांग्रेस पार्टी के प्राथमिक सदस्य के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

कर्ज वसलूना भूली राज्य सरकार

बांटे थे 10,000 करोड़, अब बकाया 15,856 करोड़

बेंगलुरु, 14 फरवरी (एजेंसियां)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कहा है कि कर्नाटक सरकार ने विभिन्न संस्थाओं को दिए गए 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के पुराने कर्जों की वसूली नहीं की है। वित्त लेखा 2022-23 पर आई कैग की रिपोर्ट कहती है कि पुराने कर्जों में से कुछ 1977 से ही लंबित पड़े हुए हैं। इनमें से कई कर्ज राज्य सरकार के ही विभागों एवं उपक्रमों से संबंधित हैं। कर्नाटक विधानसभा में पेश की गई। कैग ने कहा, 'राज्य सरकार के 8 विभागों से जुड़े 10,389.78 करोड़ रुपये के पुराने ऋणों के संबंध में मूलधन की भी वसूली पिछले कई वर्षों में नहीं हुई है।

यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका

पूर्व पीएम शास्त्री के पोते ने कहा अलविदा; बीजेपी में हुए शामिल

लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री ने पार्टी से अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, माननीय कांग्रेस अध्यक्ष श्री खरगे जी! आदरणीय महोदय, मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा देता हूं। अभी तक इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि आखिर उन्होंने यह कदम क्यों उठाया है।

भाजपा में हुए शामिल

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद विभाकर शास्त्री ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पिता के विरासत को बचाने में हुए असफल

विभाकर शास्त्री ने कांग्रेस के टिकट पर वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश की फतेहपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें महज 24,688 वोट ही मिले। इसके बाद साल 1999 में उन्होंने चुनाव लड़ा। इसके दस साल बाद 2009 में चुनावी मैदान में उतरे। तीनों बार उन्हें असफलता हासिल हुई। तीन बार प्रयास के बाद भी वह अपने पिता (हरिकृष्ण शास्त्री) की विरासत को नहीं सहेज पाए।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के काफिले से टकराई एक कार

सुरक्षाकर्मियों ने ड्राइवर को किया डिटेन

राज्यपाल बोस

कोलकाता, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के काफिले से एक कार टकरा गई है। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है और पुलिस भी इस मामले की सघनता से जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, टक्कर के बाद ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और हर एंगल से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के इंद्रपुरी थाने के इलाके में पूसा रोड पर वेस्ट बंगाल के राज्यपाल के काफिले में चल रही कार से एक टैक्सी टकरा गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है। वहीं टक्कर के बाद काफिले को रोका नहीं गया और ये चलता रहा। टैक्सी चालक काफिले का पीछा करते हुए राज्यपाल के गेस्ट हाउस पहुंच गया। जिसके बाद काफिले में चल रहे सुरक्षाकर्मियों ने दिल्ली पुलिस को जानकारी दी है। इस पर टैक्सी चालक का कहना है कि उसे नहीं पता था कि काफिला राज्यपाल का है। फिर सुरक्षाकर्मियों ने टैक्सी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और पूछताछ में जुट गई।

गुलाम नबी आजाद

अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने पर क्या कुछ बोले गुलाम नबी आजाद?

जम्मू, 14 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के कांग्रेस छोड़ने पर गुलाम नबी आजाद ने कहा कि ये पार्टी के लिए बड़ा झटका है।डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष ने कहा कि चव्हाण का महाराष्ट्र के एक क्षेत्र में अच्छा प्रभाव था, ऐसे में उनका छोड़कर जाना कांग्रेस के लिए झटका है। गुलाम नबी आजाद ने कहा, "महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री का योगदान रहा है। वो कांग्रेस छोड़ कर चले गए हैं। उनके पिता भी मुख्यमंत्री रहे हैं। पूरा खानदान कांग्रेस में रहा। बहुत बड़ा परिवार है। एक रीजन में अकेला, बड़ा नेता बचा था। वो बिल्कुल साफ हो गया है।' कांग्रेस के पूर्व नेता आजाद ने आगे कहा, "बहुत और लोग कांग्रेस छोड़ सकते हैं। कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। 16 साल वहां से मैं महाराष्ट्र से सांसद रहा। 10 साल लोकसभा में और फिर राज्यसभा से सांसद रहा। ये बड़ा झटका है। एक ही स्टेट थी महाराष्ट्र जहां, पार्टी खड़ी हो सकती थी। लेकिन इतने बड़े नेता ने छोड़ दिया है। कई राज्यों में कांग्रेस खत्म हो गई है।" अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और इसके बाद बीजेपी में शामिल हो गए। सूत्रों ने बताया कि बीजेपी उन्हें राज्यसभा भेज सकती है।

कुर्ता, पायजामा और सदरी

इस ख़ास ड्रेस में नज़र आएगी भारतीय नौसेना ऑफिसर्स मेस में नया ड्रेस कोड लागू

भारतीय नौसेना के ऑफिसर्स मेस में नया ड्रेस कोड

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के ऑफिसर्स मेस में नया ड्रेस कोड लागू हो गया है। अब जल्द ही भारतीय नौसेना भी वॉर्डरूम और ऑफिसर्स मेस (भोजनालय) में पारंपरिक भारतीय पोशाक में नजर आएंगे। भारतीय नौसेना ने इसकी मंजूरी दे दी है। इस ड्रेस की खासियत है कि इसे भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखकर शामिल किया गया है। ड्रेस कोड में कुर्ता, पायजामा और सदरी को शामिल किया गया है। कुर्ते का रंग आसमानी है, पायजामा का रंग सफेद और सदरी का रंग नेवी ब्लू है। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि भारतीय नौसेना में ऑफिसर्स मेस में नया ड्रेस कोड लागू हो गया है। अब बहुत जल्द ही भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना में भी यह लागू किया जाएगा। दरअसल अभी तक नौसेना में पारंपरिक भारतीय पोशाक पहनने की मनाही रही है। लेकिन अब नौसेना के अधिकारी और जवान कुर्ता, पायजामा और सदरी में नज़र आएंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ब्रिगेडियर हरदीप सिंह सोही ने इस तस्वीर को शेयर की है, जिसपर कई लोगों की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही हैं।

एक यूज़र ने कमेंट करते हुए लिखा है- ये बहुत ही शानदार ड्रेस है। एक अन्य यूज़र ने कमेंट करते हुए लिखा है- इससे जवान और शानदार दिखेंगे। इस ड्रेस को भारत की संस्कृति से जोड़कर बनाया गया है। फिलहाल के लिए ये ड्रेस ड्रोस कोड भारतीय नौसेना के ऑफिसर्स मेस के लिए लागू किया गया है। आने वाले दिनों में इसे थलसेना और वायुसेना के ऑफिसर्स मेस में लागू किया जाएगा।

आंदोलन से सब्जियों की कीमतों में लगेगी आग

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए यूपी गेट सहित सभी मुख्य मार्गों पर बाड़ेबंदी कर दी गई है, जिससे दिल्ली आने-जाने में परेशानी हो गई है। इसका सीधा असर सब्जियों की सप्लाई और इसकी कीमतों पर पड़ सकता है। पिछली बार भी किसान आंदोलन के कारण सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। सब्जी विक्रेता विनोद कुमार ने बताया कि वे गाजीपुर सब्जी मंडी से सब्जियां लेकर पूर्वी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बेचते हैं। अब तक गाजीपुर से बाजार तक सब्जी ले जाने के लिए दो सौ से तीन सौ रुपये के बीच ऑटो मिल जाते थे, लेकिन आज की स्थिति देखते हुए उन्हें पांच सौ रुपये देने पड़ रहे हैं।

2022 के एक केस को रद्द करने की मांग को लेकर एससी पहुंचे सीएम सिद्धारमैया

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया

चेन्नई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। 2022 में विरोध प्रदर्शन करने पर दर्ज मामले को रद्द करने की मांग के चलते वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। उन्होंने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। दरअसल, आत्महत्या मामले में नाम आने पर तत्कालीन मंत्री ईश्वरप्पा के इस्तीफे की मांग को लेकर सिद्धारमैया ने विरोध प्रदर्शन किया था। इसे लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में सीएम सिद्धारमैया ने कहा है कि यह सिर्फ एक विरोध प्रदर्शन था। इससे कानून-व्यवस्था का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। बाद में ईश्वरप्पा ने पद छोड़ दिया था। दरअसल, पिछले हफ्ते कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की 2022 में उनके खिलाफ दर्ज एक एफआईआर को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सीएम सिद्धारमैया, राज्य कैबिनेट मंत्री एमबी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी और कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही जन प्रतिनिधियों की अदालत में शारीरिक तौर पर पेश होने का आदेश भी दिया है। अदालत ने सीएम सिद्धारमैया को छह मार्च, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर रामलिंगा रेड्डी को सात मार्च, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी आरएस सुरजेवाला को 11 मार्च को और भारी उद्योग मंत्री एमबी पाटिल को 15 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। गौरतलब है कि वर्तमान सीएम सहित कांग्रेस नेताओं ने अप्रैल 2022 को ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के मामले में केएस ईश्वरप्पा की गिरफ्तारी की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था।

शिकायत पर तुरंत नहीं हुई कार्रवाई तो शख्स ने पुलिस चौकी के बाहर लगा ली आग, झुलसा

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने पुलिस चौकी के बाहर खुद को आग के हवाले कर दिया। शख्स की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई इसलिए उसने खुद को आग लगा ली। शख्स की उम्र 34 वर्ष बताई जा रही है। घटना की जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी। यह घटना वाघोली इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि रोहिदास जाधव ने पुलिस चौकी के बाहर खुद को आग लगा ली। पुलिसकर्मियों ने आग बुझाई और जाधव को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि जाधव की हालत गंभीर है। रोहिदास जाधव ने अपनी हाउसिंग सोसायटी में पार्किंग संबंधी विवाद को लेकर एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें पुलिस ने गैर-संज्ञेय अपराध के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में जवाबी शिकायत भी दर्ज कराई गई थी।

हाईकोर्ट की जमीन पर अतिक्रमण, पॉलिटिकल पार्टी ने बनाया दफ्तर

सुप्रीम कोर्ट ने खाली कराने का दिया आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में हाईकोर्ट की जमीन पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। यह अतिक्रमण किसी और ने नहीं बल्कि एक राजनीतिक दल के द्वारा किया गया है। हाईकोर्ट की इस जमीन पर राजनीतिक दल का दफ्तर चल रहा है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच के संज्ञान में आते ही अतिक्रमण को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी सरकार और दिल्ली हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को इस संबंध में मीटिंग बुलाने का आदेश पारित किया है।

राजनीतिक दल ने बनाया ऑफिस

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दिल्ली के मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग के सचिव और राष्ट्रीय राजधानी की सरकार के वित्त सचिव को इस मुद्दे पर एक बैठक बुलाने को कहा। यह निर्देश तब आया है जब मामले में शीर्ष अदालत की सहायता के लिए न्याय मित्र के रूप में नियुक्त अधिवक्ता के।परमेश्वर ने कहा कि एक राजनीतिक दल ने भूमि के एक टुकड़े पर अपना कार्यालय स्थापित किया है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने ने पहले दिल्ली सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में न्यायिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए निविदाएं जारी करने सहित उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। इसने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दिल्ली हाईकोर्ट और जिला अदालतों को धन उपलब्ध कराने के प्रति अपने ढुलमुल रवैये को लेकर राष्ट्रीय राजधानी की सरकार की आलोचना की थी।

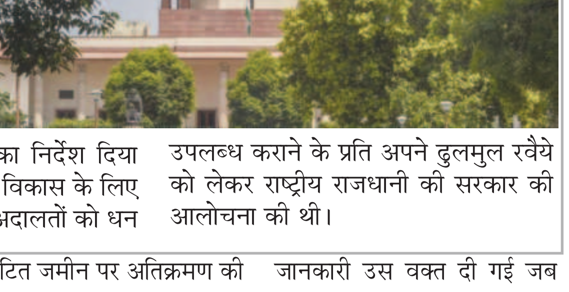

चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच को दिल्ली हाईकोर्ट के लिए आवंटित जमीन पर अतिक्रमण की जानकारी उस वक्त दी गई जब देशभर में न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित मामले पर सुनवाई चल रही थी। इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्नवर ने सुप्रीम कोर्ट की बेंच को बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट के अधिकारी उस आवंटित भूमि पर कब्जा लेने के लिए गए थे लेकिन उन्हें कब्जे की इजाजत नहीं दी गई। परमेश्वरन ने बेंच को यह भी बताया कि उस जमीन पर अब एक राजनीतिक दल का दफ्तर बन गया है। लेकिन उन्होंने किसी राजनीतिक दल के नाम का जिक्र नहीं किया। परमेश्वरन ने कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहते हैं। लेकिन यह कहा कि हाईकोर्ट जमीन का कब्जा वापस लेने में सक्षम नहीं है।

बिलकिस बानो मामले में फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंची गुजरात सरकार

पुनर्विचार याचिका दायर कर लगाई गुहार

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बिलकिस बानो के दोषियों को वापस जेल भेजने के मामले में गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। राज्य सरकार ने इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर कर फैसले से गुजरात सरकार के विरुद्ध की गई कड़ी टिप्पणियों को हटाने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने आठ जनवरी को 11 दोषियों को वापस जेल भेजने का आदेश देते हुए गुजरात सरकार के समय से पहले रिहाई के आदेश को रद कर दिया था। याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा मिलकर काम करने और आरोपितों के साथ मिलीभगत जैसी टिप्पणियां बहुत ही अनुचित हैं। कोर्ट द्वारा की गई इन टिप्पणियों से राज्य सरकार की छवि को काफी नुकसान हुआ है। मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आधार पर कार्रवाई की गई थी।

बिलकिस बानो

क्या है मामला?

2002 में गोधरा कांड के बाद गुजरात में भड़के सांप्रदायिक दंगों के समय बिलकिस बानो 21 साल की थीं। वह गर्भवती भी थीं। इस दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ दुष्कर्म कर परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी थी। इस मामले के सभी 11 दोषियों को गुजरात सरकार द्वारा छूट दी गई और 15 अगस्त, 2022 को रिहा कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था जेल भेजने का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने ही 2022 में गुजरात सरकार से छूट पर निर्णय लेने को कहा था। 2022 के फैसले के कारण ही 1992 के छूट नियमों को लागू किया गया था। राज्य सरकार ने याचिका में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी कि गुजरात राज्य ने प्रतिवादी नंबर-तीन के साथ मिलकर काम किया पूरी तरह से अनुचित है। आठ जनवरी के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दोषी ठहराए गए 11 लोगों को दी गई छूट को रद कर दिया था और आदेश दिया था कि उन्हें दो सप्ताह के भीतर वापस जेल भेजा जाए।

सांसद महुआ मोइत्रा

'अब भाजपा मुझे पार्टी में ज्वाइन कराना चाहेगी'

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा के बयान से मचा सियासी हंगामा

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर हमला बोला है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने को लेकर प्रतिक्रिया दी है। वहीं, टीएमसी नेता ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी जिक्र किया है। सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर उन्होंने लिखा, भाजपा जिस तरह से नेताओं को ज्वाइन करा रही है, जिन्हें कभी भ्रष्ट कहती थी। उस तरह से एक दिन वह चाहेगी कि मैं भी उनकी पार्टी में शामिल हो जाऊं। यह इनका गिरता हुआ स्तर है।

टीएमसी नेता ने रामलला का किया जिक्र

महुआ ने आगे रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए लिखा,मुझे लगा कि जब रामलला की कृपा से 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 400 सीटें आर रहीं हैं तो फिर पार्टी, हर नेता को अपने पाले में लाने के इतना बेचैन क्यों है। उन नेताओं को भी पार्टी अपने साथ जोड़ रही है, जिसे किसी दौर में उसने भ्रष्ट घोषित किया था।

क्यों गई टीएमसी नेता की लोकसभा सदस्यता?

बता दें कि टीएमसी सांसद पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर सदन में सवाल पूछने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने संसद में 61 सवाल पूछे जिनमें से 50 सवाल अदाणी समूह से जुड़े थे। इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई हुई और उन्हें अपनी लोकसभा सदस्यता गंवाई पड़ी।

हेमंत सोरेन के खिलाफ कार्रवाई पर आग बूबला हुई थीं महुआ

इससे पहले महुआ ने कहा था कि जिस तरह से विपक्षी नेताओं को परेशान किया जा रहा है, उससे जनता में गुस्सा है। झारखंड में जिस तरह से मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया, उसके बाद लोग गुस्से में हैं। बीजेपी में कई पूर्व मंत्री हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, लेकिन छापे नहीं पड़ते। वहीं, सोमवार को हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर उनके खिलाफ कोई सबूत मिला, तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

सुविचार

झाड़ू में जब तक बंधन होता है तब तक वो कचरे को साफ करता है बंधन खुल जाने पर झाड़ू खुद कचरा बन जाता है; इसलिए हमेशा अपनो से बंधे रहिए, क्योंकि अनेकता में एकता होती है

अगर केसीआर ईमानदार हैं तो उन्हें कालेश्वरम परियोजना पर बहस में भाग लेना चाहिए : सीएम

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अपमानजनक टिप्पणी को लेकर तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस और बीआरएस विधायकों के बीच तीखी बहस हुई। जब लेखानुदान बजट पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र शुरू हुआ तो सदन में कांग्रेस और बीआरएस विधायकों के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने नलगोंडा में बीआरएस प्रमुख केसीआर द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर गुस्सा व्यक्त किया और उन्हें चुनौती देते हुए कहा, "क्या आप कालेश्वरम परियोजना पर चर्चा के लिए तैयार हैं?" "कांग्रेस सरकार कालेश्वरम परियोजना और गोदावरी नदी के पानी के विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है। हम कल शाम तक का समय दे रहे हैं। यदि केसीआर ईमानदार हैं और कालेश्वरम परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान किसी भी अनियमितता में शामिल नहीं हैं, तो उन्हें सामने आना चाहिए विधानसभा और चर्चा में भाग लें। केसीआर की उस टिप्पणी को याद दिलाते हुए जिसमें उन्होंने कहा था कि वह रेवंत रेड्डी को मार डालेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने केसीआर को हाल के विधानसभा चुनावों में पहले ही मौत का झटका दे दिया है और मरे हुए सांप को मारने की जरूरत किसे है?' हालांकि, बीआरएस विधायक कादियाम श्रीहरि ने भी मुख्यमंत्री द्वारा केसीआर के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा पर आपत्ति जताई और कहा कि रेवंत रेड्डी के लिए ऐसी भाषा बोलना उचित नहीं है जो विधानसभा में नहीं बोली जानी चाहिए।

किसानों का ऋण कब माफ होगाः कडियम

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव में जो वादे किये थे उसके लिए प्रति वर्ष 1.36 लाख करोड़ रुपये की जरूरत है। उन्होंने विधानसभा में लेखानुदान बजट पर बहस में यह बात कही। उन्होंने पिछले आंकडों का जिक्र करते हुए कहा कि किस तरह बीआरएस के शासन के दस वर्षों के दौरान आर्थिक विकास हुआ था। उन्होंने कहा कि केसीआर के शासन में तेलंगाना में महत्वपूर्ण विकास हुआ है। कांग्रेस ने छह गारंटी के नाम पर 13 गारंटी दी है। एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक, युवा, किसान और महिलाओं के घोषणा की गई। अगर हम उस पार्टी द्वारा दिए गए आश्वासनों को गिनें तो 420 हैं। अभी पेश किया गया बजट छह गारंटी लागू करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह ऋण माफी सहित घोषणा की लागत के अतिरिक्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कहा था कि 9 दिसंबर को किसानों का कर्ज माफ होगा.. हम तो यही पूछ रहे हैं कि किसानों का श्रण कब माफ होगा। . उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र के लिए 3,500 मकान स्वीकृत करने की बात कही गयी है। . 119 विधानसभा क्षेत्रों में 4.16 लाख घरों के लिए 24 हजार करोड़ रुपये की जरूरत है। बजट में सिर्फ % हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. महालक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक महिला को 2500 रुपये देने का आश्वासन दिया गया है।. अगर यह घर के एक व्यक्ति को भी दिया जाए तो भी 20 हजार करोड़ रुपये की जरूरत है बजट में इसका उल्लेख तक नही है। . सरकार बताए कि किसान कर्जमाफी कैसे और कब पूरी होगी। उन्होंने कहा कि सत्तापक्ष कालेश्वरम प्रोजेक्ट को लेकर शोर मचाकर लोगों को गुमराह न करें। कालेश्वरम के साथ कई जलाशय आए हैं।.. हमने जल भंडारण क्षमता बढ़ाई है। कडि.म श्रीहरि ने कहा कि इस परियोजना में बैराज, पंपहाउस, नहरें और सबस्टेशन शामिल हैं। मेडिगड्डा में केवल 2 या 3 खंभे, जो इसका एक हिस्सा है, ढह गए हैं। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें।.. हमें कोई आपत्ति नहीं है।

बीआरएस नेताओं ने कोई सबक नहीं सीखा : राजगोपाल

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि हाल के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की हार के बावजूद बीआरएस नेताओं ने कोई सबक नहीं सीखा। बुधवार को विधानसभा में वोट-ऑन-अकाउंट बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने विधानसभा में बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के प्रति बीआरएस विधायक केटी रामाराव का दुर्व्यवहार पाया और आरोप लगाया कि केटी रामाराव ने उनका अपमान किया था। "केटी रामा राव ने पिछली सरकार में रहते हुए जिस तरह का व्यवहार किया था, वह अब भी वैसा ही कर रहे हैं। वह कितने अहंकारी हैं। बीआरएस नेताओं ने कोई सबक नहीं सीखा और अपना व्यवहार नहीं बदला, भले ही उनकी पार्टी को अपमानजनक हार मिली हो। बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि द्वारा मंत्री पद को लेकर की गई टिप्पणी पर भी कांग्रेस विधायक नाराज हो गए।राजगोपाल रेड्डी ने कहा, "मुख्यमंत्री और मेरी पार्टी का नेतृत्व यह निर्णय लेगा कि मुझे मंत्री पद दिया जाए या नहीं। यह मामला बीआरएस से संबंधित नहीं है और उन्हें मेरे खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है।"क्षउन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना कार्यकर्ता और पूर्व विधायक थडिकोंडा राजैया को कडियम श्रीहरि ने दो बार धोखा दिया था। "जब राजैया उप मुख्यमंत्री के पद पर थे, तब उन्हें अपमानजनक तरीके से बर्खास्त कर दिया गया था। कडियम श्रीहरि ने कभी भी तेलंगाना आंदोलन में भाग नहीं लिया और तेलंगाना के लिए बात की।

सीपी साइबराबाद और एससीएससी ने बीएफएसआई कंपनियों के सीईओ के साथ इंटरैक्टिव बैठक की

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) साइबराबाद पुलिस आयुक्त, अविनाश मोहंती, और एससीएससी के महासचिव रमेश काजा ने साइबराबाद में लगभग 20 बड़े बीएफएसआई संगठनों के सीईओ के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। इस बैठक का उद्देश्य उद्योग से फीडबैक प्राप्त करना है कि एससीएससी कैसा प्रदर्शन कर रहा है, ऐसी कौन सी पहल हैं जिन पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए / रोका जाना चाहिए या विराम दिया जाना चाहिए, कोई नई पहल की जा सकती है और सुझाव - और साइबराबाद पुलिस कैसे है एससीएससी के साथ, आईटी उद्योग को लाभ पहुंचाने के लिए और अधिक पहल की जा सकती है ताकि अधिक कंपनियां हैदराबाद में आधार स्थापित कर सकें और मौजूदा कंपनियां शहर में आगे बढ़ सकें। एससीएससी जो कर रहा है उसकी हर किसी ने सराहना की है और कुल मिलाकर, साइबराबाद पुलिस के साथ-साथ एससीएससी के योगदान के बारे में सकारात्मक भावना है। उद्योग जगत की ओर स कुछ सुझाव आए। इनमें से प्रमुख रूप पुलिस को कार पूलिंग पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए, क्योंकि इससे निश्चित रूप से सड़कों पर भीड़ कम होगी। व्यक्तिगत उपयोगकर्ता एक अवधारणा के रूप में कार पूलिंग में शामिल हो सकते हैं। संगठनों से आग्रह किया गया है कि वे अपने सूचना सुरक्षा पेशेवरों को सीआईएसओ परिषद में नामांकित करें या सीओई में भाग लें। सीपी सर ने कहा कि साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र-टीएसपीसीसी की विस्तारित क्षमता के बाद सीओई बड़ी संख्या में लोगों को समायोजित कर सकता है। उद्योग प्रतिनिधियों ने साइबराबाद पुलिस से बढ़ते साइबर अपराधों पर ध्यान देने का अनुरोध किया और उन्होंने कहा कि वे जागरूकता फैलाने के लिए जहां भी आवश्यक हो, अपना हाथ बंटाएंगे और वे विभाग/एससीएससी के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं। विभाग ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि वे उनके साथ मिलकर काम करेंगें।

इंदिराम्मा राज्यम को लेकर कांग्रेस-बीआरएस में वाकयुद्ध

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ कांग्रेस और प्रमुख विपक्षी दल बीआरएस के बीच बुधवार को विधानसभा में इंदिराम्मा राज्यम मुद्दे पर वाकयुद्ध हुआ। बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए बीआरएस सदस्य कडियाम श्रीहरि ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर 1969 के दौरान तेलंगाना आंदोलन को कुचलने का आरोप लगाया। यह 1969 और 2001 में कांग्रेस सरकार थी जिसने तेलंगाना आंदोलन को दबाने की कोशिश की थी। कांग्रेस ने हमेशा तेलंगाना के लोगों के साथ अन्याय किया है। जब भी लोग इंदिरा गांधी का जिक्र करते हैं तो तुरंत आपातकाल के दौरान की क्रूरता याद आ जाती है। हम तेलंगाना में इस तरह का शासन नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों को एहसास हुआ कि इंदिराम्मा राज्यम में उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, इसलिए उन्होंने एक अलग राज्य की मांग शुरू कर दी। विधायी मामलों के मंत्री डी श्रीधर बाबू ने इंदिराम्मा राज्यम को जनविरोधी बताने पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि तेलंगाना के लोग जानते हैं कि इंदिरा गांधी ने राज्य और देश के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा, अध्यक्ष को इंदिराम्मा राज्यम पर चर्चा करने दीजिए, हम बताएंगे कि यह क्या है और इससे लोगों को कैसे फायदा हुआ है। श्रीहरि ने बजट भाषण में अलग राज्य हासिल करने में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की भूमिका का उल्लेख नहीं करने पर भी सरकार पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, सरकार ने अलग राज्य बनाने के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया, लेकिन तेलंगाना आंदोलन का नेतृत्व करने वाले चंद्रशेखर राव का उल्लेख करने में विफल रही।

विधानसभा में बीआरएस विधायकों और पुलिस के बीच हुई तीखी झड़प

बीआरएस सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से बहिर्गमन किया

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। असेंबली मीडिया प्वाइंट पर आज तनाव व्याप्त हो गया। जब बीआरएस पार्टी के विधायकों ने मीडिया प्वाइंट पर जाने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया।बीआरएस सदस्यों और पुलिस के बीच बहस हो गई। पूर्व मंत्री केटीआर और हरीश राव ने पुलिस से बहस की कि उन्हें मीडिया पॉइंट पर क्यों नहीं जाना चाहिए? पुलिस ने कहा कि नियम हैं कि जब सदन का सत्र चल रहा हो तो सदस्यों को नहीं बोलना चाहिए। नियमों को लेकर केटीआर और हरीश राव की पुलिस से बहस हो गई। हालांकि, पुलिस ने बीआरएस सदस्यों को अनुमति नहीं दी। इससे बीआरएस सदस्यों और पुलिस के बीच तीखी बहस हुई। बीआरएस सदस्य फर्श पर बैठ गए और विरोध प्रदर्शन किया। उधर, विधानसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों दलों ने एक-दूसरे की आलोचना की। बीआरएस सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से बहिर्गमन किया। बीआरएस ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई। पिंक पार्टी के विधायकों ने सत्ता पक्ष के नेताओं के व्यवहार का विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया।कांग्रेस, सीपीआई और एआईएमआईएम विधायकों ने मंगलवार को कालेश्वरम परियोजना का दौरा किया था। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कई बार पूर्व सीएम केसीआर को विधानसभा में आने का निमंत्रण दे चुके हैं। मंगलवार को सीएम रेवंत ने मेदिगड्डा से भी टिप्पणी की और केसीआर को विधानसभा में आने के लिए कहा, हालांकि, केसीआर इसमें शामिल नहीं हुए।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-East-WAT-05-2024, दिनांक :07.02.2024

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियन्ता/श्रीकाकुलम के अधिकार क्षेत्र के अधीन नौपडा (NWP)-कोटबोमाल्ली (KBM) के बीच KM 703 से KM 706 के बीच जल आपूर्ती पाइप लाइन की मरम्मत।

कार्य की आकलित लागत (रुपये में) : ₹ 92,81,494.83, EMD (रुपये में) : 1,85,600/-, पूरा होने की अवधि : 03 (तीन) महीन।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 29.02.2024 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1089/O/23-24

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Bhardwaj R, S/o. Late Nagesh R, resident of, Flat No. G4, D-Block, Sri Chakra Nilayam Apartments, Al-lapur Housing Society, Nizampet Road, Hyderabad, Telangana 500085, have changed my name from Bhardwaj R to Ravavarapu Bharadwaj vide-Affidavit dt 13.02.2024, before Sub- Divisional Magistrate, Hyderabad, Telangana.

I, Padmasree, W/o.Late. Nagesh R, resident of, Flat No.G4, D-Block, Sri Chakra Nilayam Apartments, Al-lapur Housing Society, Nizampet Road, Kukatpally, Hyderabad, Telangana 500085, have changed, my name from Padmasree to Padma Sri Ravavarapu vide-Affidavit dt 13.02.2024, before Sub- Divisional Magistrate, Hyderabad, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एनसीसी कैडेट सार्जेंट श्रीहरि बिनॉय शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित

सिकंदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के एनसीसी दल ने हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न गणतंत्र दिवस शिविर में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। 128 छात्रों के दल ने 57 पदक और तीन ट्राफियां जीती थीं। देशभक्ति और समर्पण के उल्लेखनीय प्रदर्शन में 9 वीं कक्षा के छात्र, सार्जेंट श्रीहरि बिनॉय, जो एनसीसी दल का हिस्सा थे, को प्रिंसिपल सुश्री सुनीर नागी और एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, तृतीय अधिकारी सीएम साई प्रसाद की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस परेड में उनकी भागीदारी के लिए सम्मानित किया गया।

उत्सव के मुख्य अतिथि एयर कमोडोर वीएम रेड्डी, उप महानिदेशक एनसीसी, एपी और तेलंगाना ने मेमेंटो और केन (एनसीसी) प्रस्तुत किया। युवा विद्वान को गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। ट्रैक पर कार्यक्रम का नेतृत्व एयर कमोडोर वीएम रेड्डी द्वारा एनसीसी ध्वजारोहण के बाद किया गया, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और एनसीसी ड्रिल हुई। कार्यक्रम में बोलते हुए, एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने एनसीसी की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डाला और छात्रों को जुनून और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य का पालन करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड, भारत की एकता, ताकत और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक, एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। इस परेड में सार्जेंट श्रीहरि का शामिल होना हमारे महान राष्ट्र के मूल्यों को बनाए रखने के लिए उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने एनसीसी का समर्थन करने के लिए स्कूल बिरादरी की सराहना की और एनसीसी में उनके योगदान के लिए अपने निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

बंजारा कर्मचारियों के लिए आज विशेष अवकाश की घोषणा

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने बंजारा देवता संत सेवालाल महाराज की जयंती मनाने के लिए गुरुवार को विशेष सामान्य अवकाश की घोषणा की है। इस संबंध में एक विशेष सीएल प्रदान की गई है और जीओ जारी किया गया है। सरकार ने यह निर्णय बंजारा कर्मचारियों व जन प्रतिनिधियों के अनुरोध पर लिया है।

24 साल पुराने मामले में

रणदीप सुरजेवाला की बढ़ी मुसीबतें 21 फरवरी को होगी सुनवाई

रणदीप सिंह सुरजेवाला

वाराणसी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में आयुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप के 24 साल पुराने मामले में आरोपित कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ सुनवाई के लिए विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने 21 फरवरी की तिथि मुकर्रर की है। रणदीप सिंह सुरजेवाला की ओर से इस अदालत में इस आशय का आवेदन दिया गया कि निचली अदालत से पारित आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। जिस पर सुनवाई होनी है। ऐसे में तब तक उक्त मामले में कार्यवाही स्थगित रखने की अदालत से मांग की गई।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है याचिका

बता दें कि इस मामले में सुरजेवाला के खिलाफ स्थानीय अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है। सुरजेवाला की तरफ से आरोप से डिस्चार्ज किये जाने का अनुरोध स्थानीय अदालत में किया गया है जिसके लिए केस डायरी और अन्य अभियोजन प्रपत्र की मांग की गई थी।

किसानों को मिला बसपा का समर्थन

मायावती बोलीं- इनका शोषण करना ठीक नहीं

मुखिया मायावती

लखनऊ, 14 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने किसानों के आंदोलन का समर्थन दिया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने सरकार पर जुबानी हमला बोला। मायावती ने कहा- अपने भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने वाले मेहनतकश किसानों की जो माँगें हैं सरकार उन्हें गंभीरता से ले तथा उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके उनका समय से समुचित समाधान करे, ताकि अन्नदाता किसानों को अपनी माँगों के समर्थन में बार-बार आन्दोलन के लिए मजबूर न होना पड़े। बसपा चीफ ने कहा कि इस सम्बंध में 'दिल्ली चलो' के वर्तमान अभियान के तहत आन्दोलित किसानों पर सख्ती करने के बजाय केन्द्र सरकार उनसे सही वार्ता करके उनके आन्दोलन को समाप्त करने का प्रयास करे तो बेहतर तथा इनका शोषण करना भी ठीक नहीं।

ऐसे करने वाले थे 'खेला'

जदयू विधायक ने खोल दी सारी पोल राजद में शामिल होने के लिए दिया था ऑफर

पटना, 14 फरवरी (एजेंसियां)। फ्लोर टेस्ट में तेजस्वी यादव ने 'खेल' करने का दावा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब जदयू के एक बड़े विधायक ने बड़ा दावा किया है। जनता दल (यूनाइटेड) के विधायक सुधांशु शेखर ने एक प्राथमिकी दर्ज कर दावा किया कि उन्हें विश्वास मत से पहले राजद के नेतृत्व वाले 'महागठबंधन' में जाने के लिए पार्टी के सहयोगी द्वारा 5 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

फोन आया लेकिन बात नहीं सुनी- जदयू विधायक

तेजस्वी यादव

उन्होंने कहा, 'मैंने एफआईआर में सारी जानकारी दे दी है। मैं यह सब किसी दबाव में नहीं कर रहा हूं। मुझे 5 करोड़ रुपये और कैबिनेट में मंत्री पद की पेशकश की गई थी। मुझे कई इंटरनेट कॉल आईं लेकिन मैंने उनकी बात नहीं सुनी।'

फोन करके किया जा रहा था परेशान- जदयू विधायक

उन्होंने कहा कि राजद की तरफ उन्हें बार बार फोन करके परेशान किया जा रहा था। इसके अलावा, बीमा भारती के आरोपों पर जदयू विधायक ने कहा कि सरकार किसी को परेशान नहीं कर रही है, जो दोषी होगा, उसको कानून तो पकड़ेगा। हमने प्राथमिकी कराई है, उसपर जांच चल रही है, जो दोषी होंगे उनपर कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि फ्लोर टेस्ट से पहले तेजस्वी यादव ने बिहार में 'खेला' करने का दावा किया था। वहीं, एनडीए के कुछ विधायक सदन में देर से पहुंचे थे, इसपर सम्राट चौधरी ने कह दिया था कि जो लोग लेट पहुंचे हैं, उनकी फाइल खोली जाएगी।

21 मुकदमे 25 हजार का इनाम; रामपुर पुलिस से हो गई रात में मुठभेड़

रामपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। तीन घरों में लूट के मामले में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। जानकारी मिलने पर एसपी राजेश द्विवेदी घटनास्थल पहुंचे। बाद में जिला अस्पताल जाकर घायल से पूछताछ भी की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश मुरादाबाद के थाना बिलारी के मंगूपुरा का ओमकार है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर सात जनवरी की रात सिविल लाइंस क्षेत्र के पंजाबनगर गांव के तीन घरों में स्वजन को बंधक बनाकर लाखों रुपये की लूट की थी।

कल्कि धाम मंदिर शिलान्यास में आएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संभल, 14 फरवरी (एजेंसियां)। 19 फरवरी को ऐचोड़ा कंबोह के कल्कि धाम परिसर में भव्य मंदिर की आधारशिला रखने आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत को संभल तैयार है। सुरक्षा से लेकर पूरी व्यवस्था चाक चौबंद करने की तैयारी है। जमीन से तकरीबन चार से पांच फुट नीचे काफी बड़े भाग में गर्भगृह के लिए शिलापूजन होना है। नीचे तक जाने के लिए सीढ़ियां बनाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री इस दौरान सात सीढ़ियों से उतरकर गर्भगृह तक पहुंचेंगे और मंदिर के शिलान्यास की पहली शिला रखेंगे। इससे पहले आचार्यों के समूह द्वारा विधि-विधान से मंत्रोच्चार होगा। यह पूरा कार्यक्रम कुछ मिनटों में ही सम्पन्न होगा। इसके बाद मंदिर के अन्य जगहों का भ्रमण करते हुए प्रधानमंत्री भविष्य के भव्य कल्कि धाम के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेंगे।

सुरक्षा कड़ी

मुख्य काम भव्य व मजबूत पंडाल तथा कई घेरों की सुरक्षा व्यवस्था ही है। इसे लेकर जिलाधिकारी मनीष बंसल और एसपी कुलदीप सिंह गुनावत काम में जुटे और अधिकारियों के साथ परिसर स्थित अस्थायी सभागार में बैठक की। यहां पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिये मुख्यमंत्री से मिले दिशा निर्देश को बताया गया। मुख्यमंत्री ने वाहन पार्किंग के साथ ही हर पार्किंग में पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाने का निर्देश दिया था। इसके लिए एसपी ने निर्देशित किया। डीएम ने यातायात व परिवहन विभाग को सड़क पूरी तरह क्लीयर रखने तथा वाहनों को तय पार्किंग स्थल में ही खड़ा करवाने के निर्देश दिए।

पांच हजार से ज्यादा अतिथियों के लिए बन रहा पंडाल

कार्यक्रम स्थल के पास ही आमंत्रित पांच हजार से ज्यादा अतिथियों के लिए लोहे का बड़ा पंडाल बन रहा है। इस पंडाल पर न वर्षा का असर पडेगा और न ही धूप का। एक तरह से यह बड़े सभागार की तरह ही है। यहां से ही प्रधानमंत्री अतिथियों के साथ ही वहां मौजूद एक लाख से ज्यादा लोगों से कुछ वक्त के लिए रूबरू भी होंगे।

इसके अलावा कई लेयर में सुरक्षा होनी है ऐसे में जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट के लेकर भी चर्चाएं हुईं।

बेटे को बचाने के लिए तेंदुए से भिड़ गई मां

बिछिया (बहराइच), 14 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच में पांच मिनट तक कड़े संघर्ष के बाद आखिरकार तेंदुए के जबड़े से मां ने अपने डेढ़ वर्षीय बच्चे को छुड़ाने में सफलता पाई। मामला कतर्नियाघाट वन्य जीव अभ्यारण्य के सुजौली रेंज अंतर्गत अयोध्यापुरवा का है। बीती रात 11 बजे डेढ़ वर्षीय अयान पुत्र बुधई अपनी मां के साथ सो रहा था, तभी जंगल से निकलकर आया तेंदुआ पक्के मकान में घुस गया और बच्चे को जबड़े में दबोच लाया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर मां आंगन तक दौड़ी और अपने बच्चे को बचाने के लिए तेंदुए से भिड़ गई। पांच मिनट तक कड़े संघर्ष के बाद आखिरकार मां ने अपने बच्चे को तेंदुए के जबड़े से छुड़ाने में सफलता पाई।

आजम खां के भड़काऊ भाषण मामले में आरोप तय

अब 28 फरवरी होगी सुनवाई

महासचिव आजम खां

रामपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां के खिलाफ भड़काऊ भाषण के एक अन्य मामले में न्यायालय ने आरोप तय किए हैं। इस दौरान आजम खां वीडियो कांफ्रेंस के जरिए न्यायालय में पेश हुए। न्यायालय ने उन्हें आरोप पढ़कर सुनाए। आजम खां ने आरोपों से इनकार किया। इस पर न्यायालय ने मामले की सुनवाई के आदेश दिए और अभियोजन को गवाह पेश करने के लिए कहा। इस मामले में अब 28 फरवरी को सुनवाई होगी। आजम खां के खिलाफ भड़काऊ भाषण के कई मामले दर्ज हुए थे। अलग-अलग थानों में दर्ज इन मामलों की सुनवाई न्यायालय में चल रही है। इनमें एक मामला शहर कोतवाली का है। उन्होंने किला मैदान में पहली दिसंबर 2022 में लोकसभा उप चुनाव के दौरान जनसभा की थी, जिसमें उन पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। वीडियो निगरानी टीम के प्रभारी रहे सुरेश कुमार ने उनके खिलाफ शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसकी सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट मजिस्ट्रेट ट्रायल में चल रही है। मंगलवार को सुनवाई थी। न्यायालय ने आईपीसी की धारा 153 ए, 505 (1) बी और 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आजम खां पर आरोप तय किए हैं। वर्तमान में आजम खां सीतापुर जेल में बंद हैं। उन्हें जेल से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से न्यायालय में पेश किया गया, जहां उन्हें आरोप पढ़कर सुनाए गए। आजम खां ने आरोपों से इनकार किया। न्यायालय ने सुनवाई के लिए गवाह को समन जारी करते हुए तलब किया है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि इस मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। उधर, डूंगरपुर प्रकरण के तीन मामलों में भी मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें आजम खां के इशारे पर डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने, लूटपाट व मारपीट करने के आरोप हैं। तीनों मामलों की विवेचना करने वाले इंस्पेक्टर रामवीर सिंह की गवाही चल रही है। उन्होंने अपने बयान दर्ज कराए। उनकी गवाही पूरी हो गई है। इस मामले की सुनवाई अब 16 फरवरी को होगी।

अफसरों पर भड़के नितिन गडकरी बोले

जल्द सुधर जाएं वर्ना नाम होंगे सार्वजनिक

नितिन गडकरी

लखनऊ, 14 फरवरी (एजेंसियां)। चम्पावत जिले के टनकपुर में हुई जनसभा के दौरान नितिन गडकरी ने उत्तराखंड के कलेक्टरों और वन अफसरों को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि अफसरों की लापरवाही से उत्तराखंड में करोड़ों की परियोजनाएं अधर में लटकी हुई हैं। कहा कि यदि ये काम तेजी से होते तो उत्तराखंड के लोगों के जीवन की राह काफी आसान हो जाती। चेताया कि लापरवाह अफसर नहीं सुधरे तो नाम सार्वजनिक करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री के इस रुख से अफसरों में हड़कंप मचा हुआ है।

16 फरवरी को कैमूर आएंगे राहुल गांधी

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को लेकर महागठबंधन ने की बैठक

नेता राहुल गांधी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'

कैमूर (भभुआ), 14 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को लेकर दुर्गावती स्थित प्रखंड कार्यालय में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अहम बैठक की, जिसकी अध्यक्षता आरजेडी के वरिष्ठ नेता बब्बन लाल श्रीवास्तव ने किया। वहीं संचालन आरजेडी के प्रखंड अध्यक्ष तौहीद खान ने किया। इस बैठक में 16 तारीख को दुर्गावती में पहुंच रही राहुल गांधी की न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर बैठक

बैठक में दुर्गावती की सीमा डीड़खीली के पास न्याय यात्रा को रिसीव करने और कार्यक्रम स्थल पर तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम स्थल पर काफी संख्या में कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने की रणनीति बनाई गई। इस संबंध में आरजेडी प्रखंड अध्यक्ष तौहीद खान ने बताया कि 16 तारीख को हजारों की संख्या में दो पहिया और चार पहिया वाहन से राहुल गांधी की न्याय यात्रा को बक्सर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत दुर्गावती प्रखंड की सीमा डीड़खीली में राष्ट्रीय राजमार्ग पर रिसीव किया जाएगा। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं के द्वारा राहुल गांधी का फूलमाला से स्वागत किया जाएगा। इसके बाद इंटर कॉलेज धनेछा के मैदान में एक कार्यक्रम रखा जाएगा। जहां पर कम से कम 20 से 25 हजार लोगों की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर पर राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता तैयारी में जुटे हुए हैं।

राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने की अपील

आरजेडी नेताओं ने आम लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा की संख्या में लोग इंटर कॉलेज धनेछा के मैदान में 16 फरवरी को पहुंचकर राहुल गांधी के विचारों को सुनें, ताकि देश में एक सही सरकार का निर्माण हो सके।

पति और बेटा को जेल भिजवा दिए

तुम लोगों को भी मार देंगे जेडीयू विधायक बीमा भारती को धमकी

विधायक बीमा भारती

पटना, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू की विधायक बीमा भारती को फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने पटना के सचिवालय थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बीमा भारती ने सचिवालय थाने में पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया है कि उनके सरकारी मोबाइल पर रात एक नंबर से कॉल आया था। धमकी देने वाले ने पहले गाली-गलौज की और फिर जान से मारने की धमकी दी। धमकी देने वाले ने कहा कि फ्लैट में घुसकर जान मार देंगे। पति और बेटा को जेल भिजवा ही दिए तुम लोगों को भी मार देंगे। बीमा भारती ने आवेदन में इस बात का जिक्र किया है कि जिस समय उनको धमकी भरा कॉल आया था उस समय जेडीयू विधायक गोपाल मंडल भी उनके घर पर मौजूद थे।

शिकायत के बाद मामले की जांच में जुटी पुलिस

जेडीयू विधायक की ओर से आवेदन मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बता दें कि बीमा भारती विधानसभा में उस वक्त मौजूद नहीं थीं जब स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग हो रही थी। जेडीयू विधायकों की बैठकों में भी नहीं आ रही थीं। आरजेडी के संपर्क में थीं ऐसी बात सामने आई थी, लेकिन बीमा भारती ने इन आरोपों को नकारा था। पहले भी बागी रुख अपना चुकी हैं। गौरतलब हो कि बीमा भारती के पति अवधेश मंडल का आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने अभी आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया है। बेटे को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों को जेल भेज दिया गया है। इसके बाद बीमा ने कहा था कि जानबूझकर सरकार परेशान कर रही है। अब उन्होंने फोन पर धमकी की शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन में जिक्र किया है कि उन्हें मोबाइल नंबर से फोन आया था और धमकी दी गई है।

नाक से बह रहा था खून.. बेड पर पड़ी थी मूकबधिर महिला की लाश, एडीए कर्मी पति नामजद; पुलिस तलाश में जुटी

आगरा, 14 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में आवास विकास कॉलोनी स्थित एंथिला अपार्टमेंट के फ्लैट में सोमवार को मूकबधिर पत्नी की हत्या के मामले में एडीए कर्मचारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पति भी मूकबधिर है। फोन स्विच आफ कर लिया है। पुलिस उसकी तलाश में लगी है।

पीडीए में आलोक रंजन- जया बच्चन का क्या काम

स्वामी प्रसाद मौर्य के लेटर बम के बाद अब पल्लवी पटेल की बगावत

विधायक पल्लवी पटेल

लखनऊ, 14 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के लिए राज्यसभा का चुनाव सिरदर्द साबित हो रहा है। माना जा रहा था कि सपा तीन राज्यसभा सीटों पर आसानी से अपने उम्मीदवार को जीत दिलाने में कामयाब हो जाएगी। लेकिन, अब पार्टी के भीतर से उठ रही आवाजों ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की चिंता बढ़ा दी है। अगर भारतीय जनता पार्टी या किसी स्वतंत्र उम्मीदवार ने खेला किया तो अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ सकती है। दरअसल, समाजवादी पार्टी विधायक पल्लवी पटेल ने राज्यसभा चुनाव के मामले में अपना अलग रुख अपनाया है। उनके रुख का असर पार्टी की रणनीति पर पड़ सकता है। वे अपना दल कमेरावादी की नेता भी हैं। यूपी चुनाव 2022 के समय से सपा के साथ हैं। पल्लवी पटेल से पहले समाजवादी पार्टी महासचिव पद से स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा दे दिया है। अखिलेश यादव के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। पल्लवी पटेल की बगावत से समाजवादी पार्टी का राज्यसभा में चुनाव का समीकरण गड़बड़ाने के संकेत मिलने लगे हैं।

पल्लवी ने अखिलेश पर साधा निशाना

पल्लवी पटेल ने एक मीडिया इंटरव्यू में पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक की राजनीति पर भी प्रहार किया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार आलोक रंजन, जया बच्चन और रामजी लाल सुमन को उम्मीदवार बनाए जाने के दौरान सहयोगी दलों से चर्चा नहीं किए जाने की बात कही है। पल्लवी पटेल ने अखिलेश यादव या समाजवादी पार्टी से नाराजगी जैसी कोई बात नहीं होने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बात नीति की है। उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे पीडीए का अर्थ पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समझ में आता है, लेकिन मदांध लोग उसे बच्चन और रंजन बनाने में जुटे हुए हैं।

सपा पर लगाया पीडीए को धोखे का आरोप

पल्लवी पटेल ने कहा कि जब हम पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों के लिए प्रतिबद्ध हैं तो यह दिखना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इमान की राजनीति करती हूं। जहां उनकी हकमारी हो रही है। जहां उनके साथ धोखा हो रहा है। उस हकमारी- धोखेबाजी में मैं शामिल नहीं हूं। जया बच्चन को उम्मीदवार बनाए जाने पर पल्लवी ने कहा कि वे देश का सम्मान हैं। मूर्धन्य कलाकार हैं। वे विशिष्ट व्यक्ति हैं। दूसरा कोई व्यक्ति है, वह सरकारी क्लर्क हो सकता है। लेकिन, यह कोई फिल्मी लड़ाई नहीं चल रही है। यह लड़ाई, गांव, गरीब, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक की है। अगर उनके हक- अधिकारों से धोखा होगा तो आवाज उठानी लाजिमी है।

लोकसभा चुनाव तक दारुल उलूम में नेताओं का स्वागत नहीं, फोटो पर भी रोक

सहारनपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले देवबंद दारुल ने बड़ा एलान कर दिया है। लोकसभा चुनाव तक किसी भी राजनीतिक दल के नेता का इस्तकबाल यानी स्वागत उलेमा नहीं करेंगे। ऐसा इसलिए किया गया है कि चुनाव के दौरान नेता दारुल उलूम में आकर वोटरों को भ्रमित करने का प्रयास कर सकते हैं। इसलिए चुनाव तक देवबंद दारुल उलूम नेताओं से दूरी बनाकर रखेगा। दरअसल देवबंद दारुल उलूम से जुड़े मुसलमानों की संख्या ठोस में है। करोड़ों की संख्या में लोग देवबंद दारुल उलूम के फैसलों का अनुपालन करते हैं। ऐसे में वोटरों को साधने के लिए चुनाव के समय नेता दारुल उलूम का रुख करते हैं। यहां उलेमाओं के साथ अपनी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करते हैं। इसी को देखते हुए दारुल उलूम ने चुनाव तक राजनीतिक दलों और नेताओं से उचित दूरी बनाए रखने का निर्णय किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देवबंद दारुल उलूम के मोहतमिम अबुल कासिम नोमानी ने साफ शब्दों में कहा है कि चुनाव के दौरान देवबंद दारुल उलूम किसी भी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं करेगा। वोट यानी मत हर नागरिक का अपना अधिकार है। हर नागरिक को सोच समझकर ही देश हित में वोट करना चाहिए। ऐसे में देवबंद दारुल कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता जिससे किसी व्यक्ति विशेष या धर्म विशेष के वोटर का मत प्रभावित होता हो। मौलाना अबुल कासिम नोमानी ने अपने एक बयान में कहा है कि किसी नेता के आने पर पाबंदी नहीं है

'लालू की साजिश अतिपिछड़ों को ओबीसी में लाने की थी', सीएम नीतीश का सनसनीखेज खुलासा

सीएम नीतीश कुमार लालू प्रसाद यादव

पटना, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी सीट जीतेगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) अध्यक्ष ने विधानसभा में जोरदार तरीके से यह दावा किया। उन्होंने दोहराया कि अतीत के उतार-चढ़ाव के बाद वह पुराने सहयोगियों के साथ लौट आए हैं। पिछले संसदीय चुनावों में एनडीए के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए, कुमार ने कहा, 'हमें इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आगामी चुनाव में हम सभी सीट जीतेंगे।' इसी बीच सीएम नीतीश ने विधानमंडल में राजद पर एक बड़ा आरोप लगाया।

राजद अति पिछड़ों को ओबीसी में लाने का दबाव बना रही थी- नीतीश

सीएम नीतीश ने राजद के सामाजिक न्याय के मुद्दे पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि 'लालू प्रसाद यादव की पार्टी मुझ पर अत्यंत पिछड़े वर्गों को अलग उप-श्रेणी को खत्म करने और सभी जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में लाने के लिए दबाव डाल रही थी।' पूर्व सहयोगी के खुद के खिलाफ नारे लगाने पर नीतीश कुमार भड़क गए और कहा कि 'आप ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि सत्ता में रहते हुए आपने लोगों को धक्के लगवाए। यह पार्टी अगले चुनाव में बर्बाद हो जाएगी।' उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राबड़ी देवी से अपने सदस्यों को चुप रहने और उनके भाषण को बाधित नहीं करने के लिए कहा। जदयू की ओर से भी राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाये गये।

जेल से बाहर आने की आस लगाए उमर खालिद ने

अचानक एससी से जमानत अर्जी वापस क्यों ली?

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली दंगा मामले में जेल से बाहर आने की आस लगाए जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत अर्जी वापस ले ली है। 2020 के पूर्वोत्तर दिल्ली दंगों के पीछे की साजिश में कथित संलिप्तता को लेकर आतंकवाद विरोधी कानून यूएपीए के तहत दर्ज मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली और कहा कि हम इस मामले में नए सिरे से ट्रायल कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल करेंगे। उमर खालिद की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मिथल की बेंच को बताया कि वो परिस्थितियां बदलने की वजह से अपनी जमानत याचिका वापस लेना चाहते हैं। सीनियर कपिल सिब्बल ने कहा, 'मैं कानूनी सवाल (यूएपीए प्रावधानों को चुनौती देने वाले) पर बहस करना चाहता हूं मगर परिस्थितियों में बदलाव के कारण जमानत याचिका वापस लेना चाहता हूं। हम ट्रायल कोर्ट में अपनी किस्मत आजमाएंगे।' हालांकि, उन्होंने परिस्थितियों में बदलाव के बारे में विस्तार से नहीं बताया। इसके बाद पीठ ने कपिल सिब्बल के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और उमर खालिद की जमानत याचिका वापस लेने का आदेश दिया।

चेक बाउंस: ईमेल, व्हाट्सएप के जरिये भेजा गया नोटिस माना जाएगा या नहीं? इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 14 फरवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माना है कि चेक बाउंस के मामलों में ईमेल और व्हाट्सएप के जरिये भेजा गया नोटिस मान्य होगा, बशर्ते वह आईटी एक्ट की धारा 13 की बातों के अनुरूप हो। कहने का मतलब ये कि अगर आप किसी को अपने सेल फोन के माध्यम (व्हाटसएप, ईमेल) के माध्यम से चेक बाउंस का डिमांड नोटिस भेजते हैं तो ये पूरी तरह वैलिड होगा। कोर्ट ने ये बात नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून और आईटी एक्ट के प्रावधानों की रौशनी में कही है। अदालत की ये टिप्पणी राजेंद्र यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले में सामने आई है। उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट के जज अरुण कुमार सिंह देशवाल ने इस मामले को सुना। जज अरुण कुमार सिंह देशवाल ने बताया कि नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून की धारा 138 लिखित तौर पर नोटिस देने की बात तो कहती है लेकिन वह भेजने के तरीके को लेकर कुछ नहीं कहती। लिहाजा, हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के मामलों में ईमेल और व्हाट्सएप के जरिये भेजे गए नोटिस को कुछ भी गलत नहीं माना।

आईटी और एविडेंस कानून का दिया हवाला

इलाहाबाद उच्च न्यायलय ने इस नतीजे तक पहुंचने के लिए न केवल नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून बल्कि आईटी कानून के प्रावधानों की भी पड़ताल की। आईटी कानून में कहा गया है कि जानकारी लिखित में हो या फिर टाइप कर के लिखा गया, दोनों सूरत में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के जरिये भेजी गई जानकारी को सही माना जाएगा। अदालत ने इस बात की पुष्टि के लिए आईटी कानून के सेक्शन 4 और 13 का जिक्र भी किया। कोर्ट ने इंडियन एविडेंस एक्ट की धारा 65 बी का भी हवाला दिया जो इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड स्वीकार करने की बात कहती है।

हाईकोर्ट ने और क्या कहा?

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून से जुड़े मामलों की सुनवाई को लेकर कोर्ट ने कुछ और डायरेक्शन उत्तर प्रदेश के मैजिस्ट्रेट्स के लिए जारी किए हैं जिनमें सबसे अहम ये था कि अगर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून के तहत कोई शिकायत दर्ज की जाति है तो संबंधित मजिस्ट्रेट को या फिर कोर्ट को रजिस्टर्ड पोस्ट के जरिये भेजी गई शिकायत का पूरा ट्रैक-रिकॉर्ड मांगना और रखना होगा ताकि किसी तरह की बेईमानी की कोई गुंजाइश न रहे। इस मामले में राजेंद्र यादव की ओर से सुनील कुमार, चंदन सिंह और नरेंद्र सिंह जैसे वकीलों ने पक्ष रखा जबकि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट पद्माकर राय ने पैरवी की।

बीजेपी- जदयू और कांग्रेस के उम्मीदवार ने किया नामांकन

बिहार की 6 सीटों पर होगा मतदान

पटना, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने पूर्व मंत्री संजय कुमार झा को राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर लिया है। इसके साथ ही भाजपा और कांग्रेस के उम्मदीवारों ने भी नामांकन कर दिया है। भाजपा की धर्मशीला और भीम सिंह ने अपना नामांकन दाखिल कर लिया है जबकि कांग्रेस के अखिलेश सिंह ने भी नामांकन किया। गौरतलब है कि बिहार से राज्यसभा की 6 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव हो रहा है। प्रत्याशी 15 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। 16 फरवरी को कागजात की जांच की जाएगी और आवश्यक हुआ तो मतदान 27 फरवरी को होगा तथा उसी दिन वोटों की गिनती की जाएगी। बिहार से राज्यसभा की छह सीटों का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, जिसमें जदयू और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की दो-दो तथा भाजपा और कांग्रेस की एक-एक सीट शामिल है। जिन सांसदों का मौजूदा कार्यकाल समाप्त होगा, उनमें वशिष्ठ नारायण सिंह और अनिल हेगड़े (जदयू), सुशील कुमार मोदी (भाजपा), मनोज कुमार झा और अशफाक करीम (राजद) और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल हैं।

एनसीपी शरद गुट का होगा कांग्रेस में विलय? अटकलों पर सुप्रिया सुले ने दिया जवाब

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत लंबे वक्त से हलचल से भरी रही है। शिवसेना और एनसीपी में टूट के बाद अब खबर है कि एनसीपी के शरद पवार गुट का कांग्रेस में विलय हो सकता है। हालांकि, एनसीपी शरद गुट की कर्ता-धर्ता और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने इस तरह की अटकलों को खारिज किया है।

सुप्रिया सुले ने कहा कि "मैं अपने संसदीय क्षेत्र में हूं, कोई क्या चला रहा है, इसकी मैं जिम्मेदार नहीं हूं।" सुप्रिया सुले ने जानकारी दी कि जो भी ये खबर चला रहे हैं, गलत चला रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव के बाद विलय की अटकलें

सूत्रों के हवाले से ये जानकारी आई है कि एनसीपी शरद गुट का विलय राज्यसभा चुनाव के बाद होगा। दरअसल, अजित पवार ने एनसीपी में बगावत करने के बाद पूरी पार्टी पर ही कब्जा कर लिया है। यहां तक कि चुनाव चिन्ह भी उन्हें ही मिल गया है। ऐसे में शरद पवार एक तरह से खाली हाथ रह गए हैं। जिसके बाद से कांग्रेस में शरद गुट के विलय को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

एनसीपी शरद गुट के नेता क्या बोले

बुधवार को शरद पवार की उपस्थिति में पुणे स्थित उनके आवास पर विधायकों और सांसदों की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में राज्य के मौजूदा हालात और राज्यसभा चुनाव पर चर्चा की गई। बैठक में शामिल सांसद अमोल कोल्हे ने कहा कि एनसीपी शरद पवार समूह के कांग्रेस पार्टी में विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। एनसीपी नेता प्रशांत जगताप और अनिल देशमुख ने भी इस बैठक के बाद कहा की एनसीपी विलय की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। हम अलग चुनाव चिन्ह के साथ लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, हम महाविकास अघाड़ी से एनसीपी के तौर पर लड़ेंगे। एनसीपी शरद गुट ने कहा है कि हमारा चुनाव चिन्ह अभी तय नहीं हुआ है लेकिन हमारा कांग्रेस के साथ कोई विलय नहीं होने जा रहा है।

नीट की परीक्षा का इतना तनाव बढ़ा कि 19 साल के छात्र ने खा लिया जहर

अस्पताल में तड़पते हुए तोड़ा दम

उज्जैन, 14 फरवरी (एजेंसियां)। उज्जैन के ताजपुर में रहने वाला छात्र नीट की पढ़ाई कर रहा था और परीक्षा पास करने के तनाव में उसने जहर खा लिया था, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार रात में छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की तो पता चला कि तनाव में छात्र ने जान दी है। परिजनों के बयान लेने के बाद शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि ताजपुर निवासी हर्षित पिता प्रकाश मालवीय (19) नीट की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि उसने मंगलवार की दोपहर में जहर खा लिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई।

12 मई को खुलेंगे बदरीनाथ के कपाट

राजदरबार में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर घोषित की गई तिथि

टिहरी, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को ब्रह्ममुहुर्त में सुबह 6 बजे खुलेंगे। आज बसंत पंचमी के अवसर पर नरेंद्रनगर (टिहरी) स्थित राजदरबार में कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय करने की प्रक्रिया के लिए गाडूघड़ा (तेल-कलश) श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर डिम्मर से मंगलवार शाम श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के चंद्रभागा स्थित विश्राम गृह पहुंच गया था।

जहां श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति सहित श्रद्धालुओं ने तेल-कलश का स्वागत किया। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत की ओर से

गाडूघड़ा राजमहल को सौंपा गया। इसके बाद राजमहल से गाडूघड़ा में तिल का तेल पिरोया गया। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने से पूर्व तिल का तेल पिरोने के बाद गाडूघड़ा नरेंद्रनगर राजदरबार से डिम्मर होते हुए श्री नृसिंह मंदिर, योग बदरी पांडुकेश्वर से श्री बदरीनाथ धाम पहुंचाया जाएगा। कपाट खुलने के बाद यह तेल-कलश भगवान बदरी विशाल के नित्य अभिषेक के लिए प्रयोग में लाया जाएगा। बीकेटीसी के विश्राम गृह पहुंचा गाडूघड़ा, कल तय होगी बदरीनाथ के कपाट खुलने की तिथि

बीवी-बच्चों की डांट से डरकर कलेक्टर के दिए कपड़े वापस करने पहुंचा किसान

खंडवा, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जिले की पुनासा जनपद में रहने वाला एक गरीब किसान मौजीलाल साल 2007 से नहर के सीपेज की समस्या से परेशान है। किसान मोजीलाल का जहां खेत है, वहीं पास से एक नहर बहती है और उसका पानी रिस रिस कर मोजिलाल के खेत मे लगी फसल को खराब कर देता है। इसकी शिकायत भी वह कई बार कर चुका है, लेकिन हर बार अधिकारी उसे किसी न किसी तरह से समझा बुझा कर वापस भेज देते हैं। हालांकि पिछली बार की जनसुनवाई में उसके फटे कपड़े देखकर अपर कलेक्टर ने उसे नए कपड़े दिला दिए थे। अब वही कपड़े लेकर वह वापस आया था और जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के सामने कहने लगा कि मेरी पत्नी ओर बच्चे मुझे डांटते हैं कि हर बार तुम वहां जाकर नए कपड़े ले आते हो और हम लोग यहां फटेहाल रहते हैं। इसलिए वो ये कपड़े वापस देकर इस बार केवल अपनी खेत की समस्या को हल करवाना चाहता है ।

हालांकि जिला कलेक्टर ने उसे अब सात दिन में समस्या हल करवाने का आश्वासन दिया है। इधर, जिला कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मौजीलाल की समस्या यह है कि उसके खेत के बगल से नहर बहती है। जिसका पानी रिस कर उसके खेत में आ जाता है। हमने पिछली बार भी प्रशासन की एक टीम वहां भेजी थी। नहर में अभी पानी चलने के कारण उसकी समस्या का निराकरण नहीं हो पाया था।

बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए 5 उम्मीदवार घोषित किए

ओडिशा से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव तो मध्य प्रदेश से इन्हें मिला टिकट

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए पांच उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और ओडिशा से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को टिकट मिला है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की तरफ से जारी लिस्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश प्रदेश से चार उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। जबकि ओडिशा से एक प्रत्याशी के नाम की घोषणा हुई है।

मध्य प्रदेश से ये नेता जाएंगे राज्यसभा

बीजेपी ने मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री डॉ। एल। मुरुगन, उमेश नाथ महाराज, माया नारोलिया और बंसीलाल गुर्जर को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। ये सभी नेता जल्द ही अपना नामांकन भी दाखिल करेंगे। इनके नामांकन में बीजेपी के कई सीनियर नेता भी मौजूद रह सकते हैं।

बीजेडी के सहयोग से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और एल मुरुगन अगर चुनाव जीत जाते हैं तो राज्यसभा में यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। रेल मंत्री वैष्णव के राज्य के सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के समर्थन से चुने जाएंगे। जैसा कि 2019 में पहले कार्यकाल के लिए पूर्व आईएएस अधिकारी के चुनाव के दौरान हुआ था। बीजू जनता दल (बीजेडी) ने बीजेपी उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को अपना समर्थन देने का ऐलान भी किया है। ओडिशा में तीन सीटों पर चुनाव होगा। बीजेपी दो उम्मीदवारों के नाम कर ऐलान कर चुकी है। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) के उम्मीदवार के रूप में देबाशीष सामंत्रे और शुभाषीश खूंटिया ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। सामंत्रे बीजद के पूर्व विधायक हैं और खूंटिया बीजद के युवा प्रकोष्ठ के नेता हैं।

मध्य प्रदेश में बीजेपी 4 और कांग्रेस एक सीट जीत सकती है

बता दें कि मध्य प्रदेश में संख्या बल के लिहाज से बीजेपी चार सीट जबकि कांग्रेस एक सीट जीत सकती है। कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ राज्यसभा जाना चाहते हैं लेकिन पार्टी ने अभी तक किसी के नाम का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरुगन पहले भी मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य थे।

40 वर्षीय महिला ने जबरन बच्चों से भीख मंगवाकर

45 दिन में कमाए 2.5 लाख रुपये, हुई गिरफ्तार

इंदौर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 40 वर्षीय महिला ने जबरन अपने बच्चों से भीख मंगवा कर लाखों रुपये कमा लिए हैं। इस बात का खुलासा एक एनजीओ ने किया। एनजीओ ने दावा किया कि 40 वर्षीय महिला ने महज 45 दिन में भीख मांगकर 2.5 लाख रुपये कमाए। इस काम में उसने अपनी 8 वर्षीय बेटी समेत 3 नाबालिग संतानों को भी धकेल दिया। प्रशासन के साथ मिलकर इंदौर को भिक्षुकमुक्त शहर बनाने की दिशा में काम करने वाले संगठन ''प्रवेश'' की अध्यक्ष रूपाली जैन ने बताया, हमने इंदौर-उज्जैन रोड के लव-कुश चौराहे पर इंद्रा बाई 40 को हाल में भीख मांगते पकड़ा। हमें उसके पास से 19,200 रुपये की नकदी मिली। जैन के मुताबिक, इंद्रा ने उन्हें बताया कि उसने पिछले 45 दिन में भीख मांगकर 2.5 लाख रुपये कमाए जिनमें से 1 लाख रुपये उसने अपने सास-ससुर को भेजे, 50,000 रुपये बैंक अकाउंट में जमा किए और 50,000 रुपये की एफडी करवाई है। उन्होंने आगे कहा कि इंदौर में पेशेवर तौर पर भीख मांगने वाले 150 लोगों के ग्रुप में शामिल महिला के परिवार की राजस्थान में जमीन और दो मंजिला मकान भी है। जैन ने कहा, इंद्रा के नाम से उसके पति ने बाइक खरीदी है। भीख मांगने के बाद वह और उसका पति इसी बाइक पर बैठकर शहर में घूमते हैं। एनजीओ चीफ के अनुसार, महिला का कहना है कि उज्जैन में महाकाल लोक गलियारा बनने के बाद उसके परिवार की कमाई बढ़ गई है क्योंकि इस नगरी की ओर जाने वाले ज्यादातर श्रद्धालुओं की गाड़ियां इंदौर के लव-कुश चौराहे के ट्रैफिक सिग्नल पर रुकती हैं।

संदेशखाली समेत सात ग्राम पंचायतों में 19 फरवरी तक धारा 144 लागू

कोलकाता, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में सात ग्राम पंचायतों और उसके आसपास 500 मीटर क्षेत्र में 19 फरवरी तक सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। बता दें कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पश्चिम बंगाल के अशांत संदेशखाली क्षेत्र का स्वतः संज्ञान लिया था। उन्होंने प्रशासन को तीन दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट देने को कहा है। आयोग के अध्यक्ष अरुण हलदर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल कल यानी की 15 फरवरी को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के संदेशखाली का दौरा करेगा। संदेशखाली मामले पर बारासात रेंज के डीआईजी सुमित कुमार ने कहा, 'स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। कल करीबन 19 क्षेत्रों में धारा 144 लागू किया गया था। जनता हमारा सहयोग कर रही है और हमें उम्मीद है कि जल्द ही सबकुछ ठीक होगा। राज्य सरकार क्षेत्र में शांति चाहती है, इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।' पश्चिम बंगाल में भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा, 'मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पुलिस डरी हुई है। वे संदेशखाली घटना को सामने आने नहीं देना चाहते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र में लगातार धारा 144 लगाया जा रहा है। धारा 144 इसलिए लागू किया गया है, ताकि कोई भी नेता या सामाजिक संगठन वहां न जा पाए।'

संदेशखाली में स्थानीय महिलाओं का प्रदर्शन

संदेशखाली में स्थानीय महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रहीं है। उन्होंने टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके सहयोगियों पर जबरन उनके जमीनों पर कब्जा करने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। महिलाओं ने शेख शाहजहां की गिरफ्तारी की भी मांग की है। बता दें कि पिछले महीने टीएमसी नेता शेख शाहजहां के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान शाहजहां के समर्थकों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया था, जिसमें तीन अधिकारी घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद से ही शाहजहां फरार है। हालांकि, महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने को लेकर भाजपा के प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है। भाजपा की प्रदेश इकाई ने घोषणा की थी कि उनके नेता उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि की स्थिति के विरोध में मंगलवार को एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे।

तीन साल की मासूम से दुष्कर्म, मिठाई का लालच देकर 15 साल के नाबालिग ने की वारदात, आरोपी गिरफ्तार

जालंधर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जालंधर के बस्ती बावा खेल के पास एक 3 साल की मासूम के साथ बिहार से आए 15 वर्षीय नाबालिग लड़के ने दुष्कर्म किया। आरोपी ने मिठाई देने के बहाने बच्ची को अपने पास बुलाया था। इसके बाद उसने उसके साथ गलत काम किया। बच्ची के पिता के बयानों के आधार पर थाना बस्ती बावा खेल पुलिस ने नाबालिग आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लड़के को गिरफ्तार कर लिया है। अब उसे बाल सुधार गृह भेजा जाएगा। गिरफ्तार आरोपी बावा खेल स्थित एक कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस की अभी तक की जांच में पता चला है कि आरोपी लड़का मूल रूप से बिहार के सिवान का रहने वाला है। जो जालंधर बस्ती बावा खेल में रहने वाले अपने भाई के पास आया था। जालंधर में ही उसके भाई ने पैसे कमाने के लिए उसे एक डिब्बे की फैक्टरी में लगवा दिया था।

पटना एचसी के फैसले के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी

2007 में सारण में तीन लोगों की हुई थी हत्या

पटना/नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पटना हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया है। हाई कोर्ट ने 2007 में बिहार के सारण जिले में तीन लोगों की हत्या के मामले में दोषी पाए गए पांच सीपीआइ कार्यकर्ताओं की सजा को रद्द कर दिया था। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने बिहार सरकार और उन पांच अभियुक्तों को नोटिस जारी किया, जिन्हें मामले में पिछले साल 15 सितंबर को हाई कोर्ट ने बरी कर दिया था।

याचिकाकर्ता मुकेश कुमार शर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अमित कुमार और वकील उपेंद्र मिश्रा ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने 2018 में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई दोषसिद्धि और सजा के फैसले को गलती से रद्द कर दिया है। अमित कुमार ने कहा कि हाई कोर्ट ने मामले के जांच अधिकारी के बयान के आधार पर अभियुक्तों को बरी करने में गलती की है और प्रत्यक्षदर्शियों की बात पर विश्वास नहीं किया है।

हाई कोर्ट को इस बात पर विचार करना था कि चरमपंथियों की भीड़ के हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी। वकील युथिका पल्लवी के माध्यम से दायर अपील में कहा गया कि प्रतिवादी भीड़ का हिस्सा थे और अभियोजन पक्ष के दो गवाहों ने उनकी पहचान की थी।अभियोजन पक्ष के अनुसार, 19 अगस्त 2007 को शाम करीब साढ़े सात बजे 50-60 लोगों की भीड़ ने सारण जिले के मकेर गांव में शर्मा के घर पर हमला कर दिया। एफआइआर में कहा गया है कि भीड़ में पुरुष और महिलाएं शामिल थीं और उन्होंने शर्मा के परिवार के सदस्यों को चोट पहुंचाने के इरादे से बंधक बना लिया। इसमें कहा गया है कि हथियारबंद भीड़ ने शर्मा की तलाश करते समय गोलीबारी की और बमों से हमला किया, खुद को बचाने के लिए मुकेश शर्मा ने घर के बाहर झाड़ियों में छुप गए थे। हमले में शर्मा के परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 15 फरवरी - 2024

अशोक चूके चव्हाण हैं, फिर भी क्यों बीजेपी ने किया शामिल

कांग्रेस आलाकमान के वफादार और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण मंगलवार को बीजेपी में शामिल हो गए। केंद्र सरकार की ओर से जारी श्वेत पत्र में आदर्श घोटाले का जिक्र है, जबकि यह श्वेत पत्र दो दिन पहले ही प्रकाशित हुआ था और चव्हाण ने फौरन बीजेपी का कमल थाम लिया है। इसके साथ ही 2014 से बीजेपी के 'खास मिशन' का पटाक्षेप हो गया। 30 मार्च 2014 को गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए नांदेड़ में थे। तब मोदी को उनकी इस घोषणा के लिए खूब तालियां मिलीं कि अगर वह प्रधान मंत्री बने, तो अशोक चव्हाण को छह महीने के भीतर जेल भेज देंगे। हालांकि उनका यह वादा 2024 तक अधूरा रहा और वे इस बीच प्रधानमंत्री के रूप में अपनी तीसरी पारी शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। पिछले हफ्ते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से मोदी सरकार का बहुप्रचारित श्वेत पत्र पेश किया गया। इसमें आदर्श घोटाले का जिक्र है। इस घोटाले में अशोक चव्हाण का सीधा कनेक्शन है। वहीं नांदेड़ में पीएम मोदी के किए गए वादे की 10वीं वर्षगांठ भी नजदीक आ रही है। इस बीच अशोक चव्हाण बीजेपी में शामिल हो गए हैं। जो कि बीजेपी की वर्तमान नीतिः आरोप लगाओ और उचित लगाओ के अनुरूप है। दरअसल पिछले साल भोपाल में बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने एनसीपी नेतृत्व पर हमला बोला था। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले, सिंचाई घोटाले और अवैध खनन घोटाले सहित अलग-अलग मामलों में 70,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया था। पीएम मोदी के इस हमले के बाद इन घोटालों के कथित सरगना अजित पवार ने बीजेपी से हाथ मिला लिया। अब वह दिग्गज बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस के साथ उपमुख्यमंत्री का पद साझा कर रहे हैं। दरअसल बीजेपी की फ्री इनकमिंग पॉलिसी को पीएम नरेंद्र मोदी की महाराष्ट्र यात्राओं के साथ देखा जाता है। आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मिशन 400 को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र को दिए गए महत्व की तरफ इशारा करती है। अपनी बयानबाजी के विपरीत बीजेपी का दागी नेताओं को बेधड़क इंपोर्ट करना यह संकेत देता है कि वह महाराष्ट्र के बारे में कितनी अनिश्चित है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बीजेपी इतनी हताशा क्यों हैं? हिंदी पट्टी में चरम पर पहुंचने के बाद दो राज्य बीजेपी के संसदीय अंकगणित के लिए अहम हैं- बिहार और महाराष्ट्र। आदतन दलबदलू नीतीश कुमार की बदौलत बीजेपी बिहार में अपनी स्थिति को लेकर बेफिक्र है। हालांकि महाराष्ट्र अभी तक इसकी कमजोर स्थिति बना हुआ है। यह वास्तविकता एक मीडिया हाउस के हालिया सर्वे में साफ जाहिर हुआ। इसमें सत्तारूढ़ गठबंधन को 22 से अधिक सीटें नहीं दी गईं। यह हाल तब है जब बीजेपी राज्य में तीन दलों की सरकार बनाने के लिए शिवसेना और एनसीपी को अलग करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। यदि इस सर्वे पर भरोसा करें तो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और पुराने मराठा धड़े, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी 26 सीटों पर कब्जा कर सकती है। ऐसे में बात 2019 के आम चुनावों में की करें तो बीजेपी-शिवसेना गठबंधन ने 48 में से 41 सीटें जीती थीं। ऐसे में साफ है कि महाराष्ट्र में बीजेपी के लिए काम कितना मुश्किल है। दरअसल बीजेपी को संसद में अपनी ताकत बरकरार रखने के लिए महाराष्ट्र की जरूरत है। जो कि 48 सीटों के साथ उत्तर प्रदेश के बाद दूसरा है।

यूपी में कुल 80 सीटें हैं। उधर, पश्चिमी राज्य 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से बीजेपी को परेशान कर रहा है। क्योंकि यहां बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही। तब कांग्रेस, शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और शिवसेना ने हाथ मिला लिया। इनके बीजेपी को सत्ता से दूर रखने के बाद के प्रयोग ने भगवा पार्टी को दोतरफा रणनीति अपनाने के लिए मजबूर किया। इसमें पहले शिव सेना और एनसीपी को अलग करने और बाद में कांग्रेस को कमजोर करने के बाद उनके कई नेताओं को पार्टी में शामिल करना रहा। बीजेपी ने बीते सालों में महाराष्ट्र के जिन नेताओं को इंपोर्ट किया है उनमें से लगभग सभी मराठा हैं। चाहे वह नारायण राणे, राधाकृष्ण विखे पाटिल, हर्षवर्द्धन पाटिल आदि हों। इन्हें कुछ साल पहले लाया गया था। या फिर अजित पवार और अशोक चव्हाण जैसे नए लोग हों। दरअसल इन लोगों का बीजेपी में आना मराठा वोटों के लिए बीजेपी की खोज का एक बड़ा कारण है। क्योंकि बीजेपी के पास खुद के मराठा नेता का अभाव है। जिनकी खासतौर से पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में लोकप्रियता हो।

बीजेपी को पूर्व क्षेत्र के लिए अजित पवार से बहुत उम्मीदें हैं, जबकि उसे उम्मीद है कि अशोक चव्हाण भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जहां बीजेपी दिवंगत गोपीनाथ मुंडे का सक्षम उत्तराधिकारी खोजने में असमर्थ रही है। मुंडे की विरासत जो अशोक चव्हाण के निर्वाचन क्षेत्र नांदेड़ से सटे बीड से हैं। यहां तीन दावेदार हैं। इसमें मुंडे की दो बेटियां प्रीतम और पंकजा हैं। इसके अलावा धनंजय मुंडे तीसरे दावेदार हैं। इनसे भी बीजेपी ने हाथ मिलाया है। हालांकि ये तीनों मिलकर भी उस तरह का प्रभाव नहीं रखते जैसा गोपीनाथ मुंडे का था। 2014 में मुंडे के निधन के बाद से बीजेपी इस क्षेत्र में एक दमदार चेहरे की तलाश में है। गोपीनाथ मुंडे के तुलना में अशोक चव्हाण को शायद ही ऐसा माना जा सकता है। क्योंकि वह अपने पिता दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री शंकरराव चव्हाण की तरह ही हैं। अशोक चव्हाण एक लोकप्रिय नेता होने से बहुत दूर हैं। माना जाता है कि पिता और पुत्र हमेशा हाईकमान के आदमी रहे हैं। राजनीति में अपने अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के लिए हेडमास्टर कहे जाने वाले शंकरराव चव्हाण पूरी तरह से हाईकमान के अधीन थे और आपातकाल के दौरान स्वर्गीय संजय गांधी की ज्यादतियों के बावजूद चुप रहने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की गई थी। अशोक चव्हाण की चर्चित आदर्श घोटाले में बड़ी भूमिका थी। इनकी छत्रछाया में मुंबई के टोनी कोलाबा क्षेत्र में सुरक्षा बलों के लिए आरक्षित भूमि राजनेताओं और नौकरशाहों ने हड़प ली थी, जो कि बीजेपी के काम आई। बीजेपी ने पूरे मामले को भुनाने के लिए इसे एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया। क्योंकि वह एक मराठा चेहरे की तलाश में थी। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस ही थे, जिन्होंने आदर्श घोटाले के मुद्दे को जीवित रखा और अशोक चव्हाण के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बीजेपी ने घोटाले की तलवार चव्हाण के सिर पर लटकाए रखी लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि इसकी आंच उन पर न पड़े। कुछ साल पहले जब राज्य में शिव सेना, एनसीपी और कांग्रेस की तीन दलों की सरकार शासन कर रही थी, केंद्रीय एजेंसियों ने अशोक चव्हाण के एक कथित सहयोगी पर छापा मारा, लेकिन खुद उस नेता को छूने से बच गईं। इसके बाद से अशोक चव्हाण का बीजेपी में शामिल होना महज औपचारिकता बनकर रह गया था। ऐसा नहीं है कि बीजेपी को अशोक चव्हाण की वास्तविक राजनीतिक क्षमता के बारे में पता नहीं है, या कहें तो इसकी कमी है।

वह केवल इसलिए आगे बढ़ी, क्योंकि बिहार की तरह वह महाराष्ट्र में भी यह कहानी स्थापित करना चाहती है कि वह अपनी इच्छानुसार कांग्रेस पर हमला कर सकती है। ऐसा करके बीजेपी अपनी ताकत और राजनीतिक बाहुबल का प्रदर्शन करना चाह सकती है।

एमएसपी पर अडे किसान

पंजाब हरियाणा और उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के दस राज्यों के किसानों का जत्था एक बार फिर अपनी मांगों को लेकर दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। यूं तो किसानों की अलग-अलग मांगें है, लेकिन सबसे प्रमुख मांगों में एमएसपी है। बहरहाल, जिस तरह से किसान उग्र आंदोलन करने पर उतारू हैं, उसे देखते हुए इसे अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है। उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में किसानों का दिल्ली के आसपास हो रहा जमावडा सरकार के लिए परेशानी का सबब बन चुका है। पंजाब और हरियाणा के शंभू बार्डर पर जिस तरह से इन किसानों को रोकने के लिए पुलिस की ओर से कथित तौर पर ड्रोन के जरिए आंसू गैस के गोले बरसाए गए, वे परेशान करने वाले हैं। माना कि किसानों की हर मांगें मानने में सरकार को कई तरह की परेशानियों से दो-चार होना पडेगा लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि किसानों पर बर्बरता बरती जाए। बहरहाल, इस बार भी किसान अपनी पूरी तैयारी के साथ जिस तरह से जत्थे के जत्थे राजधानी दिल्ली की ओर कूच कर रहे हैं, उससे लगता है कि वे लंबे आंदोलन का मन बना चुके हैं। अगर ऐसा हुआ तो उसका मतलब होगा राष्ट्रीय राजधानी के इर्दगिर्द लंबे समय की जत्थेबंदी। जिससे न केवल दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों का दैनिक कामकाज बाधित होगा बल्कि बाहर यह संदेश भी जाता है कि देश में शायद सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। यही नहीं किसानों ने तो यह भी तैयारी कर ली है कि यदि उनके जत्थे को रोकने की कोशिश की गई तो वे रेलवे का भी चक्का जाम कर देंगे। देखा जाए तो किसानों की तरफ से जिसे मुख्य मांग के रूप में पेश किया जा रहा है, वह है एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी। सरकार भी मानती है कि उनकी यह मांग अव्यावहारिक है। यह समझना जरूरी है कि ऐसी कोई भी गारंटी वास्तव में महज एक कागजी वादा होगी। अनुभव बताता है कि यह वादा अमल में लाने में कई तरह की दिक्कतें पेश आएंगी। मिसाल के तौर पर, भारत सरकार 22 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है, लेकिन इन सबका फायदा किसानों को नहीं मिल पाता। सिर्फ छह फीसद किसानों की फसल ही सरकारी खरीद केंद्र तक पहुंच पाती है, बाकी तो औने-पौने दाम में मुनाफाखोर खरीदते हैं। नतीजतन किसानों की हालत आज भी खस्ताहाल है। बता दें कि फसल के लिए डिमांड और सप्लाई के आधार पर बाजार में निर्धारित मूल्य ही मिल पाते हैं। एमएसपी का असर मुख्यतः दो ही फसलों पर दिखता है और वे हैं धान और गेहूं। बाकी फसलें तो राम भरोसे ही हैं।

वैश्विक नेतृत्व की जिजीविषा पैदा करें

संजीव ठाकुर

हमें स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष हो चुके हैं । हम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव वर्ष मना रहे हैं पर इस अमृत महोत्सव के पीछे हमें यह नहीं भूलना है कि भारत देश अब एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। अब समय आ गया है कि भारत के तमाम बुद्धिजीवियों,नौजवानों के वैज्ञानिकों और शिक्षित देशवासियों को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होने की क्षमता को द्विगुणित करना होगा और विश्व के एक प्रबल नेता की तरह हमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी होगी। कई वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेको जीवन का बलिदान देने और विभिन्न कठोर संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस स्वतंत्रता और स्वाधीनता के मूल्य और इसकी अंतर्निहित शक्ति को देश के नौजवानों,शिक्षित नागरिकों को आत्मसात कर इसे पहचानना होगा। समाज के हर वर्ग की खून पसीने और पीढ़ीयों के संघर्ष के बाद प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है।

स्वतंत्रता के महत्व को समझ कर भारत को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंचाना होगा तब जाकर स्वाधीनता के सही मायने फलीभूत होंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदान को किसी भी क्षणों में नहीं भुलाना चाहिए, हमें हाथ में रखकर किसी ने परोस के स्वतंत्रता नहीं दी है, इसके लिए बहाये हुए खून पसीने को विस्मृत न कर के इस की आन बान शान को हमेशा ऊंचा रखना होगा। कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए इसके लिए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि ₹भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है₹। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं।

किसान-आंदोलन राजनीति का मुख्य कथानक बन चला है?

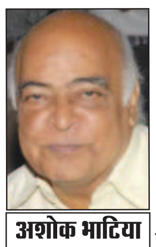

अशोक भाटिया

न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत अन्य मांगों को लेकर किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू हो चुका है। सोमवार को केंद्र सरकार से वार्ता विफल होने के बाद किसानों ने दी गई डेडलाइन क्रॉस होने के बाद मंगलवार को दिल्ली की ओर कूच करना शुरू किया। इस आंदोलन में 200 से अधिक किसान यूनियन शामिल हैं और इसका आह्वान संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने किया है।यह आंदोलन एक बार फिर से पुराने किसान आंदोलन की याद दिलाता है, जिसके तहत किसान दिल्ली की सीमाओं पर एक साल तक जमे रहे थे। इसके बाद केंद्र सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था, लेकिन इस आंदोलन और उस आंदोलन में एक बड़ा अंतर इन्हें लीड करने वालों का है। 2020 में हुए आंदोलन का नेतृत्व संयुक्त किसान मोर्चा और भारतीय किसान यूनियन ने किया था। इस बार ये दोनों ही संगठन इस आंदोलन से फिलहाल दूर हैं। आन्दोलन के आगाज़ के साथ दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में रहने लोग फिर से करीब तीन साल पहले वाली अव्यवस्था की कल्पना करके सहमे हुए हैं क्योंकि केवल पंजाब ही नहीं, देश के कई राज्यों से फिर से किसानों को दिल्ली कूच करने का आह्वान किया गया है। 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी बंद का भी एलान किया गया है। किसानों का आंदोलन और चुनाव अब एक विश्वव्यापी ट्रेंड बनकर उभरा है। यूरोप के देशों से लेकर अमेरिका तक में किसानों के आंदोलन और चुनाव का सीधा तालमेल देखा जा रहा है। ग्लोबलाइजेशन के युग में भारत भी इससे अछूता नहीं है। गौरतलब है कि 20-21 के किसान आंदोलन को भी मोदी सरकार को उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों के मुहाने पर आकर किसी तरह से समाप्त करवाने को मजबूर होना पड़ा था। अप्रैल-मई में देश आम चुनावों के लिए तैयार हो रहा है और यह केंद्र सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। किसान संगठन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल केंद्र की मोदी सरकार चुनावी साल में इस संकट से उबरने के लिए दो मोर्चे पर काम कर रही है। एक तो केंद्र के वरिष्ठ मंत्रियों को तमाम किसान संगठनों से बातचीत में लगाया है क्योंकि सरकार मानकर चल रही है कि किसी भी समस्या का हल आखिरकार बातचीत से ही निकाला जा सकता है। तथ्य ये है कि किसान संगठनों को भी पता है कि लोकसभा चुनाव सामने है और मोदी सरकार पर प्रेशर बनाने के लिए इससे बेहतर मौका हो नहीं हो सकता। उत्तरप्रदेश और पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के सामने क्या मजबूरी थी, उन्हें इसका अंदाजा लग चुका है। बताया जाता है कि दिल्ली कूच में जिन राज्यों के किसान शामिल होने वाले हैं, उनमें पंजाब, हरियाणा और उत्तरप्रदेश के किसान संगठन तो शामिल हैं ही, इस बार कर्नाटक से भी किसानों के दिल्ली पहुंचने की कोशिशें देखी जा रही हैं। मजेदार बात है कि ये किसान अयोध्या में राम लला के दर्शन के बहाने ट्रेनों के माध्यम से कूच कर रहे थे, लेकिन राज्य सरकार को भनक लग गई और उन्हें भोपाल में ही उतार लिया गया। एमपी में बीजेपी की सरकार की इस कारंवाई की प्रतिक्रिया सीधे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की ओर से देखने को मिली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने किसानों को ट्रेनों से उतारे जाने की घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि उनके आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। वहीं दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री गोपाल राय ने भी मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की।उन्होंने कहा है कि सरकार किसानों के साथ जो बर्ताव कर रही है, वैसा अंग्रेजों ने भी नहीं किया। उनके मुताबिक किसानों की मांगें सही हैं और चुनाव आ चुके हैं और सरकार ने वादा करके उन्हें धोखा दिया है। किसान मजबूरी में यह कदम उठा रहे हैं। विरोधी दलों की सरकारों की इन प्रतिक्रियाओं को देखने के बाद मोदी सरकार को महसूस हो रहा है कि किसान आंदोलन तो एक बहाना है। यह सबकुछ चुनाव से पहले सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने की तैयारी की गई है।केंद्र सरकार को लगता है कि पिछली बार पंजाब की कांग्रेस सरकार ने किसानों को दिल्ली में डेरा डालने का मौका दिया था, वही अब मौजूदा राज्य सरकार कर रही है... ताकि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव बनाया जा सके। मोदी सरकार को आश्चर्य है कि देश के आम किसान उसके खिलाफ कैसे हो सकते हैं क्योंकि, उसे लगता है कि वह तो छोटे और सीमांत किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत हर साल 6,000 रुपए ट्रांसफर कर रही है और जिसकी अब अगले 5 साल के लिए गारंटी दी जा चुकी है। इस योजना के 11 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को अबतक 2.80 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए जा चुके हैं।मोदी सरकार को यह भी लगता है कि गरीब, महिला, युवा और किसान पर ही तो उसने फोकस रखा है फिर किसान इस तरह से किसानों के सड़कों पर उतरने के पीछे जरूर राजनीति है। चूँकि लोकसभा चुनाव अब बामुश्किल दो महीने दूर है। लिहाजा सियासी तड़का भी लग रहा है। देश पर सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस ने गारंटी कार्ड खेल दिया है- सत्ता में आए तो सबसे सबसे एमएसपी को कानूनी गारंटी देने का कानून लाएंगे। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को किसान आंदोलन में सियासी लाभ का मौका दिख रहा तो मोदी सरकार बातचीत के जरिए किसानों को मनाने और बात न बनने पर उन्हें दिल्ली पहुंचने से रोकने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है। किसान संगठनों की अपनी मांगें हैं लेकिन आंदोलन की टाइमिंग सवाल खड़े कर रही। चुनाव से पहले ही आंदोलन क्यों? क्या टाइमिंग की वजह से आंदोलन से सियासत की बू नहीं आ रही? वैसे जब भीड़तंत्र के आगे सरकारें सरेंडर करने लगेंगी तो आंदोलन के नाम पर अराजकता से सत्ता को झुकाने की कोशिशें तो होंगी ही। गौरतलब है कि किसानों के मसीहा कहे जाने वाले चौधरी चरण सिंह और महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को 'भारत रत्न' से नवाजने को किसान समुदाय को साधने की कोशिश के रूप में ही देखा गया। वही किसान प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता वालीं 4 जातियों में से एक हैं। मोदी सरकार को डर है कि चुनाव से पहले दिल्ली में किसान आंदोलन उसके किए कराए पर पानी फेर सकता है और पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तरप्रदेश में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है।

विशिष्टतम उत्सव-मर्यादा महोत्सव

मुनि चैतन्य कुमार 'अमन'

आज जब हम न केवल भारतीय परम्परा में बल्कि विश्व स्तर पर नजर पसारते है तो अनेक प्रकार के पों, त्यौहारों, उत्सवों की समायोजना देखने को मिलती है। जो उल्लास पूर्वक क्षणों में मनाएं जाते हैं, किंतु इन सबसे अलग हटकर एक ऐसा भी धार्मिक महोत्सव मनाया जाता है, जिसकों अलौकिक महोत्सव की उपमा से उपमित किया जा सकता है और वह अलौकिक महोत्सव है-मर्यादा महोत्सव। यह मर्यादा- महोत्सव जैन धर्म के अंतर्गत तेरापंथ धर्मसंघ में हर वर्ष मनाया जाता है, जो अन्यत्र दुर्लभ कहा जा सकता है। मर्यादा अर्थात संविधान। वैसे तो प्रत्येक राष्ट्र, समाज और संघ का अपना संविधान होता है, परंतु तेरापंथ के संविधान की विलक्षणता यह है कि उस संविधान का केवल पठन और वाचन ही नहीं वरन् हृदय से उसका पालन होता है क्योंकि वे मर्यादाएँ किसी पर थोपी हुई नहीं सहज आत्मसासाक्षी से स्वीकृत होती है। करीब दो शाताब्दी पूर्व मारवाड़ की वीर प्रसूता पुण्य धरा पर जन्मा एक महामानव जिसने सन्यास स्वीकार कर एक धर्मक्रांति का शंखनाद फूंका वह मानब कोई और नहीं तेरापंथ धर्म संघ के आद्य प्राण आचार्यश्री भिक्षु थे, जिन्होंने अपने लौह हाथों से जो लकीरे खींची, वे लकीरें आज इस संघ की मर्यादाएँ बन गई और इन मर्यादाओं पर चलकर साधक अपनी साधना के साथ गौरव की अनुभूति करता है। क्योंकि इन मर्यादाओं के साथ उसका प्रशस्त विवेक जुड़ा हुआ है। जिससे मर्यादाओं का सही मूल्यांकन हो पाया है।

श्रद्धा के युग में मर्यादाओं का पालन सहज हो जाता हैं किंतु तर्क के युग में इसकी अनुपालना सहज नहीं हो पाती, फिर भी संघ का प्रत्येक साधक इन मर्यादाओं के प्रति आस्थावान श्रद्धावान होकर पालन करता है। संघ के संचालनक स्वयं आचार्य भी कुशलता पूर्वक साधक की अंतश्चेतना में मर्यादाओं के प्रति आस्था पैदा करते हैं। क्योंकि सक्षम व सफल नेतृत्व वह कहलाता है, जो सुबको साथ लेकर चल सकें और वे ही मर्यादाएँ सफल और सार्थक होती हैं जो युगीन हो, तर्क सम्मत हो। आचार्य भिक्षु महान विलक्षण मेधा के धनी पुरुष थे, उन्होंने देखा धर्मसंघ विस्तार पा रहा है, तब उन्होंने संघ की सुव्यवस्था के लिए धाराएँ बनाई, वे धाराएँ मर्यादाएँ बनी और वे मर्यादा निर्माता बन गए। किंतु धर्मसंघ की दृष्टि से उन मर्यादाओं का महत्व तब हो पाया जब संघ के प्रत्येक सदस्य ने उसे आचरण में स्वीकार किया। इसी तेरापंथ में चतुर्थ आचार्य श्रीमद् जयाचार्य ने इन मर्यादाओं को महोत्सव के रुप में मनाना प्रारंभ किया, अतः इस महोत्सव का नाम करण हुआ मर्यादा महोत्सव । आचार्य भिक्षु से जब एक व्यक्ति ने प्रश्न किया भीखण जी आपका यह पंथ कब तक तक चलेगा? उन्होंने सहजता के साथ उत्तर दिया जब तक इस संघ के दीक्षित साधु-साध्वियाँ इन मर्यादाओं का समर्पण एवं निष्ठा के साथ पालन करते रहेंगें। तब तक यह संघ चलता रहेगा। जिन सात साधुओं की विद्यमानता में मर्यादाएं बनाई गई वे मर्यादाएं आज सात सौ साधुओं में उसी प्रकार पालन की जा रही है तथा सात हजार की संख्या होने पर भी इसी प्रकार पालन की जाती रहेगी वे मौलिक मर्यादाएँ निम्न प्रकार हैः- प्रत्येक साधु-साध्वी एक आचार्य की आज्ञा में रहें। बिहार चातुर्मास आचार्य के आदेशानुसार करें। शिष्य शिष्याएँ नहीं बनाएँ।दलबन्दी-गुटबन्दी नहीं करें। पद के लिए उम्मीदवार न बनें। आचार्य भी योग्य व्यक्ति को दीक्षित करें। इस प्रकार की ये छोटी-छोटी मर्यादाएँ व्यक्ति के जीवन को उच्चता और शिष्टता प्रदान करने वाली है। मर्यादा और अनुशासन के अभाव में व्यक्ति जीवन के आदर्श को प्राप्त नहीं कर सकता तथा जीवन को उच्छृंखल बना देता है वह राष्ट्र समाज, संघ कभी भी विकास नहीं कर सकता जहाँ अनुशासन, व्यवस्था और मर्यादा के प्रति आस्था का भाव नहीं है। आस्था के अभाव में मर्यादाएँ हमारा कल्याण नहीं कर सकती। वे ही मर्यादाएँ सफल हो पाती है, जिनके प्रति गहरी आस्था का भाव हो। राजनीति के क्षेत्र में कानून डंडे के बल पर थोपा जाता है।

आरोपित किया कया जाता है, जबकि धर्म के क्षेत्र में मर्यादाएँ सहज रुप से स्वीकृत होती है। तेरापथ-धर्मसंघ की मूल मर्यादाओं का निर्माण आचार्य भिक्षु द्वारा दो सौ वर्ष पूर्व किया गया, साथ ही उन्होंने उतरवती आचार्यों को परिवर्तन और संशोधन का पूर्णतः अधिकार दिया। किंतु आज तक इतिहास में दस आचार्य हो चुके है एकदाशम आचार्य श्री महाश्रमण है, पर किसी भी आचार्य ने इन मूल मर्यादाओं में परिवर्तन या संशोधन की अपेक्षा नहीं समझी। प्रतिवर्ष माघ शुक्ला सप्तमी के दिन सैकड़ों-सैकड़ो साधु-साध्वियों द्वारा इन मर्यादाओं के प्रति आस्था दोहराई जाती है। इस अलौकिक महोत्सव के अवसर पर आचार्य साधु-साध्वियों के लिए चातुर्मासिक स्थानों की घोषणा करते है तथा जनता के मध्य मर्यादा पालन का संदेश देते हैं। साधु-साध्वियां आचार्य की आज्ञा को सहर्ष शिरोधार्य कर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों की ओर प्रस्थान कर देते है तथा जन-जन के बीच मर्यादा, अनुशासन, व्यवस्था, पारस्परिक, सौहार्द भाव, मानवीय एकता का संदेश प्रसारित करते हुए कल्याण-मार्ग पर बढ़ते रहते हैं। स्वतन्त्र भारत में गणतन्त्र दिवस अर्थात 26 जनवरी का जो महत्व है तेरापंथ धर्मसंघ में मर्यादा महोत्सव का वही महत्व है।

गांधी परिवार का कोई व्यक्ति नेहरू सरनेम क्यों नहीं रखता?

पंकज कुमार श्रीवास्तव

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण का जबाब राज्यसभा में देते हुए 9 फरवरी,2023 को पीएम नरेन्द्र मोदी ने गांधी परिवार पर नेहरू सरनेम को लेकर भी तंज कसा. पीएम ने कहा-किसी कार्यक्रम में अगर नेहरूजी के नाम का उल्लेख नहीं हुआ तो कुछ लोगों के बाल खड़े हो जाते थे, लहू गर्म हो जाता था. मुझे ये समझ नहीं आता कि अगर नेहरू महान थे,तो उनके परिवार का कोई व्यक्ति नेहरू सरनेम क्यों नहीं रखता? क्या शर्मिंदगी है नेहरू सरनेम रखने में. इतना बड़ा महान व्यक्ति आपको और आपके परिवार को मंजूर नहीं है...और आप हमारा हिसाब मांगते हो. किस व्यक्ति का क्या नाम होगा,क्या सरनेम होगा-सामान्यतया इस संबंध में निर्णय उसके मां-बाप,बड़े-बुजुर्ग लिया करते हैं। कुछेक मामलों में किसी-किसी व्यक्ति का नाम बचपन में कुछ और होता है और वह किसी और नाम से प्रसिद्धि पाता है।जैसे कि महर्षि वाल्मीकि का मूल नाम रत्नाकर था,या फिर भीष्म पितामह का मूल नाम देवव्रत था,या फिर बुद्ध का नाम सिद्धार्थ था,संत तुलसीदास का नाम रामबोला था।शेरशाह के बचपन का नाम फरीद था,प्रेमचंद का मूल नाम धनपत राय था,दिलीप कुमार का मूल नाम युसूफ खान था-वगैरह,वगैरह।किसी का सरनेम भी क्या होगा-यह सामान्यतया पारिवारिक परम्परा के आधार पर तय होता है या फिर वह खुद तय कर लेता है। कई लोग अपना नाम छोटा कर लेने के प्रयास में सरनेम लिखना ही छोड़ दिया-जैसे कि गायक मुकेश का नाम मुकेश चंद्र माथुर था,संगीतकार नौशाद का पूरा नाम नौशाद अली था। साहित्य-कला-संस्कृति की दुनिया में कई लोगों ने अपने शहर के नाम से अपनी पहचान बनाई,जैसे कि कैफ़ी आज़मी,मजरूह सुलतानपुरी, साहिर लुधियानवी,वसीम बरेलवी,बेढब बनारसी आदि। महाराष्ट्र में तो अपने गांव-शहर का नाम अपने मूल नाम से जोड़ने की सुदीर्घ परम्परा है-लता मंगेशकर,अजीत वाडेकर,सचिन तेंदुलकर, पद्मिनी कोल्हापुरे आदि। ऐसे भी उदाहरण हैं जिसमें जिस नाम से कोई शख्स प्रसिद्ध हुआ, उसका उसके मूल नाम से कोई लेना-देना ही नहीं था,जैसे कि प्रसिद्ध शायर फिराक गोरखपुरी का मूल नाम रघुपति सहाय था, बेढब बनारसी का मूल नाम कृष्णदेव प्रसाद गौड़ था। हरिवंश राय बच्चन के बचपन का पुकारू नाम बच्चन था,इसे उन्होंने अपने नाम और सरनेम-हरिवंश राय-के साथ सरनेम की तरह इस्तेमाल किया. इस तरह वह हरिवंश राय बच्चन हो गए,उनकी बाद की पीढ़ी-अमिताभ बच्चन या अभिषेक बच्चन ने मूल सरनेम 'राय'कभी इस्तेमाल ही नहीं किया। ये तमाम उदाहरण बताते हैं कि किस व्यक्ति का क्या नाम होगा,क्या सरनेम होगा-यह उसका व्यक्तिगत पारिवारिक मसला है,यह सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं हो सकता, नहीं होना चाहिए और कम से कम संसद में इसे चर्चा का विषय बनाने से बचना चाहिए।

नर्मदा जयंती शुभ मुहूर्त

पंचांग के मुताबिक माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 15 फरवरी 2024 को सुबह 10 बजकर 12 मिनट पर शुरू होगी और 16 फरवरी को सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर इसका समापन होगा। उदया तिथि के अनुसार नर्मदा जयंती 16 फरवरी को मनाई जाएगी।

हिंदू धर्म में हर चीज को पूजनीय माना जाता है। चाहे फिर वो कोई नदी हो या कोई पेड़। नदियों को मां का दर्जा दिया जाता है। गंगा, यमुना, नर्मदा और गोदावरी बहुत सी नदियां अपने आप में ही काफी महत्व रखती हैं। इन्हीं में से एक है नर्मदा नदी। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल माघ शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को नर्मदा जयंती मनाई जाती है। मान्यताओं के अनुसार इस दिन मां नर्मदा का अवतर हुआ था। इसी के साथ आपको बता दें कि मां नर्मदा को रेवा के नाम से भी जाना जाता है। शास्त्रों के अनुसार जितनी पूजनीय और पवित्र मां गंगा हैं, उतना ही पुण्य नर्मदा नदी में स्नान करने से प्राप्त होता है। मध्यप्रदेश में नर्मदा जयंती के पर्व को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। तो चलिए जानते हैं कब मनाई जाएगी नर्मदा जयंती और जानते हैं इसका शुभ मुहूर्त।

नर्मदा जयंती का क्या महत्व

शास्त्रों के मुताबिक नर्मदा जयंती के इस पावन दिन पर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से व्यक्ति का जीवन हमेशा खुशनुमा बना रहता है और जातक का जीवन सुख-समृद्धि से भरा रहता है। वहीं इसी के साथ जो व्यक्ति इस दिन इस नदी में डुबकी लगाता है उस व्यक्ति के जीवन के सारे पाप कट जाते हैं। मध्य प्रदेश के अमरकंटक नामक स्थान से नर्मदा नदी का उद्गम होता है। इस वजह से ये स्थान पूजा-पाठ के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

इस दिन साधक सुबह-सुबह नर्मदा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं और मां से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं और नदी में फूल, दीपक, हल्दी, कुमकुम आदि अर्पित करते हैं। आज के दिन नदी के तट पर गेहूं के आटे का दीपक जलाने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

ओम नर्मदायै नमः

इस मंत्र का 108 बार जाप करने से व्यक्ति का जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहता है। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र, दवाईयों इत्यादि का दान अवश्य करना चाहिए।

माघ की सप्तमी कल

इस तिथि पर तिल से नहाने और सूर्य पूजा करने से बढ़ती है उम्र

शुक्रवार, 16 फरवरी को माघ महीने की सप्तमी है, इसलिए ये दिन सूर्य पूजा के लिए विशेष शुभ फलदायी रहेगा। माघ महीने में सहस्रांशु नाम से भगवान सूर्य की पूजा करने का विधान है। ऐसा करने से बीमारियां और परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही उम्र भी बढ़ती है।

पुराणों में ये भी कहा गया है कि माघ महीने की सप्तमी पर सूर्य पूजा और व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। पुराणों का कहना है कि माघ मास में सूर्य पूजा करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है, इसलिए उगते सूरज को अर्घ्य देने का विधान ग्रंथों में बताया है।

सूर्य पूजा से पहले तिल स्नान

सप्तमी तिथि पर पानी में तिल और गंगाजल मिलाकर नहाना चाहिए। ऐसा करने से माघ मास में तीर्थ स्नान करने जितना पुण्य मिलता है और जाने-अनजाने में हुए पाप खत्म होते हैं। इस तरह पवित्र स्नान करने से के बाद सूर्य पूजा करनी चाहिए। पुराणों में माघ मास के लिए ऐसा कहा गया है कि इस महीने में जहां कहीं भी जल हो, वह गंगाजल के समान होता है

सप्तमी तिथि पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल भरें और उसमें लाल फूल, चावल डाल लें। इसके बाद सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें।

सूर्य पूजा के बाद भगवान विष्णु के माधव रूप की पूजा करें। शंख में दूध, गंगाजल और पानी मिलाकर भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण का अभिषेक करें। चंदन, अक्षत, अबीर-गुलाल और जनेऊ चढांए। पीले फूल और तुलसी पत्र चढ़ाएं। भगवान को इत्र लगाएं। पूजा के बाद आखिरी में मौसमी फल और मिठाई का नैवेद्य लगाकर आरती करें। प्रसाद लेकर दूसरों को भी बांटे।

ग्रंथों के मुताबिक, माघ महीने में श्रीकृष्ण की पूजा की जाए तो मनोकामनाएं पूरी होती हैं। श्रीकृष्ण पूजन से पहले हाथ में तिल, जल, फूल, कुश लेकर संकल्प श्रीकृष्ण की पूजा का संकल्प लें। इसके बाद श्रीकृष्ण की पूजा और प्रार्थना करें। घर में शुद्धता से बने पकवानों का भोग लगाएं। उसमें तुलसी के पत्ते जरूर डालें।

जो भोजन से लड़ाई शुरू कर देगा, वह फूलों को खा सकता है

जितना वह यह सोचने लगा कि भोजन करना पाप है, उतना ही भूख को दबाने लगा; जितना भूख को दबाने लगा, उतनी भूख असर्ट करने लगी, जोर से प्रकट होने लगी। तो वह दो-चार दिन उपवास करता था और एक दिन पागल की तरह कुछ भी खा जाता था। जब कुछ भी खा लेता था तो बहुत दुखी होता था, क्योंकि फिर खाने की तकलीफ झेलनी पड़ती थी। फिर पश्चात्ताप में दो-चार दिन उपवास करता था और फिर कुछ भी खा लेता था। आखिर उसने तय किया कि यह घर रहते हुए नहीं हो सकेगा ठीक, मुझे जंगल चले जाना चाहिए।

वह पहाड़ पर गया। एक हिल स्टेशन पर जाकर एक कमरे में रहा। घर के लोग भी परेशान हो गए थे। उसकी पत्नी ने यह सोच कर कि शायद वह पहाड़ पर अब जाकर भोजन की बीमारी से मुक्त हो जाएगा, उसने खुशी में बहुत से फूल उसे पहाड़ पर भिजवाए—कि मैं बहुत खुश हूं कि तुम शायद पहाड़ से अब स्वस्थ होकर वापस लौटोगे; मैं शुभकामना के रूप में ये फूल तुम्हें भेज रही हूं।

उस आदमी का वापस तार आया। उसने तार में लिखा—मेनी थैंक्स फॉर दि फ्लावर्स, दे आर सो डिलीशियस। उसने तार किया कि बहुत धन्यवाद फूलों के लिए, बड़े स्वादिष्ट हैं।

वह फूलों को खा गया, वहां पहाड़ पर जो फूल उसको भेजे गए थे! अब कोई आदमी फूलों को खाएगा, इसका हम खयाल नहीं कर सकते। लेकिन जो आदमी भोजन से लड़ाई शुरू कर देगा, वह फूलों को खा सकता है। आदमी सेक्स से लड़ाई शुरू किया, और उसने क्या-क्या सेक्स के नाम पर खाया, इसका आपने कभी हिसाब लगाया? आदमी को छोड़ कर, सभ्य आदमी को छोड़ कर, होमोसेक्सुअलिटी कहीं है? जंगल में आदिवासी रहते हैं, उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की है कि होमोसेक्सुअलिटी जैसी चीज भी हो सकती है—कि पुरुष और पुरुष के साथ संभोग कर सकते हैं, यह भी हो सकता है! यह कल्पना के बाहर है। मैं आदिवासियों के पास रहा हूं और उनसे मैंने कहा कि सभ्य लोग इस तरह भी करते हैं। वे कहने लगे, हमारे विश्वास के बाहर है। यह कैसे हो सकता है?

लेकिन अमेरिका में उन्होंने आंकड़े निकाले हैं—पैंतीस प्रतिशत लोग होमोसेक्सुअल हैं! और बेल्जियम और स्वीडन और हालैंड में होमोसेक्सुअल्स के क्लब हैं, सोसाइटीज हैं, अखबार निकलते हैं। और वे सरकार से यह दावा करते हैं कि होमोसेक्सुअलिटी के ऊपर से कानून उठा दिया जाना चाहिए, क्योंकि चालीस प्रतिशत लोग जिसको मानते हैं, तो इतनी बड़ी माइनारिटी के ऊपर हमला है यह आपका। हम तो मानते हैं कि होमोसेक्सुअलिटी ठीक है, इसलिए हमको हक होना चाहिए। कोई कल्पना नहीं कर सकता कि यह होमोसेक्सुअलिटी कैसे पैदा हो गई? सेक्स के बाबत लड़ाई का यह परिणाम है। जितना सभ्य समाज है, उतनी वेश्याएं हैं! कभी आपने यह सोचा कि ये वेश्याएं कैसे पैदा हो गईं? किसी आदिवासी गांव में जाकर वेश्या खोज सकते हैं आप? आज भी बस्तर के गांव में वेश्या खोजनी मुश्किल है। और कोई कल्पना में भी मानने को राजी नहीं होता कि ऐसी स्त्रियां हो सकती हैं जो कि अपनी इज्जत बेचती हों, अपना संभोग बेचती हों। लेकिन सभ्य आदमी जितना सभ्य होता चला गया, उतनी वेश्याएं बढ़ती चली गईं। क्यों? यह फूलों को खाने की कोशिश शुरू हुई है। और आदमी की जिंदगी में कितने विकृत रूप से सेक्स ने जगह बनाई है, इसका अगर हम हिसाब लगाने चलेंगे तो हम हैरान रह जाएंगे कि यह आदमी को क्या हुआ है? इसका जिम्मा किस पर है, किन लोगों पर है? **(क्रमशः)**

अचानक मिले 1000 साल पुराने शिवलिंग, दिखते ही चमत्कार!

जिले के राहतगढ़ में खुदाई के दौरान नदी के किनारे प्राचीन शिवलिंग मिले हैं। पुरातत्व विभाग की मानें तो यह शिवलिंग 1000 साल पुराने परमार काल के हैं। जिस चट्टान पर शिवलिंग उकेरे गए हैं, वहां पास में प्राचीन 108 शिवलिंग वाला बनेनी घाट मंदिर है। यहां पर ऐतिहासिक किला भी मौजूद है। सालों पहले इन शिवलिंग के विलुप्त होने से इलाके की ऐतिहासिक विरासत गुम हो गई थी। लेकिन, गांव के युवाओं की मेहनत से यह शिवलिंग फिर चट्टान पर दिखाई देने लगे हैं। इनकी पूजा अर्चना शुरू हो गई है।

गांव के बुजुर्ग ने बताई थी जगह

खुदाई में शामिल पुष्पेंद्र राजपूत ने बताया कि राहतगढ़ के बुजुर्ग महेश सिलावट लोगों से अक्सर चर्चा करते थे कि नदी किनारे पांच शिवलिंग हैं। कहते थे कि नदी किनारे शिवलिंग बरसों पहले थे, जिनका उन्होंने दर्शन भी किया था। बताते थे कि यहां दो विशालकाय सांप भी आते थे। सांप शिवलिंग के पास ही बैठते थे, लेकिन धीरे-धीरे शिवलिंग दिखाई देना बंद हो गए, पर दोनों सांप अब भी कई लोगों को यहां दिखाई पड़ते हैं। पुष्पेंद्र बताया कि मैंने और रघुवीर ने बुजुर्ग से इस बात को सुना था। इस पर अपने दोस्तों के साथ महेश सिलावट की बताई जगह पर कुछ दिनों से लगातार खुदाई कर रहे थे। मंदिर के पास ही साढ़े तीन फीट की खुदाई करने पर एक चट्टान पर प्राचीन पांच शिवलिंग मिले, जिसके बाद साफ सफाई कर रुद्राभिषेक किया गया।

शिवलिंग मिलने पर चमत्कार!

धर्मेंद्र सिंह ने दावा किया कि शिवलिंग का दुग्धाभिषेक करने के लिए जब वह पास के एक घर में दूध लेने पहुंचे तो पता चला कि वहां पलने वाली गाय दूध नहीं देती। घर की महिला से उन्होंने गाय से दूध दुहने का प्रयास करने का निवेदन किया। बोले, हो सकता है भोलेनाथ की कृपा हो जाए और गाय दूध देने लगे और फिर चमत्कार हुआ। दूध नहीं देने वाली गाय ने भी दुहने पर दूध दिया। इसके बाद शिवलिंग का दुग्धाभिषेक किया गया। अब लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं।

11वीं शताब्दी के बताए जा रहे शिवलिंग

डॉ। हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के पुरातत्व इतिहास एवं संस्कृति विभाग के हेड प्रोफेसर नागेश दुबे बताते हैं कि इन शिवलिंग का निर्माण पूर्व मध्यकाल यानी 11वीं-12वीं शताब्दी में रहा होगा। जिस समय बनेनी घाट का शिव मंदिर बना होगा, उस समय इन शिवलिंग का निर्माण भी हुआ होगा। क्योंकि, उस समय यहां पर परमार शासकों का आधिपत्य था। परमार शासक जैसा कि हम जानते हैं शैव धर्म को मानने वाले थे। उनका शासन अभिलेख के रूप में राहतगढ़ किले से मिला हुआ है। उनके शासन की पुष्टि यहां पर अभिलेख से होती है। यहां से लेकर भोपाल धार, मालवा क्षेत्र में उनका शासन रहा है। उन्होंने कई शिव मंदिरों का निर्माण कराया। ऐसा प्रतीत होता है कि बनेनी घाट जो बीना नदी के किनारे है, शुरू से ही यह नदी धार्मिक और ऐतिहासिक नदी रही है। ऐरन भी इसी नदी के किनारे है। यह नदी इस क्षेत्र की जीवन रेखा भी है।

पैरों में पहनी हुई ईविल ऑय पायल करेगी हर बुरी नजर को दूर, जानें इसके फायदे

बच्चे हो या बूढ़े हर किसी को नजर लगना एक आम से बात है। हालांकि हर नजर बुरी नहीं होती लेकिन कई बार इसकी वजह से हमें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ये बुरी नजर आपके जीवन को कई तरीके से नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन इससे डरने की जरुरत नहीं है, ज्योतिष शास्त्र में बुरी नजर से पीछा छुड़वाने के लिए बहुत से उपाय बताए हैं। इन्हीं में से एक है ईविल ऑय की पायल और ब्रेसलेट। कई लोग इससे बना हुआ लॉकेट भी पहनते हैं। गले में और हाथ में इसे पहनना तो आम सी बात है लेकिन आज के समय में ईविल ऑय की पायल पहनने का प्रचलन काफी बढ़ गया है। कुछ लोगों में सवाल आता होगा ये सही है के नहीं ? अगर आपके अंदर भी ये कशमकश बनी हुई तो इसे दूर करने के लिए जानते हैं ईविल ऑय की पायल के बारे में।

ईविल ऑय पायल पहनना सही या गलत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देखा जाए तो इसे पहनना बहुत शुभ होता लेकिन इसे पहनते समय कुछ नियमों का भी ध्यान रखना चाहिए। महिलाएं इसे बाएं पैर में पहन सकती हैं।

दिखने में ये एक धागे की तरह लगता है लेकिन ये आपके जीवन से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। ज्योतिष के साथ-साथ इसे पहनने का एक वैज्ञानिक कारण यह भी है कि जो महिला पायल पहनती है वह अपने शरीर में वापस ऊर्जा का संचार करती है।

ईविल ऑय पायल पहनने के फायदे

ईविल ऑय पहनने से कोई अनजान नकारात्मक शक्ति आपके आसपास भी नहीं भटकती है और हानिकारक ताकतों से आपका बचाव भी करती है। इसे पहनने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है।

अगर आप ईविल ऑय पहनती हैं तो सबसे पहले कोई भी ऊर्जा आपकी पायल से टकराती है और यदि ये ऊर्जा खराब है तो ये यही से वापिस लौटकर चली जाती है और अच्छी शक्ति आपके शरीर में प्रवेश कर जाती है।

ईविल ऑय पायल पहनने से या अपने पास रखने से बुरी आत्माओं और हानिकारक ताकतों से रक्षा होती है। यह विशेष रूप से किसी भी नकारात्मक शक्ति को दूर रखने में मदद करता है। इसके प्रभाव से कोई भी अंजान शक्ति आपसे कोसों दूर हो जाती है और कोई भी बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

ये जरुरी नहीं कि इसे पैरो में ही पहना जाए। आप इसे गले में, कंगन के रूप में या किसी भी तरह पहन सकती हैं। बुरी ऊर्जा को बचने के साथ-साथ ये सुंदरता बढ़ाने का भी काम करती है।

रणवीर के नए एड पर टीवी एक्टर्स का गुस्सा फूटा

रश्मि देसाई ने बताया इसे अपमानजनक, सायंतनी घोष बोलीं, 'ये पूरी टीवी इंडस्ट्री का अपमान'

रश्मि देसाई और सुधांशु पांडे समेत कई जाने-माने टीवी एक्टर्स ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के नए एड की आलोचना की है। दरअसल, इस एड को टीवी सीरियल स्टाइल में शूट किया गया है, जिसमें टीवी शोज का मजाक उड़ाया गया है। टीवी इंडस्ट्री में कई सालों से काम कर रहीं रश्मि ने इस एड को अपमानजनक बताया है। वहीं, प्रोड्यूसर राजन साही ने इसे घटिया कहा है। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान कई टीवी सेलेब्स ने इस एड पर अपनी-अपनी राय दी है।

समय आ गया है कि टीवी इंडस्ट्री को सम्मान मिले: सायंतनी घोष

रणवीर सिंह की फिल्म 'सर्कस' असफल रही। शायद इसलिए उन्हें अपने प्रोडक्ट को बेचने के लिए एक टीवी सीरियल का सीन बनाने के बारे में सोचना पड़ा। सच्चाई ये है कि टीवी की ताकत इतनी मजबूत है कि ये कई सारे लोगों तक पहुंच सकते हैं... और अब समय आ गया है कि टीवी इंडस्ट्री को सम्मान मिले। हम टीवी एक्टर्स भी उतना ही मेहनत करते हैं जितने दूसरे प्लेटफॉर्म के एक्टर्स करते हैं। इसका मतलब ये नहीं कि कोई भी इसका मजाक उड़ाकर निकल जाए। ये टीवी इंडस्ट्री का अपमान है।

कुछ लोग हमेशा टीवी इंडस्ट्री को 'इडियट बॉक्स' और 'छोटा स्क्रीन' कहकर छोटा दिखाने की कोशिश में लगे रहते हैं। लेकिन टीवी इंडस्ट्री किसी भी मायने में छोटा नहीं है। बड़े से बड़े बॉलीवुड एक्टर टीवी पर अपने प्रोजेक्ट प्रमोट करने आते हैं। हां, कुछ शोज में काफी ड्रामा दिखाया जाता है लेकिन वो तो फिल्मों में भी होता है।

इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री को बहुत खराब तरीके से पेश किया गया: सुधांशु पांडे

मैंने इस एड को देखा। दुर्भाग्यवश, इसका कॉन्सेप्ट बहुत ही खराब था। इस एड में एक अमेरिकन पोर्न स्टार भी हैं। ऐसा लगता है जैसे कोई गंभीरता ही नहीं है। वास्तव में स्वास्थ्य समस्या या पुरुषों के यौन स्वास्थ्य एक गंभीर मुद्दा है। इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करने की जरूरत है लेकिन सही तरीके से।

इस तरह से पूरे विषय का मजाक उड़ाना और इंडियन टीवी शो पर एक स्पूफ बनाना बहुत ही गलत बात है। इस एड में इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री को बहुत खराब तरीके से पेश किया गया है। यह बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना तरीका है। पूरा एड ही एकदम बकवास है।

बहुत अश्लील और घटिया विज्ञापन था: राजन शाही

मेरे हिसाब से ये बहुत अश्लील और घटिया विज्ञापन था। इस तरह के गंभीर मुद्दों का मजाक बनाना बिलकुल गलत है। मुझे लगता है कि मेकर्स का लक्ष्य इसे अश्लील बनाकर लोगों का ध्यान आकर्षित करना ही था। अब समय आ गया है कि गरिमापूर्ण तरीके से बातें कहने पर ध्यान दिया जाए, ना कि इस तरह के कांसेप्ट का इस्तेमाल करके।

अपमानजनक लगा, टीवी एक्टर्स को हमेशा छोटा समझा जाता है: रश्मि देसाई

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री ने लिखा - मैंने अपना काम रीजनल फिल्म इंडस्ट्री से शुरू किया था और फिर टीवी इंडस्ट्री में भी खूब काम किया है। कुछ लोग इसे छोटा परदा कहते हैं। जहां नॉर्मल लोग शोज के साथ-साथ न्यूज, क्रिकेट सहित तमाम बॉलीवुड फिल्मों के अलावा बहुत कुछ देखते हैं। ये एड देखने के बाद मुझे पूरी टीवी इंडस्ट्री के लिए और वो लोग जो टीवी के लिए काम करते हैं, यह अपमानजनक लगा। क्योंकि हमें हमेशा छोटा समझा जाता है। एक्टर्स भी बड़ी स्क्रीन पर काम करना चाहते हैं। हमें हमेशा ऐसे ही ट्रीट किया जाता है।

टीवी शोज में कभी कुछ गलत नहीं दिखाया जाता। मगर मेरे हिसाब से ये टीवी इंडस्ट्री के लिए एक रियलिटी चेक है। या सही शब्दों में कहूं तो यह एक थप्पड़ जैसा है। हो सकता है कि मैं ओवर-रिएक्ट कर रही हूं लेकिन हम ऑडियंस को प्यार और कल्चर दिखाते हैं। मैं हर्ट हूं क्योंकि टीवी में मेरी जर्नी सम्मानजनक रही है। उम्मीद है आप मेरे इमोशंस समझेंगे।

दिव्यांका त्रिपाठी समेत कुछ एक्टर्स ने की तारीफ

वहीं दूसरी तरफ दिव्यांका त्रिपाठी और हिबा नवाब जैसे एक्टर्स ने इस एड को फनी बताया। दिव्यांका ने कहा, 'यह वास्तव में टीवी ड्रामा पर हास्यपूर्ण प्रभाव डालने वाला एक मजेदार विज्ञापन है।' वहीं हिबा कहती हैं, 'देखिए, मैं टीवी इंडस्ट्री से पिछले 7 सालों से जुड़ी हुई हूं। इसके बावजूद मुझे ये विज्ञापन 'कूल' लगा।' इसके अलावा करण कुंद्रा, नकुल मेहता और करण टैकर जैसे कुछ टीवी एक्टर्स ने भी सोशल मीडिया पर इस एड की सराहना की।

पूनम पांडे के खिलाफ हुआ 100 करोड़ रुपए की मानहानि का केस, पति सैम बॉम्बे पर लगे ये आरोप

एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे इन दिनों अपनी 'फर्जी मौत' की खबर को लेकर काफी चर्चा में हैं। पूनम पांडे के सोशल मीडिया हैंडल से एक दिन उनकी मौत की खबर खूब वायरल हुई थी, जो बाद में फर्जी निकलीं। इसके बाद से पूनम पांडे को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया जा रहा है। पूनम पांडे की इस फर्जी खबर के बाद अब वो मुश्किलों में फंस गई हैं। अभी हाल ही में पूनम पांडे के खिलास 100 करोड़ रुपए की मानहानि का केस किया गया था। अब इस केस में एक्ट्रेस के पति सैम बॉम्बे का नाम भी सामने आ रहा है।

केस में फंसे सैम बॉम्बे

पूनम पांडे को लेकर अभी हाल ही में खबर आई थी सर्वाइकल कैंसर से उनकी मौत हो गई है। लेकिन बाद में पूनम पांडे ने वीडियो जारी कर के बताया कि वो जिंदा हैं। इसके बाद से पूनम पांडे काफी चर्चा में हैं। अभी हाल ही में मुंबई के फैजान अंसारी ने पूनम पांडे के खिलाफ 100 करोड़ रुपये की मानहानी का केस किया है। एक्ट्रेस पर पब्लिसिटी जुटाने के आरोप लगाए गए हैं। अब इस केस में पूनम पांडे के पति सैम बॉम्बे का नाम भी सामने आ रहा है। अब सैम बॉम्बे के खिलाफ भी 100 करोड़ी की मानहानी का केस दर्ज हुआ है। सैम बॉम्बे पर 'मौत की झूठी साजिश' रचने के आरोप लगे हैं। साथ ही साथ कैंसर जैसी बिमारी का मजाक बनाने के भी आरोप इस कपल पर लगाए गए हैं। सैम बॉम्बे और पूनम पांडे इस केस को लेकर काफी चर्चा में आ गए हैं।

'अब फर्क नहीं पड़ता किसी भी बात से, काम से दूंगी जवाब', रिजेक्शन्स से मजबूत हुई हैं मौनी..

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री मौनी रॉय अब बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। मौनी ने अपने सफर की शुरुआत एकता कपूर के सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से किया था। धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों में भी काम करना शुरू किया और आज वे करण जौहर के साथ काम कर रही हैं, लेकिन मौनी के लिए ये सफर बिलकुल भी आसान नहीं था। हाल ही में, अपने शो 'शोटाइम' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री ने मीडिया से खुलकर अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बातें की हैं।

रिजेक्शन की मार झेल चुकी हैं मौनी

बॉलीवुड के किसी भी स्टार के लिए करण जौहर के साथ काम करना एक सपने जैसा होता है। मौनी रॉय इन दिनों 'धर्मा प्रोडक्शन' के शो 'शोटाइम' में काम कर रही हैं। मौनी अपनी इस सफलता से काफी खुश हैं, लेकिन उन्हें अपने संघर्ष वाले दिन भी याद हैं। अभिनेत्री ने मीडिया से अपने दर्द को साझा करते हुए कहा, 'जब मैं किसी फिल्म के लिए ऑडिशन देने जाती थी तो लोग मुझे रिजेक्ट कर देते थे। उन्हें लगता था कि मैं टेलीविजन से आई हूं तो एक्टिंग नहीं कर पाउंगी।'

कड़वाहट नहीं है मन में किसी के प्रति

लोगों को लग सकता है कि मौनी रॉय के लिए टेलीविजन से लेकर फिल्मों तक का सफर आसान रहा है। वहीं, मौनी इस बात से इत्तिफाक नहीं रखती हैं। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, 'शुरूआती दिनों में जब मैं किसी निर्देशक से काम मांगने जाती थी तब वे बोलते थे, आप में स्टार वाली बात नहीं है। आप बड़े परदे के लिए नहीं बनी हैं, लेकिन सच कहूं तो मेरे मन में किसी के लिए कोई कड़वाहट नहीं है। मैं बस अपने काम पर फोकस करना चाहती हूं।'

मौनी का वर्क फ्रंट

मौनी रॉय अब बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। पिछली बार वे फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आई थीं। लोगों को इस फिल्म में उनकी एक्टिंग काफी पसंद आई थी। इन दिनों अभिनेत्री शो 'शोटाइम' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस सीरीज में वे अभिनेता इमरान खान की गर्लफ्रेंड की भूमिका में दिखाई देने वाली हैं। मौनी को उम्मीद है कि इस शो के बाद उन्हें और भी बेहतर मौके मिलेंगे अपने अभिनय क्षमता को दिखाने के लिए।

शाहरुख खान की दमदार वापसी से गदगद हुए अर्जुन रामपाल, कहा- 'फिल्म इंडस्ट्री को गर्व करना चाहिए'

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने साल 2023 में बॉक्स ऑफिस पर दमदार वापसी की। शाहरुख खान की एक के बाद कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। पहले किंग खान ने फिल्म 'पठान' के साथ जलवा काटा, फिर 'जवान' ने जमकर कमाई की। फिर साल के अंत में 'डंकी' लोगों का दिल जीत ले गई। शाहरुख खान की दमदार वापसी की हर कोई तारीफ कर रहा है। कई स्टार्स शाहरुख खान की दमदार वापसी पर कमेंट कर चुके हैं। इन सब के अब बॉलीवुड के जाने-माने स्टार अर्जुन रामपाल ने शाहरुख खान को लेकर बयान दिया है, जो काफी चर्चा में है।

अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'क्रैक' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अर्जुन रामपाल इस फिल्म में विलेन के रोल में नजर आने वाले हैं। अर्जुन रामपाल इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन में लगे हुए हैं। इसी बीच अर्जुन रामपाल का जूम को दिया एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है। इस इंटरव्यू के दौरान अर्जुन रामपाल ने बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर शाहरुख खान को लेकर काफी कुछ कहा है। उन्होंने इस इंटरव्यू के दौरान कहा कि 'पठान' और 'जवान' की सक्सेस को देखने के बाद मैं हैरान था। शाहरुख खान की वापसी पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को गर्व होना चाहिए। एक्टर ने इस इंटरव्यू के दौरान 'पठान' और 'जवान' की भी खूब तारीफ की है। अर्जुन रामपाल के इस इंटरव्यू को लेकर खूब चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर अर्जुन रामपाल का ये इंटरव्यू आते ही छा गया है।

विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की फिल्म 'क्रैक' के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म में विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल के साथ-साथ नोरा फतेही भी नजर आने वाली हैं। फिल्म का अभी हाल ही में धांसू ट्रेलर रिलीज हुआ था। ट्रेलर रिलीज के बाद फैंस को विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की फिल्म 'क्रैक' का रिलीज का इंतजार है। आपको बता दें कि विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की फिल्म 'क्रैक' 23 फरवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

महिमा मकवाना ने इवेंट में ब्रालेस ड्रेस पहन मौनी रॉय से चुराई सारी लाइमलाइट, देख फैंस बोले- '1 नंबर'

वेब सीरीज शो टाइम का ट्रेलर लॉन्च हो गया है। इस सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में महिमा मकवाना ने अपने लुक से हर किसी क्लीन बोल्ड कर दिया। एक्ट्रेस को बोल्ड अवतार देख फैंस हैरान हैं।

टीवी एक्ट्रेस महिमा मकवाना ने बॉलीवुड में एंट्री कर ली है। महिमा सलमान खान की फिल्म 'अंतिम द ट्रुथ' में नजर आई थीं, जिसमें एक्ट्रेस के काम की खूब तारीफ हुई। वहीं, अब महिमा वेब सीरीज 'शो टाइम' में नजर आने वाली हैं, जिसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ। इस सीरीज में महिमा मकवाना के साथ कई बड़े कलाकार नजर आएंगे, जिसमें इमरान हाशमी से लेकर श्रिया सरन का नाम शामिल है। सोशल मीडिया पर इस सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट की तस्वीरें तहलका मचा रही हैं, जिसमें महिमा मकवाना ने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। महिमा का बोल्ड लुक देख हर कोई हैरान है।

महिमा मकवाना के लुक ने सबको किया क्लीन बोल्ड

दरअसल, महिमा मकवाना वेब सीरीज 'शो टाइम' में ट्रेलर लॉन्च इवेंट में इमरान हाशमी, मौनी रॉय, श्रिया सरन के साथ पहुंचीं। इस दौरान करण जौहर भी नजर आए। बता दें कि करण जौहर की ये पहली वेब सीरीज है। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ इस प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। इस ट्रेलर लॉन्च इवेंट में महिमा मकवाना ब्लैक ब्यूटी बनकर पहुंचीं। एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की फुल ड्रेस के साथ एक कोट कैरी किया था, लेकिन एक्ट्रेस के लुक में चार चांद लगाने का काम उनकी ड्रेस के डीप नेक ने किया है, जिसने उनके लुक को बोल्ड बनाया है। इस ड्रेस में महिमा मकवाना काफी सुंदर और सिंजलिंग लगीं। एक्ट्रेस ने इस आउटफिट के साथ अपने मेकअप को सिंपल रखा और बालों को खुला छोड़ा। इस इवेंट में ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आईं। वहीं, श्रिया सरन गोल्डन कलर की बॉडीकोन ड्रेस में दिखीं।

फैंस ने महिमा मकवाना के लुक पर दिया अपना रिएक्शन

हालांकि, महिमा मकवाना के इस लुक पर फैंस अपना रिएक्शन देने से पीछे नहीं रह पाए। कुछ लोग एक्ट्रेस की भर-भरकर तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। कई लोगों को लगा है कि महिमा मकवाना इस आउटफिट में काफी ज्यादा अनकंफर्टेबल हैं। एक यूजर ने लिखा, 'फेमस होने का अच्छा तरीका है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'पूरी ड्रेस एक नंबर लग रही है लेकिन..'

कब आएगी सीरीज

बता दें कि वेब सीरीज शो टाइम में महिमा मकवाना, श्रिया सरन, मौनी रॉय के अलावा, राजीव खंडेलवाल, विशाल वशिष्ठ, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह सहित कई कलाकार नजर आने वाले हैं। ये सीरीज 8 मार्च 2024 को हॉटस्टार पर आएगी।

शाहिद कपूर को नहीं पसंद आई एनिमल? कबीर सिंह से हो रही तुलना से निराश हैं अभिनेता!

जाने-माने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा एनिमल और कबीर सिंह जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी आखिरी फिल्म रणबीर कपूर स्टारर एनिमल रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाढ़ दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से खूब सराहना मिली। वहीं, करण जौहर ने भी इस बात को कबूल किया कि उन्हें कबीर सिंह के साथ-साथ एनिमल भी पसंद है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने करण की प्रतिक्रिया पर कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि करण को एनिमल पसंद आएगी, क्योंकि उन्हें उनकी पहली हिंदी फिल्म कबीर सिंह भी बहुत पसंद आई थी।

संदीप रेड्डी वांगा ने इस दौरान यह भी कहा कि शायद अभी शाहिद कपूर ने 'एनिमल' नहीं देखी है। क्योंकि उन्हें अभी तक शाहिद का कोई मैसेज नहीं मिला है। एक इवेंट में करण जौहर ने एनिमल की तारीफ करते हुए साल 2023 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के रूप में सराहा। इसके बाद संदीप रेड्डी वांगा से हाल ही में करण की इस प्रतिक्रिया पर सवाल किया गया कि क्या वह इस बात पर आश्चर्यचकित थे कि करण जौहर की अपनी संवेदनाएं कितनी अलग हैं।

एनिमल निर्देशक ने इसका जवाब देते हुए कहा, 'उन्होंने मुझे कबीर सिंह के दौरान भी मैसेज किया था और इंस्टाग्राम पर कबीर सिंह के लिए एक लंबा मैसेज भी लिखा था कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद है। उन्हें वास्तव में यह पसंद आई। मुझे ये उम्मीद नहीं थी कि वह कबीर को पसंद करेंगे, लेकिन जब उन्होंने ऐसा किया तो मुझे उम्मीद थी कि वह एनिमल को भी पसंद करेंगे, जो उन्होंने किया।'

करण जौहर के अलावा उनकी फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' में नजर आए विजय देवराकोंडा ने भी उन्हें 'एनिमल' के लिए उन्हें बधाई दी। वांगा ने कहा कि विजय ने उन्हें मैसेज किया था कि उन्हें फिल्म पसंद है। निर्देशक ने कहा, 'हमारे मन में हमेशा यह बात रहती है कि हमें फिर से काम करना है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वह मुझे तुरंत बुला लेंगे, क्योंकि मेरी फिल्म हिट हो गई है। विजय और मैं नियमित रूप से संपर्क में हैं, हम फोन पर बात करते हैं।' वहीं, जब उनसे कबीर सिंह अभिनेता के बारे में पूछा गया कि क्या उनके पास शाहिद कपूर का कोई मैसेज आया।

इस पर संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, 'शायद उन्होंने अभी भी फिल्म नहीं देखी है।' वहीं, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स का कहना है कि कबीर सिंह से एनिमल की तुलना के कारण अभिनेता निराश हैं। इसलिए उन्होंने यह फिल्म नहीं देखी है। निर्देशक के वर्कफ्रंट की बात करें तो, एनिमल की सफलता के बाद वह प्रभास के साथ अपनी अगली निर्देशित फिल्म स्पिरिट की तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद वह रणबीर कपूर के साथ एनिमल पार्क पर काम करना शुरू करेंगे।

साउथ फिल्म मेकर्स की इमरान हाशमी ने की तारीफ

बोले- वे हमसे कहीं अधिक अनुशासित हैं, बॉलीवुड में गलत चीजों में पैसा लगाया जाता है

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी जल्द ही तेलुगु फिल्म ओजी में नजर आएंगे। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ निगेटिव रोल में दिखेंगे। हाल में एक इंटरव्यू में इमरान ने कहा कि उन्होंने कभी साउथ इंडस्ट्री में काम करने के बारे में सोचा नहीं था, विलेन बनने की बात तो दूर की है।

इमरान लंबे अरसे से बॉलीवुड में एक्टिव हैं। उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम भी किया है। उनका कहना है कि साउथ फिल्म मेकर्स का काम करने का तरीका अलग है। वो बॉलीवुड फिल्म मेकर्स से कहीं ज्यादा अनुशासित हैं। उनकी फिल्मों में खर्च हुआ एक-एक पैसा नजर आता है।

बॉलीवुड को साउथ फिल्म मेकर्स से सीखने की जरूरत है

इमरान का कहना है कि बॉलीवुड में गलत डिपार्टमेंट में पैसा बर्बाद किया जाता है। वो स्क्रीन पर कहीं दिखता भी नहीं है। साउथ की फिल्मों में सुंदरता होती है। बॉलीवुड को साउथ की फिल्मों और फिल्म मेकर्स से बहुत कुछ सीखना है।

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत के बारे में इमरान ने एक बार कहा था- मैं ओजी के साथ नई जर्नी शुरू करने के लिए एक्साइटेड हूं। फिल्म की स्क्रिप्ट कसी हुई और एंटरटेनिंग है। मैं पवन कल्याण सर, सुजीत, दानय्या सर और टीम के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हूं। मुझे विश्वास है कि हम दर्शकों के लिए एक यादगार सिनेमाई एक्सपीरिएंस बनाएंगे।

सैफ अली खान, वरुण धवन भी साउथ की फिल्मों में दिखेंगे

बॉलीवुड के कई हीरो साउथ में काम करके अपना दायरा बढ़ा रहे हैं। इमरान के अलावा, सैफ अली खान भी एनटीआर जूनियर की देवरा पार्ट 1 के साथ अपना तेलुगु डेब्यू करेंगे, जिसमें जान्हवी कपूर भी होंगी।

बॉबी देओल सूर्या की तमिल फिल्म कंगुवा में नजर आएंगे। शिल्पा शेट्टी केडी उर्फ किंग्डम से कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में वापसी कर रही हैं।

वहीं, वरुण धवन शाहरुख खान के नक्शे कदम पर चलते हुए डायरेक्टर कालीस के साथ हिंदी-तमिल फिल्म बेबी जॉन कर रहे हैं। ऐसी अफवाह है कि इमरान आदिवासी शेष की जी2 के लिए भी बातचीत कर रहे हैं, जो 2018 की ब्लॉकबस्टर गुडाचारी की सीक्वल है। हालांकि, फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है।

इमरान हाशमी को अंतिम बार फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था, जिसमें वो सलमान खान और कटरीना कैफ के साथ दिखे थे। फिल्म में उन्होंने निगेटिव रोल प्ले किया था। 300 करोड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर 466.63 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके अलावा इमरान ऐ वतन मेरे वतन में भी नजर आ सकते हैं।

अच्छी नींद चाहते हैं? तो सोने जाने से पहले क्या करें और क्या नहीं?

शरीर स्वस्थ रहे इसके लिए पौष्टिक आहार और लाइफस्टाइल का ठीक रहना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि आप स्वस्थ नींद लें। स्वस्थ नींद का मतलब, निर्बाध और रात में कम से कम 6-8 घंटे की नींद लेने से है। वयस्कों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी लोगों को नींद पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों की रात की नींद पूरी नहीं होती है उनमें कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक विकारों का खतरा हो सकता है।

क्या आप भरपूर नींद ले पा रहे हैं? अगर नहीं तो इसके कारणों के बारे में समझना और उसका समय रहते उपचार करना आवश्यक हो जाता है। एक रात भी नींद पूरी न होने के कारण समस्याओं के बढ़ने का जोखिम हो सकता है।

गुणवत्तापूर्ण नींद जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गुणवत्तापूर्ण नींद शरीर में ऊर्जा के स्तर को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। इम्युनिटी सिस्टम को ठीक रखने के लिए भी इसे आवश्यक माना जाता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण नींद विकारों की समस्या काफी तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। किसी भी उम्र में नींद की समस्याओं के कारण संपूर्ण स्वास्थ्य पर असर हो सकता है। अच्छी नींद पाने के लिए जरूरी है कि आप सोने से पहले की अपनी आदतों में सुधार करें।

सोने से पहले क्या करें?

बेड पर जाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

हर दिन एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें, वीकेंड पर भी इस बात का ध्यान रखें। सोने से पहले एक आरामदायक दिनचर्या की आदत बनाएं जैसे किताब पढ़ना, गर्म पानी से स्नान या गहरी सांस लेने के व्यायाम का अभ्यास करना। सुनिश्चित करें कि आपके कमरे में पर्याप्त अंधेरा हो, यदि आवश्यक हो तो काले पर्दे का उपयोग करें।

सोने से पहले क्या न करें?

अच्छी नींद पाने के लिए कुछ चीजों को न करने की सलाह दी जाती है।

सोने से कम से कम 4-6 घंटे पहले कॉफी और चाय जैसे कैफीन युक्त पेय का सेवन न दें, ये नींद की गुणवत्ता में प्रभावित कर सकते हैं। रात में भारी भोजन करने से बचें। अधिक या भारी भोजन असुविधा पैदा करता है और आपके लिए सोना कठिन बना सकता है। कमरे में तेज रोशनी के स्रोतों से बचें क्योंकि इससे मेलाटोनिन का उत्पादन बाधित हो सकता है जो नींद के लिए जरूरी हार्मोन है।

नींद की समस्या में क्या करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद न आने के कई कारण हो सकते हैं। पर अगर आपको अक्सर ही नींद न आने की समस्या बनी रहती है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें।

कुछ स्थितियों में नींद की समस्या को कुछ प्रकार की अंतर्निहित बीमारियों का कारण भी माना जाता है, जिसका समय पर निदान और उपचार किया जाना आवश्यक हो जाता है।

बालों की फ्रिजीनेस से पाना है छुटकारा तो इन बातों का रखें ध्यान

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे त्वचा और बालों में काफी बदलाव दिखाई देने लगते हैं। इस बदलते मौसम में डैंड्रफ, खुजली, बालों की उलझन, बाल झड़ना ये समस्याएं तो जैसे बेहद ही आम है। इसके साथ ही इस मौसम में बाल काफी फ्रिजी होने लगते हैं। अगर बालों का ध्यान सही तरह से ना रखा जाए तो ना सिर्फ बाल कमजोर होने लगते हैं, बल्कि साथ ही में कई बार ये शर्मिंदगी की वजह भी बनते हैं।

वैसे तो अगर आप चाहें तो आपको बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट मिल जाएंगे, जिनकी वजह से आपके बालों की फ्रिजीनेस कम हो सकती है, लेकिन ये प्रोडक्ट कई बार बालों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आपको इस फ्रिजीनेस से छुटकारा मिलेगा। इन बातों का ध्यान रखने से आपको कई अन्य परेशानियों से भी राहत मिलने वाली है।

ये कंडीशनर करें इस्तेमाल

अगर आप बालों की फ्रिजीनेस से परेशान हैं, तो शैंपू के बाद लीव इन कंडीशनर का इस्तेमाल करें। ये कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने का काम करता है। इससे आपके बालों की फ्रिजीनेस भी कम होगी।

जरूर करें ऑयलिंग

अगर आपके बाल काफी ज्यादा फ्रिजी रहते हैं, तो बालों की तेल मालिश जरूर करें। ऑयलिंग करने से बालों को पोषण और मॉइश्चचर सही तरह से मिल जाता है। इससे बालों में फ्रिजीनेस कम होती है।

तकिए का कवर है जरूरी

अगर आप रात को सोते समय तकिए का इस्तेमाल करते हैं, तो कोशिश करें कि इसका कवर सिल्क का हो। सिल्क के कवर के इस्तेमाल से आपके बाल फ्रिजी होने से बचे रहेंगे।

हीटिंग टूल इस्तेमाल करने से बचें

अक्सर लड़कियां अपने बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं। इससे बालों में फ्रिजीनेस की समस्या उत्पन्न होने लगती है। अगर आपको हीटिंग टूल का इस्तेमाल करना ही है तो स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल करने से पहले हीट प्रोटेक्टर का इस्तेमाल जरूर करें।

सही तौलिया है जरूरी

बालों के लिए कभी भी सख्त तौलिया इस्तेमाल ना करें। बाल सुखाने के लिए हमेशा माइक्रोफाइबर टॉवल ही इस्तेमाल करें। ये बालों के लिए काफी सही रहते हैं।

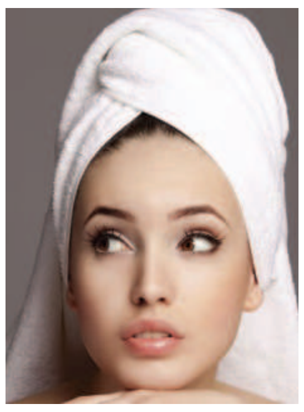

क्या होता है फॉर्म-16, आईटीआर फाइलिंग में कैसे आता है काम?

इनकम टैक्स रिटर्न भरने का सीजन जब भी आता है फॉर्म 16 का नाम सबसे ज्यादा सुनने को मिलता है। जो लोग नौकरीपेशा लंबे वक्त से कर रहे हैं उन्हें तो इस बारे जानकारी होती है लेकिन जिन लोगों ने नई-नई जॉब की शुरुआत की है उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी ही नहीं होती।ऐसे में अगर आप भी इस बारे में सुनकर कंफ्यूज हो रहे हैं तो आज हम आपको बताएंगे आखिर फॉर्म 16 होता क्या है और यह आपके किस काम आता है।

क्या होता है फॉर्म-16

फार्म 16 नियोक्ताओं की तरफ से कर्मचारियों को जारी किया गया एक प्रमाण पत्र होता है जो इस बात की गारंटी देता है कि टीडीएस को कर्मचारियों की ओर से आयकर विभाग द्वारा काटा गया है और जमा किया गया है। इसमें कर्मचारियों को दी गई सैलरी, कर्मचारियों के द्वारा क्लेम किए गए डिडक्शन और नियोक्ता के द्वारा काटे गए टीडीएस की जानकारी होती है। इनकम टैक्स अधिनियम के धारा 203 के तहत यह हर कंपनियों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है कि वह अपने कर्मचारियों को फॉर्म 16 दें जिसमें उनकी आय पर काटे गए टीडीएस की पूरी जानकारी हो।

भारत सरकार के नियमों के मुताबिक हर वेतन उठाने वाले व्यक्ति जिसकी आय इनकम टैक्स ब्रैकेट के तहत आती है वह फॉर्म 16 भर सकते हैं। यानी 300000 के ऊपर के वार्षिक आय वाले लोगों को टैक्स भरना पड़ता है।

इस फॉर्म को लेने के लिए आपको नियोक्ता से संपर्क करना पड़ता है।अगर आप नौकरी छोड़ भी देते हैं तब भी आपको यह फॉर्म मिलता है। अगर कंपनी फार्म जारी नहीं करता है तो उस पर जुर्माना लग सकता है इनकम टैक्स एक्ट की धारा 272 के तहत रोजाना 100 की पेनल्टी लग सकती है

अगर आपका टीडीएस कटता है और इसके बावजूद आप फॉर्म नहीं भरते हैं तो कंपनी टीडीएस का पैसा टैक्स के रूप में आयकर विभाग को जमा कर देती है।

प्लास्टिक की चीजें करते हैं इस्तेमाल तो सावधान गर्भावस्था में हो सकते हैं इसके गंभीर दुष्परिणाम

खाने-पीने की चीजों को रखने के लिए क्या आपके घरों में भी प्लास्टिक वाली चीजों का इस्तेमाल किया जाता है? अगर हां तो सावधान हो जाइए, ये शरीर के लिए कई प्रकार से हानिकारक हो सकता है। अब तक के अध्ययनों में प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने से होने वाली समस्याओं को लेकर अलर्ट किया जाता रहा था, हालांकि नए शोध में वैज्ञानिकों ने बताया है कि फूड पैकिजिंग वाली कई चीजों का इस्तेमाल भी इतना नुकसानदायक हो सकता है कि इसके कारण समय से पहले बच्चों के जन्म का खतरा बढ़ता जा रहा है।

प्लास्टिक और इसका दैनिक जीवन में इस्तेमाल कितना हानिकारक है, इस बारे में किए गए हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने सभी लोगों को अलर्ट किया है, विशेषकर महिलाओं को इसके गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर सावधानी बरतते रहने की सलाह दी गई है। नए अध्ययन के अनुसार, खाद्य कंटेनर और कॉस्मेटिक पैकेज जैसी रोजमर्रा की प्लास्टिक की वस्तुएं बच्चों के जन्म संबंधी समस्याओं का कारक हो सकती हैं।

बढ़ रहा है समय से पहले बच्चे के जन्म का खतरा

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक वाली चीजों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण समय से पहले बच्चों के जन्म की घटनाओं के भी बढ़ते जोखिमों को लेकर अलर्ट किया है। समय से पहले जन्म का मतलब गर्भावस्था के 37वें सप्ताह से पहले बच्चों का जन्म होना है। सीडीसी ने इस महीने की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि दुनियाभर में ऐसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं ने लगभग 5,000 अमेरिकी महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर विश्लेषण किया जिसमें पाया गया है कि प्लास्टिक मां-बच्चे दोनों के लिए हानिकारक प्रभावों वाले हो सकते हैं।

प्लास्टिक में पाए गए हानिकारक रसायन

शोध में गर्भावस्था के दौरान नियमित अंतराल पर महिलाओं का यूरिन सैंपल लिया गया। इसमें शोधकर्ताओं ने थैलेट्स नामक रसायन की पुष्टि की गई। इस रसायन को पहले के अध्ययनों में भी हार्मोन कार्यों को प्रभावित करने वाला पाया गया है जो शरीर की अन्य प्रक्रियाओं को भी प्रभावित कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि थैलेट्स के संपर्क में आने से समय से पहले जन्म का खतरा काफी बढ़ सकता है। अनुमानित यह सालाना 56,595 समय से पहले जन्मों का कारण बन रहा है।

प्लास्टिक की चीजों का उपयोग हो सकता है हानिकारक

रिपोर्ट के लेखकों ने बताया कि प्लास्टिक की चीजों को लचीला बनाने के लिए इस रसायन का इस्तेमाल किया जाता रहा है। फर्नीचर, पाइप, बेबी पैंट, खिलौने और मेडिकल ट्यूबिंग सहित कई अन्य उत्पादों में भी इसका उपयोग किया जाता है।

समय के साथ ये रसायन प्लास्टिक में रिसकर शरीर के संपर्क में आ सकते हैं, जिसके कारण कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन रसायनों के कारण होने वाले जोखिमों से बचाव के लिए निर्माताओं को इसके अन्य विकल्पों पर विचार करना चाहिए। वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ये रसायन गंभीर समस्याकारक हो सकते हैं।

पौधों को बीमारियों से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 घरेलू तरीके

पौधों को हरा-भरा और स्वस्थ रखने के लिए हम सभी अक्सर मार्केट में बिकने वाले कीटनाशक दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। हमें यह लगता है कि इनकी मदद से प्लांट्स में कीड़े नहीं लगेंगे। लेकिन क्या आपने कभी इन प्लांट्स को सही रखने के लिए घर में मौजूद प्रकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया है। इस लेख की मदद से आज हम आपको कुछ ऐसे प्राकृतिक कीटनाशक दवाओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप प्लांट्स को स्वस्थ रख सकती हैं।

साबुन के पानी का करें इस्तेमाल

पौधों में लगे एफिड्स और स्पाइडर माइट्स से निजात पाने के लिए आप साबुन के पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए 5 चम्मच डिशवॉश और 4 कप पानी लें। आप इस पानी को बोतल में भरकर 24 घंटे के लिए स्टोर करें। अब इस पानी को स्प्रे बोतल में भरकर पौधों पर स्प्रे करें।

नीम तेल का स्प्रे

नीम में मौजूद एंटिफंगल गुण पौधों में लगे एफिड्स, माइट्स, स्केल और अन्य कीड़ों को भगाने में मदद करते हैं। इसके अलावा आप नीम की पत्तियों को पीसकर उसके पानी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलदाउदी फूल स्प्रे का करें यूज

पाइरेथम स्प्रे को आप सूखे हुए गुलदाउदी के फूलों से बना सकती हैं। इसे बनाने के लिए गुलदाउदी के फूल का चूर्ण बना लें। इसके बाद इसका चूर्ण, डिश सोप और पानी को मिक्स करके रख दें। अब इस पानी को स्प्रे बोतल में भरकर पौधों पर स्प्रे करें। ऐसा करने से पौधे पर लगे कीड़े मर जाएंगे।

अंगूर के रस या संतरे के छिलके का करें इस्तेमाल

इन चीजों का स्प्रे पौधों पर लगने वाले घोंघे और स्लग को खत्म करने में मदद करता है। इसके लिए आपको अंगूर के रस में पानी को मिलाते हुए छिड़काव करें। इसके अलावा अगर आप संतरे के छिलके का इस्तेमाल कर रही हैं तो संतरे के छिड़के को तोड़कर एक बोतल में डालें और उसे पानी से भरकर 2-3 दिन के लिए छोड़ दें। अब इस पानी का छिड़काव पौधों पर करें।

हर्बल पानी स्प्रे

इस स्प्रे को बनाने के लिए आप अजवायन, लहसुन, मेंहदी, पुदीना आदि के तेल या फिर पत्तियों को पानी में भिगोकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। इस स्प्रे को बनाने के लिए पत्तियों को कुचल कर पानी में डालकर मिलाएं। 2-3 तीन बाद इस पानी को बोतल में भरकर कीड़ों पर स्प्रे करें।

इन हैक्स की मदद से करें घर की सफाई, शीशे की तरह चमकने लगेंगी चीजें

अगर आपको भी अपने घर को शीशे की तरह चमका कर रखना पसंद हैं तो आपको घर की सफाई समय- समय पर करते रहना चाहिए। कई लोग इतने आलस होते हैं कि वह खुद के घर की सफाई भी नहीं करना चाहते हैं। अगर आपको भी घर की सफाई करने में आलस आता है तो आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

घर के काम को बाटें

एक दिन में पूरे घर की सफाई करना असंभव हो सकता है। इससे आप बीमार भी हो सकते हैं। ऐसे में आपको अपने काम को बाट लेना चाहिए। जैसे की-शनिवार के दिन आपको अपने किचन और बाथरुम की सफाई करना चाहिए। वहीं रविवार के दिन आपको कमरों और हाल की सफाई करना होगा। इससे आपका काम आसान भी होगा और आपका घर अच्छे से साफ भी हो जाएगा।

बाथरुम की सफाई के लिए ट्राई करें ये क्लीनिंग हैक्स

बाथरुम की सफाई के लिए आपको सबसे पहले नींबू और सिरके का घोल तैयार करना है।

इस घोल को पूरे बाथरूम में डालना है।

वॉश बेसिन, टॉयलेट पॉट सभी जगह इसके घोल को डालें।

फिर गर्म पानी की मदद से अपने बाथरूम की सफाई करें।

आपका बाथरुम मिनटों में शीशे की तरह चमकने लगेगा।

कमरे को कैसे चमकाएं

कमरे की सफाई के लिए आपको सबसे पहले अपने सारे सामान को एक जगह करना होगा।

कमरे को चमकाने के लिए बिस्तर का सही होना जरूरी हैं।

कमरे में जरूरत से ज्यादा सामान ना रखें।

कमरे में झाड़ू के साथ ही आपको पोछा भी लगाना होगा।

इन हैक्स की मदद से आपका कमरा शीशे की तरह चमकने लगेगा।

तीन महीने के लो पर थोक महंगाई आम लोगों को मिली बडी राहत

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। बुधवार को वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक महंगाई वार्षिक आधार पर जनवरी में और कम होकर 0.27 फीसदी पर आ गई है. जो दिसंबर में 0.73 फीसदी थी. रॉयटर्स पोल में अनुमान लगाया गया था कि थोक महंगाई में 0.53 फीसदी का इजाफा देखने को मिल सकता है. इससे पहले रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे. जोकि काफी राहत पहुंचाने वाले रहे. खुदरा महंगाई भी 3 महीने के निचले पर स्तर पर देखने को मिली थी. थोक महंगाई अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी. नवंबर में यह 0.39 फीसदी दर्ज की गई थी.

सब्जियों की महंगाई में आई कमी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में लिए 0.27 प्रतिशत (अस्थायी) रही. थोक महंगाई जनवरी 2023 में 4.8 फीसदी थी. आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 में खाद्य सामग्री की महंगाई दर 6.85 प्रतिशत रही जो दिसंबर 2023 में 9.38 प्रतिशत थी. जनवरी में सब्जियों की महंगाई दर 19.71 प्रतिशत, जो दिसंबर 2023 में 26.3 प्रतिशत रही थी. जनवरी में दालों में थोक महंगाई 16.06 प्रतिशत थी, जबकि फलों में यह 1.01 प्रतिशत रही. इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत का खुदरा महंगाई का डाटा जारी किया गया था. खुदरा महंगाई सालाना आधार पर घटकर 5.10 फीसदी हो गया है, जबकि दिसंबर में रिटेल महंगाई चार महीने की ऊंचाई के साथ 5.69 फीसदी पर थी. 44 अर्थशास्त्रियों के एक रॉयटर्स पोल में तीन महीने के निचले स्तर 5.09 फीसदी का अनुमान लगाया गया था.

आरबीआई का महंगाई अनुमान

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) एमपीसी ने 8 फरवरी को लगातार छठी बैठक में अपनी रेपो रेट में कोई बदलाव ना करते हुए 6.50 फीसदी पर रखा है. फरवरी की बैठक में, आरबीआई एमपीसी ने ने खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की चिंताओं, हाल की गिरावट के बीच कच्चे तेल की लागत के बारे में अनिश्चितता और घरेलू विकास की गति के कारण मांग पर दबाव बनने की संभावनाओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने महंगाई अनुमान को 5.4 फीसदी रखा और कोई बदलाव नहीं किया. केंद्रीय बैंक ने यह भी कहा था कि उसे 31 मार्च को समाप्त होने वाली चालू तिमाही में महंगाई 5 फीसदी रहने की उम्मीद है.

29 फरवरी के बाद पेटीएम-वॉलेट में डिपॉजिट बंद:बैलेंस नहीं होने पर फास्टैग भी काम नहीं करेगा, शिफ्ट करने की प्रोसेस

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई की गाइडलाइन के मुताबिक, 29 फरवरी के बाद आप पेटीएम वॉलेट में पैसे जमा नहीं कर सकेंगे। ऐसे में अगर आपके पास पेटीएम का फास्टैग है तो आपको इसे चेंज करना होगा। आपने ऐसा नहीं किया तो आपको दोगुना टोल भी चुकाना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार फास्टैग से पेमेंट न होने पर दोगुना टोल देना होता है।

हालांकि, 29 फरवरी से पहले आप जो भी पैसा पेटीएम वॉलेट में ऐड करेंगे उसे आप 29 फरवरी के बाद भी खर्च कर सकेंगे। भारत में पेटीएम के सबसे ज्यादा फास्टैग यूजर्स हैं। डिजिटल पेमेंट्स में स्पेशलाइजेशन वाली फिनटेक फर्म पेटीएम ने मंगलवार (13 फरवरी) को कहा कि उसके क्यूआर कोड्स हमेशा की तरह काम करते रहेंगे। जिससे मर्चेंट्स यानी व्यापारियों को 29 फरवरी 2024 के बाद भी पेमेंट्स एक्सेप्ट करने की अनुमति मिलेगी। साथ ही कंपनी ने यह भी कहा कि पेटीएम साउंडबॉक्स और कार्ड मशीन जैसे पेमेंट डिवाइसेज भी हमेशा की तरह चालू रहेंगे। मर्चेंट्स को ऑप्शन तलाशने की जरूरत नहीं है।

पेटीएम के शेयरों में लगातार दूसरे दिन बवाल, निवेशक हुए कंगाल

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)।बीते 10 दिनों में पेटीएम के शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिल चुकी है. बीएसई पर कंपनी के शेयर में लगातार दूसरे दिन 10 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है. आज कंपनी के शेयर 350 रुपए से नीचे चले गए हैं. जोकि नया 52 हफ्तों का निचला स्तर है. खास बात तो ये है कि बीते 10 दिनों में कंपनी के शेयरों में 55 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. इसके अलावा निवेशकों को 26 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. जबकि अक्टूबर के महीने में कंपनी का शेयर 52 हफ्तों के हाई पर था. वहां से कंपनी के शेयर में 66 फीसदी नीचे आ चुके हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर पेटीएम के शेयर किस लेवल पर कारोबार कर रहे हैं.

लगातार दूसरे दिन 10 फीसदी की गिरावट

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कंयूनिकेशन के शेयर कारोबारी रिकॉर्ड लेवल पर नीचे आ गए. कंपनी के शेयर में लगातार दूसरे दिन 10 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और कंपनी का शेयर 342.40 रुपए के रिकॉर्ड लो पर नीचे आ गया. वैसे आज कंपनी का शेयर करीब 7 फीसदी की गिरावट के साथ 353.50 रुपए पर ओपन हुआ. एक दिन पहले कंपनी के शेयर में 10 फीसदी का लोअर सर्किट लगा था. जिसकी वजह से कंपनी के शेयर 380.35 रुपए पर बंद हुए. खास बात तो ये है कि 20 अक्टूबर को कंपनी का शेयर 998.30 रुपए के साथ 52 हफ्तों के हाई पर था. तब से अब तक यानी 78 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयर में 66 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. जबकि 10 कारोबारी दिनों यानी जब से कंपनी में बवाल शुरू हुआ है 55 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है.

निवेशकों को 26 हजार करोड से ज्यादा का नुकसान

बीते 10 कारोबारी दिनों में निवेशकों को पेटीएम के शेयरों में गिरावट की वजह से 26 हजार करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. इस जरा आंकडों से समझने की कोशिश करते हैं. 31 जनवरी के दिन कंपनी का मार्केट कैप 48,334.71 करोड रुपए था. जोकि आज 10 फीसदी और गिरावट कर 21,747.44 करोड रुपए पर आ गया है. बीते 10 कारोबारी दिनों में 26,587.27 करोड रुपए की गिरावट देखने को मिल चुकी है.

अडानी एंटरप्राइजेज में 20 फीसदी तेजी का अनुमान

सबसे ज्यादा फायदा इस बिजनेस से- जेफरीज

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अनुमान लगाया है कि अडानी एंटरप्राइजेस के शेयर इस साल 20 फीसदी ऊपर जा सकते हैं. अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा फायदा उनके नए बिजनेस से होगा. इनमें एयरपोर्ट और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर शामिल हैं. जेफरीज ने कहा है कि अडानी एंटरप्राइजेस का ऑपरेटिंग प्रॉफिट वित्त वर्ष 2026 तक दोगुना और वित्त वर्ष 2028 में 3 गुना हो सकता है. इससे पहले जेफरीज ने गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी एंटरप्राइजेस में निवेश की सलाह दी थी.

3800 रुपये तक जा सकता है स्टॉक

जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अडानी ग्रुप के ग्रीन हाइड्रोजन, एयरपोर्ट, डाटा सेंटर, रोड और कॉपर बिजनेस में इंडस्ट्री लीडर बनने की पूरी संभावना है. स्टॉक का 3 साल का रिटर्न 342 फीसदी रहा है. एक साल में कंपनी ने 85 फीसदी रिटर्न दिया है. कंपनी के स्टॉक 3 महीने में 43 फीसदी बढ़ चुके हैं. हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते आई समस्या से पहले कंपनी के शेयर 4100 रुपये के स्तर से ऊपर चले गए थे. जैफरीज ने स्टॉक में 3800 रुपये के लक्ष्य के साथ निवेश की सलाह दी है.

लगातार ऊपर जा रहा शेयर

कंपनी का स्टॉक मंगलवार को 0.3 फीसदी की बढ़त के साथ 3179 के स्तर पर बंद हुआ था. बुधवार को यह आगे बढ़कर 3196 रुपये पर कारोबार कर रहा था. आगे स्टॉक में 19 फीसदी से ज्यादा बढ़त का अनुमान है.

नए कारोबार से मिलेगी तेज ग्रोथ

जेफरीज ने अडानी एंटरप्राइजेस में निवेश की सलाह देते हुए कहा था कि कंपनी ने कई कारोबार को बढ़ाया है. जेफरीज के मुताबिक, एयरपोर्ट और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे नए कारोबार की मदद से कंपनी को आगे तेज ग्रोथ में मदद मिलेगी. जेफरीज ने कंपनी के स्टॉक में निवेश की सलाह जारी की है.

एयरपोर्ट सेक्टर में अभी बहुत संभावनाएं

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के मुताबिक, अडानी एंटरप्राइजेस पहले ही कई कारोबार विकसित कर डिमर्जर के जरिए में एक नई कंपनी के रूप में स्थापित कर चुकी है. भारत में ग्रीन हाइड्रोजन और एयरपोर्ट सेक्टर में अभी काफी संभावनाएं हैं. अडानी ग्रुप फिलहाल 8 एयरपोर्ट का संचालन करता है. जैफरीज का अनुमान है कि अडानी एंटरप्राइजेस का एबिटडा वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले वित्त वर्ष 2026 में दोगुना और वित्त वर्ष 2028 में तीन गुना हो सकता है. इसके अलावा ग्रीन एनर्जी की कंपनी के एबिटडा में हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ेगी.

अनिल अंबानी की इस कंपनी को खरीदने के लिए हिंदूजा के भी छूटे पसीने सस्ता कर्ज देने को कोई नहीं तैयार

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारी कर्ज में डूबे कारोबारी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल बिकने जा रही है। हिंदूजा ग्रुप इसके बैंकरप्सी कोड के तहत खरीदने की तैयारी में है। लेकिन इसके लिए कंपनी को फंड जुटाना मुश्किल हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए वह नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी 360 वन प्राइम से 4,000 करोड़ रुपये उधार लेने के लिए बातचीत कर रहा है। 360 वन प्राइम को पहले आईआईएफएल वेल्थ प्राइम के नाम से जाना जाता था। हिंदूजा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी इंडसइंड इंटरनेशल होल्डिंग्स इस डील के लिए कुल 8,000 करोड़ रुपये उधार लेने की तैयारी में है। लेकिन उसे प्राइस से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि क्रेडिट फंड्स ज्यादा रेट मांग रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि 360 वन प्राइम ने 14 से 15% के रेट पर 4,000 करोड़ रुपये ऑफर किए हैं। साथ ही कई और प्राइवेट क्रेडिट फंड्स ने भी क्रेडिट देने में दिलचस्पी दिखाई है लेकिन वे बहुत ज्यादा रेट मांग रहे हैं। इनमें एरेस एसएसजी भी शामिल हैं। एक और सूत्र ने कहा कि लोन के लिए रिलायंस कैपिटल के एसेट्स को गिरवी रखा जा रहा है। दिवालिया हो चुकी यह कंपनी इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग से गुजर रही है। ऐसे में प्राइवेट क्रेडिट फंड्स कम रेट पर लोन देने को तैयार नहीं हैं। 360 वन प्राइम के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया जबकि इंडसइंड इंटरनेशनल के प्रवक्ता ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।हिंदूजा ग्रुप के ऑफर को अभी कोर्ट और रेगुलेटरी अथॉरिटीज से अप्रूवल नहीं मिला है। ग्रुप ने रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए 9,650 करोड़ रुपये का ऑफर दिया था जिसे कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स ने पिछले साल जुलाई में मंजूरी दी थी। दिसंबर ने कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने रिलायंस कैपिटल में हिस्सा खरीदने के आईआईएचएल, आईआईएचएल बीएफएसआई (इंडिया) और आसिया एंटरप्राइजेज एलएलपी की योजना को हरी झंडी दी थी। रिलायंस कैपिटल में करीब 20 फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनियां हैं। इनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई ने भारी कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को 30 नवंबर 2021 को भंग कर दिया था और इसके खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू की थी।

बाजार में निचले स्तरों से शानदार रिकवरी

सेंसेक्स 71,800 के पार-निफ्टी 21800 के ऊपर बंद

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज सुबह शुरुआत जबरदस्त गिरावट के साथ हुई लेकिन दिन के कारोबार में बाजार में चौतरफा रिकवरी देखी गई. भारतीय शेयर बाजार का सुबह का अंदाज, शाम को बदल गया. जो मार्केट सुबह ओपनिंग के समय चौतरफा लाल निशान में दिखाई दे रहा था वो क्लोजिंग तक आते-आते हरे निशान में तब्दील हो गया है. शेयर बाजार में जबरदस्त रिकवरी देखी गई और बाजार में कारोबार तेजी के साथ ही बंद हुआ है.

कैसी रही बाजार की क्लोजिंग

बाजार की क्लोजिंग के समय बीएसई का सेंसेक्स 277.98 अंक या 0.39 फीसदी की उछाल के साथ 71,833 के लेवल पर बंद हुआ. वहीं एनएसई का निफ्टी 96.80 अंक या 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 21,840 के लेवल पर कारोबार बंद हुआ है.

एनएसई निफ्टी ने लिया सपोर्ट

बाजार में निफ्टी ने 21500 के ऊपर बंद होने में कामयाब होकर ये दिखा दिया कि एनएसई अपने सपोर्ट जोन के सहारे तेजी के दायरे में बना हुआ है. निफ्टी ने निचले स्तरों से करीब 300 अंकों की शानदार रिकवरी दिखाई है. सुबह इसने 200 अंकों तक का गोता लगाया था और बाजार बंद होने के समय 97 अंक ऊपर बंद हुआ है.

बैंक निफ्टी ने दिखाई जबरदस्त तेजी

बैंक निफ्टी ने आज करीब 1000 अंकों का उछाल निचले स्तरों से दिखाया है. जहां आज सुबह ये 45000 के अहम लेवल को तोड़ चुका था और 600 अंक टूटा था वहीं क्लोजिंग तक इसमें 400 अंकों का उछाल देखा गया और ये 46000 के लेवल के करीब आकर बंद हुआ है.

निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में जोरदार बढ़त

निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में जोरदार बढ़त देखी गई और ये 3.24 फीसदी की जबरदस्त उछाल के साथ बंद होने में कामयाब रहा है. इस इंडेक्स में इंडियन बैंक 6 फीसदी उछाल के साथ तो एसबीआई 4 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुआ है.

एनएसई के निफ्टी में पीएसयू का जलवा

एनएसई निफ्टी में बीपीसीएल के शेयर में 7.30 फीसदी की जोरदार बढ़त दर्ज की गई और एसबीआई सवा चार फीसदी उछाल के साथ बंद होने में कामयाब रहा है. ओएनजीसी में 3.72 फीसदी, कोल इंडिया में 3.33 फीसदी और टाटा स्टील में 2.61 फीसदी की जोरदार तेजी के साथ ट्रेड क्लोज हुआ है.

सोना-चांदी हुआ सस्ता, आज 10 ग्राम गोल्ड का रेट

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 14 फरवरी, 2024 को सोना और चांदी सस्ता हुआ है. सस्ता होने के बाद सोने की कीमत 61 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 69 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 61529 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 69040 रुपये है. मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 62394 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 61529 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों सस्ते हुए हैं.

आज क्या है सोने-चांदी की कीमत?

आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज सुबह 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने के दाम घटकर 61283 रुपये पहुंच गए हैं. वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना आज 56361 रुपये का हो गया है. इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले (18 कैरेट) सोने के दाम 46147 पर आ गए हैं. वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड (14 कैरेट) आज सस्ता होकर 35995 रुपये में आ गया है. इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 69040 रुपये की हो गई है.

जल्द बढ़ने वाला है डीए, केंद्र सरकार कर सकती है ऐलान, जानिए कितनी बढ़ जाएगी सैलरी

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार जल्द ही अपने कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी कर सकती है. कर्मचारियों का डीए 4 फीसदी बढ़ाया जा सकता है. केंद्र सरकार साल में दो बार जनवरी कर जुलाई में डीए में इजाफा करती है. डीए की गणना कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर की जाती है. बढ़े हुए डीए का ऐलान मार्च में किया जा सकता है. आइए समझ लेते हैं कि इस डीए बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार के एम्प्लॉइज और पेंशनर्स की वेतन में कितना इजाफा हो जाएगा.

अभी 46 फीसदी मिल रहा है डीए

लेबर मिनिस्ट्री का लेबर ब्यूरो कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स डाटा हर महीने जारी करता है. इसी आधार पर उन कर्मचारियों और पेंशन धारियों का डीए बढ़ाया जाता है, जो 7वें वेतन आयोग के आधार पर सैलरी और पेंशन लेते हैं. फिलहाल केंद्र सरकार अपने एम्प्लॉईज और पेंशनर्स को बेसिक पे का 46 फीसदी डीए दे रही है. सीपीआई आईडब्लू डाटा के अनुसार, डीए में बढ़ोतरी होकर इसे 50.26 फीसदी हो जाना चाहिए. हालांकि, केंद्र सरकार इसे सीधा 4 फीसदी बढ़ाकर बेसिक पे का 50 फीसदी कर सकती है.

1 जनवरी से बढ़ा हुआ माना जाएगा

इससे पहले केंद्र सरकार ने 18 अक्टूबर, 2023 को डीए में बढ़ोतरी का ऐलान किया था. इसे 1 जुलाई, 2023 से प्रभावी माना गया था. अभी सरकार जो 4 फीसदी बढ़ोतरी के ऐलान करने वाली है, उसे 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी माना जाएगा. देरी से ऐलान होने के चलते पिछले महीनों का डीए एरियर के रूप में मिल जाता है. डीए को महंगाई का प्रभाव खत्म करने के लिए बढ़ाया जाता है. इससे कर्मचारी की वेतन समय-समय पर बढ़ती रहती है. उसे महंगाई का डर नहीं सताता है.

यदि किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 53500 रुपये है तो 46 फीसदी के हिसाब से उसका डीए 24,610 रुपये बनेगा.

यदि डीए बढ़कर 50 फीसदी होता है तो उसे हर महीने 2140 रुपये का फायदा हो जाएगा. इसी तरह यदि किसी की पेंशन 41000 रुपये प्रति माह है तो 46 फीसदी के हिसाब से उसका डीए 18906 रुपये होगा. डीए में इजाफा होने के बाद उसकी पेंशन 1644 रुपये बढ़ जाएगी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-46
सूर्यास्त. - 18-14
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 10 -13 - तक उपरान्त सप्तमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , गुरुवार 15 February
नक्षत्र - अश्विनी - 09 - 25 - तक उपरान्त भरणी
योग - शुक्ल - 17 - 22 - तक उप ब्रह्म
करण- तैतिल - 10 - 13 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ...	06-41	बजे
चंद्र-	मेष	में	मीन...	08-19	बजे
मंगल	मकर	में	मेष--	09-55	बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	11-40	बजे
गुरु-	मेष	में	मिथुन..	13-40	बजे
शुक्र-	मकर	में	कर्क...	15-53	बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	18-05	बजे
राहु-	मीन	में	कन्या..	20-11	बजे
केतु-	कन्या	में	तुला.....	22-17	बजे
			वृश्चिक..	00-27	बजे
			धनु.....	02-41	बजे
			मकर...	04-46	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:57 से 15:23 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:46 - 08:11	शुभ	अमृत	18:14 - 19:50	शुभ
रोग	08:11 - 09:37	अशुभ	चंचल	19:50 - 21:23	शुभ
उत्पात	09:37 - 11:04	अशुभ	रोग	21:23 - 22:57	अशुभ
चंचल	11:04 - 12:30	शुभ	काल	22:57 - 24:30	अशुभ
लाभ	12:30 - 13:57	शुभ	लाभ	24:30 - 02:04	शुभ
अमृत	13:57 - 15:23	शुभ	उत्पात	02:04 - 03:37	अशुभ
काल	15:23 - 16:50	अशुभ	शुभ	03:37 - 05:10	शुभ
शुभ	16:50 - 18:14	शुभ	अमृत	05:10 - 06:46	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
काम के प्रयोजन के लिए आप यात्रा कर सकते है । विदेश यात्रा का भी योग है। आपकी कंपनी आपको दूसरे देश में भेज सकती हैं , या कार्य प्रयोजनों के लिए आपके वीजा को मंजूरी आज मिल सकती है। हालांकि अगर आप पहले से ही अपने कैरियर के लिए एक विदेशी देश में तैनात हैं , तो निकट भविष्य में अपने गृहनगर या देश में लौटने की उम्मीद कम है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे । संपत्ति से संबंधित ऋण भी आज मंजूर होने की संभावना है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
जिस महत्वपूर्ण कार्य के लिए आपने नींव बिछाने का कार्य किया था उसका फल आज से आपको मिलने लगेगा । हालांकि कुछ महत्वपूर्ण संकेतो को आप शायद न देख पाओ और निराशा और आलसीपन आप में विकसित हो सकता है। अगर आप अपने प्रयासों में कमी लाएंगे तो आपकी सारी की गई मेहनत पर पानी फिर सकता है , इसलिए जरुरी है की आप अपने प्रयासों को मजबूती से करना जारी रखे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है । इस समय आपको अपने करियर को नियंत्रण में लेने की जरूरत है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन आपकी प्रगति रुक सकती है। अगर आपने किसी भी गैजेट या कुछ रचनात्मक वस्तु का उत्पादन किया है, तो उसे जल्द से जल्द उस पर क़ानूनी एकाधिकार करवा ले । लोग ये साबित करने की कोशिश कर सकते हैं की ये वस्तु उन्ही की है , हालांकि वास्तविकता में वे शायद ही कोई भी उत्पाद की एक प्रतिकृति के निर्माण में आपके करीब आ सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले । आपका ध्यान हर किसी चीज़ पर बहुत अच्छी तरह से केंद्रित है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कैसे बनते हैं एक्टर्स के नकली बाल-दाढ़ी ?

तिरुपति से 1.5 लाख प्रति किलो मंगाए जाते हैं बाल

अमिताभ, शाहरुख, रणबीर पहनते हैं इनके बनाए विग

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। फिल्मों में एक्टर्स या एक्ट्रेस जो विग पहनते हैं, वो कहां से बनते हैं। इन्हें बनाने में कितना समय लगता है। खर्च कितना आता है, इसे बनाने में मैनपावर कितना लगता है। इन्हीं सवालों की खोज में पहुंचे मुंबई के मलाड एरिया में। वहां सुरेंद्र नेचुरल हेयर नाम से एक सेंटर है, जो पिछले तीन-चार दशकों से इस बिजनेस में सक्रिय है। यहां के ओनर सुरेंद्र साल्वी ने अमिताभ बच्चन, राजकुमार और देव आनंद के लिए विग बनाने का काम किया है। आज के वक्त में सुरेंद्र और इनके छोटे भाई बाला साल्वी ने सलमान खान, रणबीर कपूर, शाहरुख खान, संजय दत्त, ऐश्वर्या राय बच्चन और अनुष्का शर्मा जैसे बड़े सेलिब्रिटी के लिए हेयर विग बनाई है। रब ने बना दी जोड़ी में शाहरुख के जो चिपके-चिपके बाल देखे गए, वो ओरिजिनल नहीं बल्कि हेयर विग का कमाल था। फिल्म भारत में सलमान खान के ओल्ड लुक के लिए नकली दाढ़ी और मूंछ लगाए गए थे। सुरेंद्र साल्वी की टीम ने ही इसे तैयार किया था। पद्मावत में रणवीर सिंह के लंबे बालों को दिखाने के लिए हेयर एक्सटेंशन का यूज किया गया था। एनिमल के लिए रणबीर कपूर ने भी हेयर एक्सटेंशन का यूज किया था। फिल्म तेरे नाम में सलमान के मोस्ट आइकॉनिक लुक के पीछे भी सुरेंद्र और उनकी टीम का ही हाथ था। सुरेंद्र साल्वी की टीम आंध्र प्रदेश के तिरुपति से थोक में बालों का बंडल मंगवाती है। फिर यहां उन बालों से हेयर विग से लेकर नकली मूंछ और दाढ़ी बनाने का काम किया जाता है।

हेयर विग और एक्सटेंशन क्या होता है, पहले यह समझिए

सुरेंद्र नेचुरल हेयर के को-ओनर बाला साल्वी ने हमें हेयर विग और एक्सटेंशन का मतलब समझाया। उन्होंने कहा, 'सिर के ऊपर यूज किए गए आर्टिफिशियल बालों को विग कहते हैं। एक्सटेंशन भी हेयर विग का ही एक पार्ट है, लेकिन इसे नेचुरल हेयर के साथ जोड़ा जाता है। जैसे मान लीजिए आपके बाल छोटे हैं, आप बड़ा बाल रखना चाह रहे हैं, ऐसे में एक्सटेंशन का यूज किया जाता है। आपके बालों के साथ आर्टिफिशियल बालों के पैच जोड़ दिए जाते हैं। इससे बाल लंबे दिखाई देते हैं।'

एक्टर्स के चेहरे और सिर का माप लिया जाता है, फिर स्केच बनता है

फिल्म स्टार्स के लिए विग कैसे तैयार होते हैं। बाला साल्वी इसके जवाब में बताते हैं, 'सबसे पहले हमारे पास प्रोडक्शन टीम का कॉल आता है। हम लोग सेट पर उनसे मिलने जाते हैं। वहां हमें बता दिया जाता है कि उन्हें किस टाइप के बाल या दाढ़ी चाहिए। इसके बाद हम एक्टर्स से मिलकर उनके चेहरे और सिर का माप लेते हैं। उसके हिसाब से एक स्केच तैयार करते हैं। उस स्केच को प्रोडक्शन टीम को दिखाते हैं। पसंद आने पर उसे डन कर देते हैं। फिर उस स्केच को हम अपने कारीगरों को दिखाते हैं। कारीगर फिर उस हिसाब से हेयर विग, दाढ़ी और मूंछें तैयार करते हैं। इस पूरे प्रोसेस में 8 से 10 दिन लगते हैं।' हेयर विग लगाने से पहले नेचुरल बालों को पैक कर दिया जाता है। फिर उसके ऊपर विग लगाया जाता है। इतनी बारीकी से काम होता है कि देख कर लगता ही नहीं है कि विग के नीचे असली बाल छिपे हुए हैं। दाढ़ी और मूंछ लगाने के लिए चेहरे पर ग्लू लगाया जाता है, वहीं हेयर विग या हेयर एक्सटेंशन में छोटे-छोटे क्लिप लगे होते हैं, उन्हें असली बालों में फंसा दिया जाता है।

हाथ से एक-एक बालों को पिरोया जाता है

स्टार्स के चेहरे और सिर के माप लेने के बाद उसी साइज का एक सांचा तैयार किया जाता है। यह सांचा देखने में बिल्कुल मानव खोपड़ी की तरह होता है। इस सांचे के ऊपर एक जालीदार कैप पहना दी जाती है। कैप पहनाने के बाद कारीगर एक-एक बालों को उसमें लगाना शुरू करते हैं। जैसे कपड़े की सिलाई होती है, ठीक वैसे ही एक-एक बालों को सुई की मदद से उसमें पिरोया जाता है। सारे काम हाथ से किए जाते हैं, इसमें किसी भी तरह की मशीन का यूज नहीं होता है।

हॉलीवुड वाले जो विग तीन महीने में बनाते हैं, यहां 8-10 दिन में तैयार हो जाती है

बाला साल्वी ने कहा कि हॉलीवुड के विग स्टाइलिस्ट एक विग को बनाने में दो से तीन महीने लगाते हैं। हम लोग इसे 8 से 10 दिन में बना देते हैं। वहीं दाढ़ी बनाने में उन्हें 15 दिन लगते हैं, हम लोग इसे एक या दो दिन में बना देते हैं। हॉलीवुड वाले एक विग का 2.5 लाख रुपए चार्ज करते हैं, हम काम ठीक वैसा ही करते हैं, लेकिन हमें इतने पैसे कोई नहीं देता है।

एनिमल में रणबीर कपूर का लुक देख चिरंजीवी भी हैरान थे

बाला साल्वी ने कहा, 'अभी कुछ दिन पहले चिरंजीवी सर मुझसे मिले थे। उन्होंने एनिमल में रणबीर के लुक की काफी ज्यादा तारीफ की। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि रणबीर के वो असली बाल नहीं हैं। जब बड़े-बड़े स्टार काम की तारीफ करते हैं, तो सुनकर अच्छा लगता है। रणबीर तो मुझे प्यार से 'बाले' कहकर पुकारते हैं।'

खुदा गवाह में अमिताभ बच्चन की दाढ़ी को यहीं तैयार किया गया था

बाला साल्वी से बात करने के बाद हमने सुरेंद्र नेचुरल हेयर के सर्वेसर्वा यानी सेंटर के फाउंडर सुरेंद्र साल्वी से बात की। सुरेंद्र साल्वी ने बताया कि उन्होंने शुरुआती दौर में अमिताभ बच्चन के लिए काफी ज्यादा काम किया। कुली से लेकर फिल्म खुदा गवाह में बिग बी की दाढ़ी और बालों पर इन्होंने ही काम किया था।

खुदा गवाह में अमिताभ बच्चन की डुप्लीकेट दाढ़ी को सुरेंद्र ने अपने हाथों से तैयार किया था। फिल्म मर्द में सारे कैरेक्टर्स के लिए हेयर विग और दाढ़ी सुरेंद्र ने ही बनाए थे। फिल्म सौदागर में राजकुमार ने जो हेयर विग लगाया था, वो भी सुरेंद्र साल्वी ने ही बनाया था। फिल्म भगवान दादा में रजनीकांत की दाढ़ी भी इन्होंने ही बनाई थी।

विग बनाने वाले मेहनत करते हैं, अवॉर्ड मेकअप आर्टिस्ट ले उड़ता है

सुरेंद्र साल्वी ने अंत में एक दुख भी जाहिर किया। उन्होंने कहा कि हम लोग एक्टर्स के लुक पर इतनी मेहनत करते हैं, लेकिन हमें कभी अवॉर्ड्स नहीं मिलते। इंडस्ट्री वाले हेयर विग बनाने वालों को मेकअप डिपार्टमेंट का हिस्सा मानते हैं, इसलिए इन शोज में मेकअप आर्टिस्ट ही सारे अवॉर्ड्स लेकर उड़ जाते हैं। हमारा नाम ही नहीं हो पाता है।

तिरुपति से मंगाए जाते हैं बाल, एक किलो बाल की कीमत एक से डेढ़ लाख रुपए

सुरेंद्र साल्वी ने बताया कि वो आंध्र प्रदेश के तिरुपति से बाल मंगाते हैं। एक किलो बाल में 25 विग बनाए जा सकते हैं। एक किलो बाल की कीमत एक से डेढ़ लाख रुपए आती है। सुरेंद्र हेयर नेचुरल सेंटर में कैंसर पेशेंट्स के लिए भी विग बनाए जाते हैं। उन्हें 7 से 8 हजार रुपए में ये विग बेचे जाते हैं। अगर कोई साधारण व्यक्ति इनसे विग बनवाता है, तो उसे 15 हजार रुपए तक खर्च करने होंगे। एक विग बनाने में एवरेज 30 से 100 ग्राम बालों का प्रयोग होता है। उन्होंने हमें बालों का 10 किलो का एक बंडल भी दिखाया।

हेयर विग के बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी की जरूरत

सुरेंद्र साल्वी के बेटे शिवेश भी इस बिजनेस को जल्द संभालने वाले हैं। हेयर विग के इस बिजनेस में और क्या किया जा सकता है, इसके लिए वो रिसर्च कर रहे हैं।

इस रिसर्च वर्क को सीखने के लिए वो विदेश भी जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि फॉरेन में हेयर विग की कितनी डिमांड है। इसे बनाने में वे किस टेक्नोलॉजी का यूज करते हैं। वे जिस टेक्नोलॉजी का यूज करते हैं, उसे इंडिया में कैसे लाया जाए, उस पर काम करेंगे। शिवेश ने कहा कि हेयर विग के बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए अब एडवांस टेक्नोलॉजी की जरूरत है।

एनिमल में रणबीर कपूर के बड़े-बड़े बाल भी ओरिजिनल नहीं थे, अलग से जोड़े गए थे।

क्राइम ब्रांच में पदस्थ आरक्षक सस्पेंड

दुर्ग एसपी ने एनडीपीएस एक्ट में पाई संदिग्ध भूमिका

दुर्ग, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने जिले की एंटी क्राइम और सायबर यूनिट में पदस्थ आरक्षक अरविंद मिश्रा को सस्पेंड कर दिया है। एसपी ने ये कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में आरक्षक की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के चलते की है।

एसपी दुर्ग ने 13 फरवरी को इस संबंध में आदेश जारी किया है। एसपी ने अपने आदेश में लिखा है कि आरक्षक क्रमांक 547 अरविंद मिश्रा एसीसीयू भिलाई दुर्ग में पदस्थ है। थाना खुर्सीपार में दर्ज एक एनडीपीएस के मामले में उसकी भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इसे लेकर एसपी ने उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करते हुए पुलिस लाइन अटैच करने का आदेश जारी किया है।

डीएसपी क्राइम करेंगे जांच

एसपी ने आरक्षक को सस्पेंड करने के साथ ही उसके खिलाफ जांच भी बिठा दी है। इस जांच की जिम्मेदारी दुर्ग के क्राइम डीएसपी राजीव शर्मा को दी गई है। एसपी ने राजीव शर्मा को 7 दिन के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

दो सिपाहियों को कर चुके हैं बर्खास्त

एसपी जितेंद्र शुक्ला की ज्वाइन करने के बाद ये तीसरी बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले उन्होंने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के मामले में आरोपी सिपाही भीम सिंह यादव और सहदेव सिंह यादव को बर्खास्त किया था। एसपी के द्वारा की जा रही इस तरह की ताबड़तोड़ कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा है।

किसान आंदोलन पर पूर्व सीएम बघेल का बीजेपी पर तंज

छत्तीसगढ़ की तरह देश के किसानों को मिले एमएसपी

रायपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। देश के किसानों के आंदोलन को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि हम किसानों के साथ है। छत्तीसगढ़ में धान की भारतीय जनता पार्टी ने 3100 रुपये की घोषणा की है। जब छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये दिया जा सकता है, तो देश के किसानों के लिए एमएसपी क्यों नहीं मिलना चाहिए? एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं होना चाहिए? उसके लिए किसानों को आंदोलन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 5 साल पहले छत्तीसगढ़ के किसानों को 2500 रुपये देने का वादा किया था। हमने 5 साल पूरा 2500 रुपये बल्कि उससे बढ़कर 2600 रुपये दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने कर दिखाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी एक राज्य में 3100 रुपये देने की घोषणा की है। इसे बजट में भी शामिल किया है। भले ही मिला है या नहीं मिला है। अलग बात है लेकिन बजट में शामिल तो है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये दे रहे हैं। समर्थन मूल्य से ज्यादा दे रहे हैं। पूरे देश में क्यों नहीं मिलना चाहिए? किसान आंदोलन कर रहे हैं तो पूरी समर्थन हम लोगों का है। पूरे देश की किसानों को 3100 रुपये धान की कीमत मिलनी चाहिए। इस प्रकार से दूसरे और भी उत्पाद हैं। उसका भी समर्थन मूल्य होना चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि कल अंबिकापुर में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की। जितने भी उत्पाद हैं उसको एमएसपी से खरीदी करेंगे। भाजपा के पास अब तो कुछ बचता नहीं है। क्योंकि एक राज्य में दे रही है, बाकी राज्यों में नहीं अलग-अलग कैसे हो सकता है।

अनुराग ठाकुर के कांग्रेस एमएसपी असफल की बात पर पूर्व सीएम बघेल पलटवार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ही उदाहरण है। हम 2500 रुपए बोले से उसे 2640 रुपए में खरीदी किए हैं और एमएसपी शुरू करने के काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। दूसरे सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में पहली बार के विधायक, मंत्री और उपमुख्यमंत्री बने हैं। नियम की जानकारी भी नहीं है धीरे-धीरे सीख जाएंगे कोई बात नहीं है, लेकिन अभी लगातार घेरते भी जा रहे हैं और मंत्री घोषणा भी करते जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में किसानों की राशि का भुगतान नहीं हुआ है। बैंक में लिमिट कर दिया गया है। किसान अपना ही पैसा नहीं निकल पा रहे हैं। दरबार लगेगा तो मंत्रियों को यह जानकारी होगी।

बस्तर में 'टाइगर अभी जिंदा है'

आईटीआर में पिछले 3 साल में 6 बाघ होने की पुष्टि, नर बाघ भी शामिल

जगदलपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व (आईटीआर) में पिछले 3 सालों में 6 बाघों के होने की पुष्टि हुई है। इनमें एक नर बाघ भी शामिल है। देहरादून के टाइगर सेल ने इसकी जानकारी दी है। आईटीआर में लगे ट्रैप कैमरे में बाघों की तस्वीर कैद हुई है। अब अफसरों का दावा है कि यहां बाघों की संख्या बढ़ भी सकती है। दरअसल, इंद्रावती टाइगर रिजर्व बाघों के रहने के लिए काफी अनुकूल माना जाता है। महाराष्ट्र-तेलंगाना से लगा इंद्रावती टाइगर रिजर्व करीब 2799.086 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 1258.37 वर्ग किलोमीटर कोर जोन है, जबकि 1540.70 वर्ग किलोमीटर बफर जोन है।

बाघों की तस्वीरों के लिए लगाए गए हैं कई कैमरे

साल 2021 से अब तक यहां बाघों की पुष्टि के लिए कई कैमरे लगाए गए हैं। पिछले 3 सालों में कैमरे में कैद हुई तस्वीरों की जांच करने के लिए इन्हें देहरादून के टाइगर सेल भेजा गया था। जहां से आईटीआर में 6 बाघ होने की पुष्टि हुई है। आईटीआर के सीसीएफ राजेश पांडेय का कहना है कि बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। साल 1982 में बाघ समेत दूसरे वन्य जीवों के संरक्षण के लिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व की स्थापना की गई थी। साल 2009 में इसे टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला। इसके बाद से यहां बाघों के संरक्षण के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। तेंदुआ, नील गाय, वन भैंसा समेत कई वन्य प्राणी भी यहां भारी तादात में हैं।

महतारी वंदन योजना में महिलाओं से पैसे की वसूली

दुर्ग में फॉर्म के बदले 100 रुपए, विवाहिता प्रमाण पत्र के बदले लिए गए 20 रुपए

भिलाई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में महतारी वंदन योजना के जरिए महिलाओं से आंगनबाड़ी से लेकर निगम की एमआईसी मेंबर तक अवैध वसूली कर रही है। फॉर्म के बदले 100 रुपए और विवाहिता का प्रमाण पत्र देने के बदले 20 रुपए लिए जा रहे हैं। दैनिक भास्कर ने इसका स्टिंग किया है। वहीं, गरीब महिलाओं से पैसे लेकर भी फॉर्म भराया जा रहा है। जबकि भाजपा, कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी इस काम में सहयोग कर रहे हैं। आवेदन जमा करने के लिए निगम, आंगबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर अन्य विभाग की ड्यूटी लगाई है।

योजना पूरी तरह निशुल्क-निगम आयुक्त

पैसे लिए जाने की बात पर दैनिक भास्कर ने जब भिलाई नगर निगम के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव से बात की, तो उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महती योजना है। ये पूरी तरह से निशुल्क है। इसका आवेदन हर महिला को करना है। आवेदन करने के लिए फॉर्म और प्रक्रिया पूरी तरह से निशुल्क है। किसी को एक रुपए भी नहीं देना है। यदि कोई पैसों की मांग करता है, तो उसकी शिकायत जोन आयुक्त से की जा सकती है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने लिए 100-100 रुपए

पैसा लेने का पहला मामला पहला भिलाई पावर हाउस क्षेत्र का है, जहां एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं से महतारी वंदन योनजा का फॉर्म भरने के बदले 100 रुपए ले रही थी। जब इसकी जानकारी भाजपा कार्यकर्ताओं को हुई, तो उन्होंने बवाल कर दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बर्खास्त

इसके बाद में मामला बढ़ने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने महिलाओं को पैसे वापस कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद निगम आयुक्त और कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अब उस आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

प्रमाणपत्र में फर्जीवाड़ा, भाजपा नेताओं ने की कार्रवाई की मांग

मरवाही, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायिका के पद पर फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे भर्ती कर फर्जीवाड़ा किये जाने का मामला सामने आया है। वहीं अब आंगनबाड़ी में फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे नियुक्ति प्राप्त करने वाले और नियुक्ति समिति के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्थानीय बीजेपी नेता ने संबंधित विभाग के साथ जीपीएम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। मामले में दोषी चयन प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पूरा मामला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का है। जहां भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेताओं ने जीपीएम में कलेक्टर को एकीकृत बाल विकास परियोजना गौरेला के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र मुड़ाटिकरा में शिवकुमारी पोर्ते के द्वारा सहायिका के पद पर फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नियुक्ति प्राप्त करने का शिकायत की है। कलेक्टर को मामले में ज्ञापन सौंपा है साथ ही भाजपा नेता ने नियुक्ति प्रक्रिया के समिति में शामिल अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने की मांग की।

रामलला दर्शन योजना की दूसरी ट्रेन अयोध्या के लिए रवाना

सीएम साय ने आस्था स्पेशल ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

रायपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राम भक्तों को रामलला के दर्शन कराने छत्तीसगढ़ से अयोध्या के लिए आस्था स्पेशल ट्रेन रवाना हो गई है। आज बुधवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 7 से आस्था स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

इस मौके पर रेलवे स्टेशन जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। इस दौरान सीएम साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की रामलला दर्शन योजना के तहत दूसरी आस्था स्पेशल ट्रेन आज अयोध्या के लिए रवाना हो गई है। इसमें एक हजार 300 रामभक्त रामलला के दर्शन के लिए जा रहे हैं। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र खत्म होने के बाद मंत्रिमंडल के साथ अयोध्या के लिए रवाना होंगे।

छत्तीसगढ़ में गौ-तस्करी का बड़ा मामला

गौसेवकों ने पकड़ा गायों से भरा कंटेनर,कई की मौत,पूर्व सीएम ने बीजेपी पर कसा तंज

रायपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौ-तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। एक कंटेनर में लगभग 100 गायों की तस्करी की जा रही थी।

रायपुर-दुर्ग के बीच कुम्हारी नाका में गौसेवकों ने गायों से भरा कंटेनर को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार, 100 में से लगभग 13 गायों की मौत हो गई है। इसके साथ ही कई पैर भी टूटे हुए हैं। मामले में कुम्हारी पुलिस जांच में जुटी है। वहीं इस मामले में पूर्व सीएम बुपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मंगलवार देर रात का है। जहां बड़ी संख्या में गो-तस्करी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। जिस कंटेनर में तस्करी की जा रही थी, उस कंटेनर की पहचान छुपाने के लिए नकली नंबर प्लेट लगाया गया था। गायों से भरा कंटेनर को गोसेवकों ने पकड़ लिया। इसके बाद जमकर बवाल मचा। वहीं गोसेवकों द्वारा जरवाय स्थित गोठान में मवेशियों को लाया गया है।

गो-तस्करी मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि यह दृश्य देखकर बहुत दुख हो रहा है। सूचना मिली है कि रायपुर में हीरापुर के पास ग्रामीणों ने एक ट्रक पकड़ा है, जिसमें लगभग 100 गायें थी। पता चला है 13 गायों की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार आते ही तस्करी और गौ माता पर अत्याचार का सिलसिला फिर शुरू हो गया। इन तस्करों के गिरोह और शासन में बैठे गौ हत्यारों को सामने आकर जवाब देना होगा।

'पुतिन नाटो में शामिल देशों पर हमला करते हैं तो हम करेंगे रक्षा'

ट्रंप की आलोचना कर बोले राष्ट्रपति बाइडन

वॉशिंगटन, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने नाटो के प्रति एक बार फिर अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि 74 साल पुराना यह गठबंधन अमेरिका के लिए एक पवित्र प्रतिबद्धता है। दरअसल, यह गठबंधन डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति रहने के बाद मुश्किल में घिर गया था क्योंकि ट्रंप ने इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाया था। इतना ही नहीं, ट्रंप ने हाल ही में फिर से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन पर टिप्पणियां की थीं।

जब अमेरिका अपनी जुबान देता...

बाइडन ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'जब अमेरिका अपनी जुबान देता है तो उसका कुछ मतलब होता है। जब हम कोई वादा करते हैं तो उसे निभाते हैं और नाटो एक पवित्र प्रतिबद्धता है। डोनाल्ड ट्रंप इसे ऐसे देखते हैं जैसे यह कोई बोझ हो।'

ट्रंप की टिप्पणी

बता दें, ट्रंप ने साउथ कैरोलाइना में हुई एक रैली में कहा था कि वह नाटो सहयोगियों से अपना रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए कहेंगे, अन्यथा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उन देशों पर हमला करने के लिए प्रेरित करेंगे। इतना ही नहीं, ट्रंप ने कहा था कि रूस उन नाटो सदस्यों के साथ 'जो करना चाहे, करें', जो रक्षा पर खर्च के अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाते हैं।

यह है नाटो का संकल्प

गौरतलब है, नाटो सहयोगियों ने साल 2014 में 2024 तक रक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का दो फीसदी खर्च करने का संकल्प लिया था। नाटो के आकलन के मुताबिक, 2023 की शुरुआत तक उसके 30 में से 10 सदस्य दो फीसदी तक या उससे अधिक खर्च करने के करीब थे जबकि 13 देश 1.5 प्रतिशत या उससे कम खर्च कर रहे थे।

जो बाइडन का पलटवार

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के सबसे प्रबल दावेदार ट्रंप की टिप्पणियों पर जो बाइडन ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'ट्रंप के लिए सिद्धांत मायने नहीं रखते हैं। सब कुछ लेन-देन है। वह यह नहीं समझते कि हमने जो वादा किया है वह हमारे लिए भी काम करता है। बल्कि मैं ट्रंप और नाटो से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाले लोगों को याद दिलाऊंगा कि अनुच्छेद पांच को हमारे नाटो के इतिहास में केवल एक बार लागू किया गया है और यह 9/11 हमले के बाद अमेरिका के साथ एकजुटता जताने के लिए किया गया था।'

नाटो के पारस्परिक रक्षा खंड के अनुच्छेद पांच के तहत, सभी सहयोगी देश हमले की चपेट में आने वाले किसी भी सदस्य की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। बाइडन ने कहा, 'जब तक मैं राष्ट्रपति रहूंगा, अगर पुतिन नाटो में शामिल देशों पर हमला करते हैं तो अमेरिका नाटो क्षेत्र की एक-एक इंच की रक्षा करेगा।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रंप की टिप्पणियों को शर्मनाक और अमेरिका विरोधी बताया। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने में ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली ने भी पूर्व राष्ट्रपति की टिप्पणियों के लिए उनकी आलोचना की है।

ईरान की दो टूक, 'अगर हमारे जहाजों पर दुश्मन हमला करेंगे, तो हम भी मुंहतोड़ जवाब देंगे'

तेहरान, 14 फरवरी (एजेंसियां)। एक शीर्ष ईरानी सैन्य कमांडर ने कहा कि अगर दुश्मन हमारे जहाजों को निशाना बनाएंगे, तो ईरानी सेना उन्हें मुंहतोड़ जवाब जरूर देगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गाड्‌र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुख्य कमांडर होसैन सलामी ने ईरान की राजधानी तेहरान में आईआरजीसी के सेवानिवृत्त और मौजूदा कमांडरों और अधिकारियों के साथ एक बैठक में देश के सशस्त्र बलों की नौसैनिक क्षमताओं पर टिप्पणी करते हुए यह बात कही।

सलामी ने कहा, 'यदि वे हमारे जहाजों पर हमला करते हैं, तो हम निश्चित रूप से उनके जहाजों पर भी हमला करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, 'आईआरजीसी के पास इतनी बड़ी ताकत है कि वह निश्चित रूप से सैन्य युद्ध और साइबर युद्ध सहित सभी क्षेत्रों में दुश्मनों को हरा देगा।' सलामी ने सोमवार को एक टीवी इंटरव्यू में कहा,' आईआरजीसी ने अपने एक क्रूजर से लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल को सफलतापूर्वक दागा था।'

एलन मस्क बोले–पुतिन अब यूक्रेन जंग नहीं रोक सकते

ऐसा करने पर उनकी हत्या हो जाएगी, जंग के पीछे दूसरी ताकतों का हाथ

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सोशल मीडिया साइट X (ट्विटर) पर एक चर्चा में कहा- रूस राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चाह कर भी यूक्रेन जंग हार नहीं सकते। वो इसे खत्म भी नहीं कर सकते। एलन मस्क के मुताबिक, अगर पुतिन ने अब ऐसा कुछ भी करने की कोशिश की तो उनकी हत्या कर दी जाएगी।

रिपब्लकिन सांसदों से बात करते हुए मस्क ने कहा- जिन लोगों को भी लगता है कि वो रूस में सत्ता बदल सकते हैं, वो गलत हैं। मैं उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि पुतिन के बाद रूस का जो अगला लीडर होगा वो और कट्टर हो सकता है। जो रूस में सरकार बदलना चाहते हैं, उन्हें सोचना चाहिए कि पुतिन की जगह कौन लेगा? और क्या वो असल में शांति के पक्ष में होगा। इसकी संभावना बेहद कम है।

यूक्रेन बिल को लेकर मस्क और विवेक रामास्वामी ने चर्चा की

मस्क ने कहा-जंग की वजह से दोनों पक्ष के लोग जान गंवा रहे हैं। मैं इसे रोकना चाहता हूं। सोशल मीडिया पर इस चर्चा में मस्क के साथ विसकॉनसिन के रॉन जॉनसन, ओहायो के जेडी वैंस और उटाह के माइरक ली शामिल हुए थे। इसके अलावा रिपब्लिकन पार्टी से पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने भी इस चर्चा में हिस्सा लिया।

उन्होंने जंग में यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका की सीनेट में लाए गए बिल पर चर्चा की। एलन मस्क यूक्रेन जंग में अहम भूमिका निभाते आए हैं, क्योंकि उनकी स्टारलिंक सैटेलाइट सेवाओं का इस्तेमाल यूक्रेनी सेना ने किया था। मस्क ने कहा- पुतिन ने जंग से कदम पीछे खींचने की कोशिश की तो उन्हें मार दिया जाएगा। इसके पीछे दूसरी ताकते हैं जो पुतिन पर जंग लड़ते रहने का दबाव बना रही हैं। यह बहुत ही बेतुका है। बातचीत के दौरान मस्क ने उन्हें रूस समर्थक कहने वाले आलोचकों की भी निंदा की। उन्होंने कहा- मेरी कंपनियों ने शायद रूस को कमजोर करने के लिए सबसे ज्यादा काम किया है।

दूसरी तरफ न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन ने अमेरिका के सामने यूक्रेन जंग रोकने का सुझाव दिया था, लेकिन अमेरिका ने इसे ठुकरा दिया था। रॉयटर्स ने 3 रूसी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में पुतिन ने पब्लिक और प्राइवेट स्तर पर अमेरिका को जंग रुकवाने को लेकर मैसेज भेजा था।

पुतिन के युद्धविराम के सुझाव को अमेरिका ने किया खारिज, रूस ने जताई नाराजगी

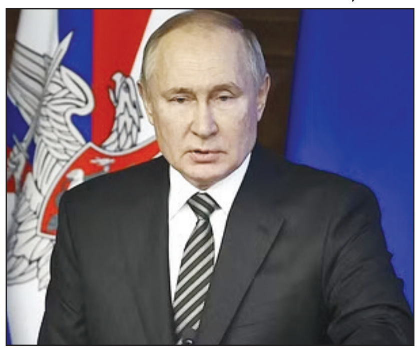

मॉस्को, 14 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध को रोकने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सुझाव को अमेरिका ने खारिज कर दिया। पुतिन ने पिछले साल मध्यस्थों के जरिए सार्वजनिक और निजी तौर पर अमेरिका को संकेत भेजा था। उन्होंने बताया था कि रूस यूक्रेन में युद्धविराम के लिए तैयार है।

पुतिन के युद्धविराम के सुझाव को अमेरिका ने किया खारिज

पुतिन यूक्रेन-रूस के संघर्ष को रोकने का प्रयास तो कर रहे थे, लेकिन वह रूस द्वारा नियंत्रित यूक्रेनी जमीन को छोड़ने के लिए भी तैयार नहीं थे। वहीं अमेरिका ने मध्यस्थों के माध्यम से रूस को बताया कि वह यूक्रेन की उपस्थिति के बिना युद्धविराम पर चर्चा नहीं करेंगे। नाम न छापने की शर्त पर एक सूत्र ने बताया कि अमेरिका यूक्रेन पर दवाब नहीं बनाना चाहता है, जिस वजह से बातचीत की कोशिशें नाकाम हो गईं। रूसी सूत्रों के अनुसार, बातचीत की कोशिशें नाकाम होने के बाद रूस ने अमेरिका पर नाराजगी जताई है। सूत्र ने बताया कि अमेरिका कभी यूक्रेन को बातचीत के लिए प्रेरित नहीं करेगा, क्योंकि वह (अमेरिका) युद्ध के वित्तपोषण में मदद कर रहा है। पुतिन ने इसपर कहा, 'मुझे मालूम है कि वे कुछ नहीं करेंगे। उन्होंने संपर्क के सभी तारों को काट दिया, जिन्हें बनाने में दो महीने लगे थे।' वहीं एक अन्य सूत्र ने बताया कि अमेरिका को पुतिन की ईमानदारी पर यकीन नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'पुतिन युद्ध विराम के लिए तैयार थे, लेकिन अब पुतिन भी तब तक लड़ने के लिए तैयार हैं जब तक आवश्यक हो।'

यूक्रेन के समर्थन में अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन महीनों से यूक्रेन के लिए अधिक सहायता मंजूरी देने के लिए संसद पर दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्हें रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगियों के विरोध का सामना करना पड़ा। बता दें कि रूस साल 2022 में हजारों की संख्या में सैनिकों को यूक्रेन भेजा था, जिससे पूर्वी यूक्रेन में यूक्रेनी बलों के साथ आठ वर्षों का संघर्ष फिर से शुरू हो गया। यूक्रेन का कहना है कि वह अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि वह यूक्रेन की जमीन पर रूस का नियंत्रण कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

ब्रुसेल्स में गोलीबारी महिला को कार से टक्कर मार भाग निकले अपराधी

ब्रुसेल्स, 14 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रुसेल्स की नगर पालिका सेंट-गिल्स में गोलीबारी हुई। इस दौरान भाग रहे अपराधियों की कार से एक महिला घायल हो गई। ब्रुसेल्स अभियोजक के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। घटना को स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे हुई, जब पोर्ट डी हाल के पास स्क्वायर जैक्स फ्रैंक पर गोलियां चलाई गईं। जांच का हवाला देते हुए बताया कि गोलीबारी से कोई भी घायल नहीं हुआ, लेकिन एक गोली इमारत की खिड़की से होकर गुजर गई। फायरिंग के बाद भाग निकलने की जल्दी में अपराधियों ने कार से एक महिला को टक्कर मार दी। घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, वहीं अपराधी अंततः पैदल ही भाग निकले। सेंट-गिल्स के मेयर, जीन स्पिनेट ने कहा कि वह गोलीबारी से शकते में हैं, लेकिन ब्रुसेल्स में मादक पदार्थों की तस्करी की सीमा और पुलिस संसाधनों की कमी को देखते हुए आश्चर्यचकित नहीं हैं।

इंडोनेशिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुरू

20 करोड़ मतदाता करेंगे अपने मत का इस्तेमाल

जकार्ता, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया में आज जहां एक तरफ युवक-युवतियां वैलेंटाइन डे मना रहे हैं। वहीं मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया में आधे से अधिक मतदाता, जो कि युवा हैं, नई सरकार बनाने के लिए मतदान कर रहे हैं। अर्थव्यवस्था, मानवाधिकारों पर चिंताओं के बीच यहां 20 करोड़ से अधिक मतदाता नए राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इंडोनेशिया में फिलहाल जोको विडोडो राष्ट्रपति हैं।

इन प्रतिनिधियों का भी होगा चुनाव

बता दें, आज दुनिया के सबसे बड़े एक दिवसीय चुनाव में न केवल नए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को बल्कि संसदीय और स्थानीय प्रतिनिधियों को भी चुना जाएगा। 'जोकोवी' के नाम से लोकप्रिय विडोडो अपने दो कार्यकाल की अधिकतम सीमा पूरी कर चुके हैं। उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद इंडोनेशिया अपनी राजनीति में एक नए चरण की शुरुआत करना चाहता है। इंडोनेशिया की कुल 27 करोड़ आबादी में से 20.4 करोड़ लोग मतदान करेंगे। मतदान के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इसलिए उम्मीद है कि अधिक लोग मतदान करेंगे। पिछले साल 2019 में 81 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया था। इंडोनेशिया में 18 राजनीतिक दल हैं, जो 575 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। वर्तमान में जोको विडोडो (जोकोवी) इंडोनेशिया के राष्ट्रपति हैं, जो पिछले 10 वर्षों से इंडोनेशिया के शीर्ष पद पर बैठे हैं। वहीं, इस चुनाव में तीन उम्मीदवार राष्ट्रपति बनने की रेस में हैं। लेकिन सबकी नजरें राष्ट्रपति पद के दावेदार प्रोबोवो सुबिआंतो पर टिकी हुई हैं। वे पूर्व सैन्य जनरल रह चुके हैं और इस सरकार में रक्षा मंत्री रह चुके हैं।

तीन जोड़ी राष्ट्रपति पद के शीर्ष उम्मीदवार

इंडोनेशिया में राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद के लिए तीन जोड़िया मुख्य रूप से आगे चल रही हैं। राष्ट्रपति पद के लिए पहला नाम-वर्तमान रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो (72) का है, जो 2014 और 2019 में जोकोवी से हार गए थे। उन पर 1990 के दशक के अंत में 20 से अधिक लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के अपहरण का आरोप है।

साथ ही उन पर पूर्वी तिमोर और पापुआ में मानवाधिकारों के हनन का भी आरोप है। वहीं, सुबियांतो के साथी और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जिब्रान राकाबुमिंग (36) भी विवादास्पद रहे हैं। हालाँकि प्रबोवो और जिब्रान को जोकोवी का स्पष्ट समर्थन नहीं है।

दूसरे शीर्ष उम्मीदवार हैं- मध्य जावा के पूर्व गवर्नर

इसके अलावा, दूसरी शीर्ष जोड़ी गंजर प्रणोवो (राष्ट्रपति पद के लिए) मध्य जावा के पूर्व गवर्नर हैं और उनके साथी महफुद एमडी (उप राष्ट्रपति पद के लिए) इंडोनेशियाई डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल (पीडीआई-पी) के सदस्य हैं। पीडीआईपी को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवादी राजनीतिक दल माना जाता है। पीडीआईपी ने राष्ट्रपति पद के लिए जोकोवी का समर्थन किया था।

गंजर और महफुद ने खुद को विनम्र व्यक्ति के रूप में पेश किया है, जो इंडोनेशिया के लोगों को समझते हैं।

अमेरिका से पढ़कर लौटे अनीस तीसरे उम्मीदवार

जकार्ता के पूर्व गवर्नर अनीस बास्वेडन राष्ट्रपति पद के शीर्ष तीसरे उम्मीदवार है। मुहैमिन इस्कंदर अनीस उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। तीसरी जोड़ी स्वतंत्र रूप से चुनाव में उतरी है। अनीस जकार्ता के पूर्व गवर्नर और शिक्षा मंत्री भी रह चुके हैं। इन्होंने अमेरिका में पढ़ाई की है। इस जोड़ी ने छोटे व्यवसाय मालिकों के लिए समान अवसरों को बढ़ावा देने का वादा किया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री के स्वास्थ्य में सुधार अस्पताल से छुट्टी-जल्द संभालेंगे जिम्मेदारियां

वॉशिंगटन, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की तबियत में सुधार है। उन्हें वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर से छुट्टी दे दी गई है। दरअसल, ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर है, जिसके इलाज के लिए एक सर्जरी की गई थी। अब वह जल्द ही अपने काम पर वापस लौटेंगे। 70 साल के ऑस्टिन दिंसबर में सर्जरी के बाद से ही स्वास्थ्य मुद्दों से जूझ रहे हैं। रविवार को हालत खराब होने पर उन्हें वाल्टर रीड वापस ले जाया गया। सोमवार को जनरल एनेस्थीसिया के तहत उनकी नॉन सर्जिकल सर्जरी की गई।

स्वास्थ्य में सुधार हो रहा

अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा, 'उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और आज शाम पांच बजे वह अपने कामकाज को फिर से शुरू कर रहे हैं। उप रक्षा सचिव, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ, व्हाइट हाउस को इसकी सूचना दे दी गई है।' आगे कहा गया, ऑस्टिन इस सप्ताह के अंत में पेंटागन में काम पर लौटने से पहले कुछ समय तक घर से ही काम करेंगे।

दो महीने से बीमार हैं ऑस्टिन

ऑस्टिन 21 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार मिनिस्ट्री पहुंचे थे। इस दौरान उनकी प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी हुई। वो दो बार हॉस्पिटल में एडमिट हुए। एक वक्त तो ऐसा आया जब करीब छह दिन तक राष्ट्रपति और संसद समेत उनके स्टाफ तक को जानकारी नहीं थी कि ऑस्टिन कहां हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और व्हाइट हाउस से इस बारे में सफाई मांगी गई। रिपब्लिकन पार्टी और यहां तक कि जो बाइडन की डेमोक्रेट पार्टी के कई सदस्यों ने ऑस्टिन को बर्खास्त करने की मांग की, लेकिन बाइडन ने कोई एक्शन नहीं लिया और इस तरह उनकी कुर्सी बच गई। 29 जनवरी को ऑस्टिन ने नाटो सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग से मुलाकात की थी। इसके बाद कहा- 'देश और दुनिया के लिए यह वक्त बेहद अहम है। मैं पेंटागन में वापसी से खुश हूं। हालांकि, सर्जरी के बाद अब भी रिकवर कर रहा हूं।' हालांकि, बाद में फिर तबियत बिगड़ गई थी, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया था।

हमारे क्षेत्र के लिए भारत एक महत्वपूर्ण: आसियान के महासचिव होर्न

आसियान के महासचिव डॉक्टर काओ किम होर्न ने कहा हम इस बात की सराहना करते हैं कि भारत आसियान के नेतृत्व वाले सभी तंत्रों की केंद्रीयता का समर्थन करता रहा है। स्पष्ट रूप से, हम देख रहे हैं कि भारत आसियान के साथ मिलकर पहलों, कार्यक्रमों और गतिविधियों के मामले में आगे रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब आपसी हित के माध्यम से किया जाता है। हिंद-प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण के संदर्भ में, यह कुछ ऐसा है जिसका हम आसियान के साथ काम करने के लिए भारत का बहुत स्वागत करते हैं। क्योंकि आसियान हमारे लिए है, हम मानते हैं कि भारत हमारे क्षेत्र में भी एक बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।'

मलेशियाई-भारतीय ने सिंगापुर एयरलाइंस पर 17.8 लाख सिंगापुर डॉलर का मुकदमा किया

सिंगापुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। एक मलेशियाई-भारतीय पूर्व फ्लाइट स्टीवर्ड ने सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) पर 17.8 लाख सिंगापुर डॉलर का मुकदमा दायर किया है जो 2019 एक घटना से संबद्ध है जिसमें वह एक विमान में फिसलकर गिर गया था, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। एसआईए द्वारा अप्रैल 2016 से अप्रैल 2021 तक नियुक्त किए गए दुरैराज शांतिरन ने आरोप लगाया कि उनके पूर्व नियोक्ता ने कार्यस्थल को असुरक्षित बनाने में लापरवाही बरती थी। पैंतीस वर्षीय शांतिरन सैन फ्रांसिस्को से आ रही एक उड़ान के इकोनॉमी-क्लास गैली में था, जो 6 सितंबर 2019 की शाम को सिंगापुर में उतरने वाला था।

पेंटागन ने कहा-भारत के साथ सैन्य संबंध अच्छे; पाकिस्तान चुनाव पर दी ये प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि भारत-अमेरिका के बीच सैन्य से सैन्य संबंध और अच्छे संचार है। उन्होंने कहा कि भारत में जो भी कुछ हो रहा है अमेरिका इसपर नजर बनाए रखेगा। पाकिस्तान चुनावी नतीजों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी है।

भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर बात करते हुए सबरीना सिंह ने कहा, 'भारत के साथ हमारे सैन्य संबंध और संचार बहुत अच्छे हैं। हम इस बात पर नजर रखना जारी रखेंगे कि क्षेत्र में क्या हो रहा है। लेकिन मेरे पास फिलहाल इसे लेकर ज्यादा अपडेट नहीं है।' भारत के किसी शीर्ष अधिकारी का अमेरिकी दौरे पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मेरे पास फिलहाल भारत सरकार की तरफ से कोई जानकारी नहीं है। मैं इंटरजेंसी के अन्य अधिकारियों के बारे में बात नहीं कर सकती।'

पाकिस्तान चुनाव पर सबरीना सिंह ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान में आठ फरवरी को चुनाव के बाद उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों पर सबरीना ने कहा, 'वहां क्या हो रहा है हम इस पर नजर बनाए हुए हैं।' भारत और पाकिस्तान के साथ सैन्य संबंधों पर सबरीना का बयान तब आया जब भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे अमेरिका में चार दिन की आधिकारिक दौरे पर पहुंचे।' उनके दौरे पर विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि जनरल मनोज पांडे अपनी यात्रा के दौरान, सीओएएस जनरल रैंडी जॉर्ज, यूनाइटेड स्टेट्स चीफ ऑफ स्टाफ ऑफ आर्मी (सीएसए) और अन्य वरिष्ठ सैन्य नेताओं के साथ उच्च स्तरीय चर्चा और बातचीत में शामिल होंगे। भारतीय सेना में परिवर्तन, वैश्विक खतरे की धारणा, सेना में परिवर्तन-2030/2040, मानव संसाधन चुनौतियां, भविष्य की सेना का विकास और आधुनिकीकरण, और सह-उत्पादन और सह-विकास पहल जैसे मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है।

शाहबाज शरीफ प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे

नवाज ने नॉमिनेट किया, बिलावल शरीफ की पार्टी को समर्थन देंगे

इस्लामाबाद, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चुनाव के बाद प्रधानमंत्री चेहरे की तलाश शुरू हो गई है। इस बीच नवाज शरीफ ने भाई शाहबाज को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार चुना है। नवाज की पार्टी पीएमएल-एन की स्पोक्स पर्सन मरियम औरंगजेब ने कहा- नवाज शरीफ ने अपने छोटे भाई शाहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए और बेटी मरियम नवाज को पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार बनाया है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हट गए।

'पाकिस्तान में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी' : चुनावी नतीजे पर अमेरिका की प्रतिक्रिया

कराची, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने पाकिस्तान में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का आह्वान किया हैष उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी लोगों की इच्छा का सम्मान किए जाने की आवश्यकता है।

पाकिस्तान चुनाव पर अमेरिकी ने दी प्रतिक्रिया

'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने मंगलवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन पाकिस्तान में चुनाव संबंधी घटनाक्रम से अवगत हैं। उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति को इसकी जानकारी है। पिछले सप्ताह लाखों पाकिस्तानियों ने मतदान किया जिनमें रिकॉर्ड संख्या में महिलाएं, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समूहों के सदस्य और युवा मतदाता थे।' पियरे ने आगे कहा, 'हमेंसमान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के साथ खड़े होने पर गर्व है। हम पाकिस्तानी सरकार और पाकिस्तानी राजनीतिक हस्तियों से सार्वजनिक और निजी तौर पर स्पष्ट रूप से लगातार कहते रहे हैं कि पाकिस्तानी लोगों की इच्छा का सम्मान करना और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना जरूरी है।' अमेरिकी सांसद क्रिस मर्फी ने बताया कि पकिस्तान की जनता ने पिछले हफ्ते ही अपनी इच्छा बता दी है। उन्होंने कहा, 'मैं स्वतंत्र प्रेस पर हमले और इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध समेत अनियमितताओं और कथित हस्तक्षेप की खबरों से चिंतित हूं और मैं इन आरोपों की गहन जांच करने के बाइडन प्रशासन के आह्वान का समर्थन करता हूं।' अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय पाकिस्तान की स्थिति पर नजर रखे हुए है।

चुनाव आयोग ने की अंतिम परिणाम की घोषणा

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने रविवार को अंतिम परिणाम की घोषणा की। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेतृत्व वाली निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर संसद में तकनीकी रूप से सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) 75 सीट जीतकर संसद में तकनीकी रूप से सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उनके अलावा मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) को 17 सीट मिली हैं। सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान से निर्वाचित 133 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी।

सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल किया, राहुल-प्रियंका भी रहे मौजूद

जयपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्थान पर अब कांग्रेस सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा सांसद बनेंगी। उन्होंने विधानसभा पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

सोनिया गांधी ने नामांकन दाखिल कर दिया है। उन्होंने विधानसभा के सचिव नामांकन भरा। उनके नामांकन के लिए 40 प्रस्तावक बनाए गए थे। नामांकन दाखिल करने के बाद सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा विधानसभा से सीधे एयरपोर्ट जाएंगी और दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

विधानसभा पहुंची सोनिया गांधी

राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने सोनिया गांधी विधानसभा पहुंच गई हैं। उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बाड्रा भी मौजूद हैं। विधानसभा पहुंचने पर सोनिया गांधी का कांग्रेस नेताओं ने स्वागत किया। वे यहां पार्टी के विधायकों से मुलाकात करेंगी और फिर अपना नामांकन दाखिल करेंगी।

सिंघवी हिमाचल भेजे गए

कांग्रेस ने आधिकारिक रूप से सोनिया गांधी को राजस्थान से राज्यसभा का प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इसके लिए एक प्रेस रिलीज जारी किया है। अब तक राजस्थान से अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल भेज दिया गया है।

किसान आंदोलन पर अब सामने आया सचिन पायलट का बड़ा बयान

जयपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्र सरकार पर किसानों के साथ वादा खिलाफी करने का आरोप लगाते हुए उसे अड़ियल रवैया छोड़कर आंदोलित किसानों के साथ बातचीत कर उनकी समस्या सुननी एवं मांगे माननी चाहिए। पायलट ने बुधवार को यहां कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के राज्यसभा के लिए नामांकन भरने के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

भाजपा सरकार पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन कर रहे हैं, यह सरकार की जिद है एवं सरकार का अड़ियल रवैया के कारण समाधान नहीं हो रहा। कांग्रेस पार्टी ने कल यह घोषणा की कि छत्तीसगढ़ के अंदर की हमारी सरकार बनी तो तो

हम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को एक कानूनी प्रावधान बनाएंगे। किसानों को लागत के हिसाब से अपना पैसा नहीं मिल रहा है। हमने वायदा किया है कि एमएसपी को लागू कर देंगे और यह केन्द्र सरकार है जो किसानों की हितैषी बनती है, लगातार किसान आंदोलन कर रहें है किसानों के हितों को ताक पर रखकर तीन काले कानून बनाए।

वादे पर खरा नहीं उतरी केंद्र सरकार

उन्होंने कहा कि इससे पहले डेढ़ साल किसानों ने आंदोलन किया और सैकड़ों लोगों मौत हो गईं और केन्द्र सरकार ने यह वायदा किया था की हम एमएसपी पर कानून बनाएंगे, अब सरकार का कार्यकाल खत्म हो रहा है सरकार को अपने वायदे पर खरा उतरना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों पर दबाव बनाने के बजाय बेहतर होगा कि वह उनसे बातचीत कर उनकी समस्या का समाधान निकाले।

पायलट ने कहा कि सोनिया गांधी ने आज हम सब के आग्रह पर राजस्थान से राज्यसभा के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन भरा है जो राजस्थान के लिए बड़ी खुशी की बात है और कांग्रेसजनों के लिए एक खुशी का मौका है क्योंकि उन्होंने राजसथान को चुना है सांसद बनने के लिए, इससे कार्यकर्ताओ में ऊर्जा का संचार होगा। इससे लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के लिए एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

गहलोत के बयान पर सीपी जोशी का पलटवार

बोले- इन्हें गांधी परिवार के अलावा कोई नजर नहीं आता

जयपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकार द्वारा दिए गए भारत रत्न पुरस्कार के बारे में कहा था कि सरकार ने भारत रत्न का चुनावीकरण कर इसकी गरिमा को कम किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को गांधी परिवार के अलावा कोई नजर नहीं आता।

उन्होंने कहा कि क्या कर्पूरीचंद जी को भारत रत्न देना गलत है या फिर पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न देना गलत है। जिन लोगों ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा में निकाल दिया उन्हें भारत रत्न देना गलत है ऐसा क्यों? इन्हें किस बात की तकलीफ है?

उन्होंने कहा कि नेहरूजी के समय से ही ये लोगों को नकारते आए हैं। इन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को नकारा, बाबा साहेब आम्बेडकर को नकारा और अब जब देश का मान बढ़ाने वाले लोगों को सरकार सम्मान दे रही है तो इन्हें तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कि इनकी यह तकलीफ बनी रहेगी क्योंकि ये गांधी परिवार के अलावा देश में किसी और को नहीं मानते।

अशोक गहलोत के करीबी कारोबारी के ठिकानों पर ईडी की रेड

संकट में दिया था पूर्व सीएम का साथ

जयपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कुछ जगहों पर ईडी की टीमों ने बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के यहां दस्तक दी है. सिंह राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी बताए जाते हैं. 2020 में गहलोत सरकार पर जब संकट आया था तब कांग्रेस के विधायकों को इन्हीं के होटल में ठहराया गया था. अशोक गहलोत के करीबी कारोबारी के ठिकानों पर ईडी की रेड, संकट में दिया था पूर्व सीएम का साथ

अब राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सबसे करीबी के घर पर ईडी की कार्रवाई की बात सामने आई है. जानकारी के मुताबिक खान कारोबारी मेघराज सिंह के ठिकानों पर कार्रवाई हुई है. मेघराज सिंह गहलोत के करीबी माने जाते हैं. ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की टीम जयपुर, उदयपुर समेत सिंह से जुड़े और दूसरे ठिकानों पर पहुंची है. 2020 में जब गहलोत सरकार पर सियासी संकट मंडराया था तब इसी कारोबारी के होटल में हुई विधायकों की बाड़ेबंदी हुई थी. जैसलमेर के इसी कारोबारी के सूर्यगढ़ फोर्ट होटल में विधायकों ठहरे थे जिस पर खूब हो-हल्ला मचा था. कहा जा रहा है कि मेघराज सिंह बजरी खनन घोटालों को लेकर ईडी के रडार पर थे और मुमकिन है उसी सिलसिले में ईडी ने आज मेघराज सिंह के ठिकानों पर दबिश दी है.

सूर्य नमस्कार पर अविनाश गहलोत बोले-

हमारी सरकार राष्ट्रवाद के विचारों पर चलने वाली, कानून सबके लिए समान

दौसा, 14 फरवरी (एजेंसियां)। समुदाय विशेष के बच्चों को सूर्य नमस्कार नहीं करने का फतवा जारी के मामले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की सरकार राष्ट्रवाद के विचारों पर चलने वाली है। देश एक विधान के कानून पर चलता है जो सब के लिए समान है।

राजस्थान सरकार में सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत दौसा के मेहंदीपुर बालाजी धाम पहुंचे। उन्होंने बालाजी महाराज के दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस

दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- बालाजी महाराज की मेरे उपर विशेष कृपा है। आज मंदिर ट्रस्ट के महंत नरेशपुरी महाराज से पहली बार मिलना हुआ, उनसे मिलकर अच्छा लगा। गहलोत ने कहा- हमारा देश ऋषि मुनियों का देश है। संतों के आशीर्वाद से ही यहां सब कुछ होता है। सनातनी लोगों का 500 वर्षों का इंतजार अब खत्म हुआ है। जो संत महात्मा है, वो हजारों वर्षों से भगवान राम की सेवा करने में जुटे हुए हैं।

समुदाय विशेष के बच्चों को सूर्य नमस्कार नहीं करने का फतवा जारी करने पर मंत्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान सरकार राष्ट्रवाद के विचारों पर चलती है। देश एक विधान के कानून पर चलता है जो सब के लिए समान है। सूर्य नमस्कार किसी पार्टी, दल या सरकार का नहीं है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है। जिस सूर्य भगवान की रोशनी में हम अपनी दैनिक दिनचर्या की पालना करते है। उससे क्या तकलीफ है।

सांसद राजेंद्र गहलोत ने राहुल गांधी पर कसा तंज

कहा- वो क्या कर रहे हैं, उन्हें खुद नहीं पता

दौसा, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने दौसा लोकसभा क्षेत्र में व्यवस्थाएं देखने के लिए लोकसभा क्लस्टर के रूप में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत को दौसा भेजा है। दौसा में प्रमुख पदाधिकारी के साथ आज आगामी लोकसभा चुनाव के रणनीति पर बात हुई, जहां गहलोत ने कहा कि राजस्थान में लोगों का भारतीय जनता पार्टी के प्रति रुझान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी, इसलिए 13 जिलों को पानी के लिए ईआरसीपी लागू की गई।

हमारी सरकार आते ही हमने इन 13 जिलों के लिए मध्य प्रदेश के साथ समझौता करके डीपीआर तैयार किया है, जिसे शीघ्र प्रारंभ कर दिया जाएगा।

किसानों को रु6000 मिल रहा

गहलोत ने आगे कहा कि जो भारतीय जनता पार्टी कहती है उस पर लोगों को विश्वास है।

मोदी के कार्यकाल में हर काम होगा, हर खेत में पानी होगा और किसान को अपने फसल का दाम मिलेगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि सम्मान राशि के तौर पर किसानों को रु6000 मिल रहा है, साथ ही राजस्थान सरकार ने भी किसानों के लिए सम्मान राशि में रु2000 बढ़ाए हैं।

इस बार 25 की 25 सीटें जीतेंगे

राहुल गांधी के प्रधानमंत्री के ओबीसी नहीं होने वाले सवाल पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी खुद क्या है, उन्हें खुद नहीं पता। वह क्या करेंगे और क्या करने जा रहे हैं, इसलिए राहुल गांधी पर ज्यादा कुछ सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान के अंदर 25 की 25 सीटें जीतेंगे। इस बार राजस्थान में इतिहास रचा जाएगा।

वैलेंटाइन डे पर मानवेन्द्र सिंह का ये सोशल मीडिया पोस्ट हर किसी को कर रहा भावुक

जयपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। मानवेन्द्र सिंह की कार का हाल ही में भीषण सड़क हादसा हुआ था, जिसमें उनकी पत्नी चित्रा सिंह की मौत हो गई थी।

पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह ने आज वैलेंटाइन डे पर एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी दिवंगत पत्नी चित्र सिंह के साथ पुरानी तस्वीर शेयर की। साथ ही पोस्ट कैप्शन में लिखा, 'माई स्वीट वैलेंटाइन'।

गौरतलब है कि मानवेन्द्र सिंह की कार का हाल ही में भीषण सड़क हादसा हुआ था, जिसमें उनकी पत्नी चित्रा सिंह की मौत हो गई थी। वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जानकारी के अनुसार मानवेन्द्र के स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

वे अब कुछ दिन नई दिल्ली स्थित आवास पर स्वास्थ्य लाभ लेंगे, उसके बाद जोधपुर स्थित आवास जाएंगे।

ब्यूटी पार्लर में चोरी के बाद लिपस्टिक से लिखा

कितना भी कर लो, चोरी नहीं पकड़ी जाएगी!

डूंगरपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। चौंकाने वाली बात है कि गांव के एक ब्यूटी पार्लर में सोमवार रात को चोरों ने चोरी कर फिल्मी अंदाज में पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दर्पण पर लिपस्टिक से लिखा है कि कितना भी कर लो चोरी नहीं पकड़ी जाएगी।

ओबरी (डूंगरपुर)। ओबरी थाना क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में वर्ष 2023-24 में 11 जगह चोरों ने चोरी कर गांव में चोरी का आंतक मचा दिया हैं। इससे अंबाड़ा के ग्रामीण भयभीत हैं। चौंकाने वाली बात है कि गांव के एक ब्यूटी पार्लर में सोमवार रात को चोरों ने चोरी कर फिल्मी अंदाज में पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दर्पण पर लिपस्टिक से लिखा है कि कितना भी कर लो चोरी नहीं पकड़ी जाएगी।

गांव में एक के बाद एक हो रही चोरियों का खुलासा नहीं होने व पुलिस की ओर से सुस्त कार्रवाई व महज खानापूर्ति से आक्रोशित हो कर ग्रामीणों ने गांव के राजेन्द्र यादव, प्रवीण गर्ग, प्रकाश गर्ग, गोवर्द्धनलाल गर्ग, कमलेश परमार, राजेश डामोर, लालशंकर यादव, पूजा गर्ग ने जिला कलक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक के नाम ओबरी तहसील में ज्ञापन देते हुए चोरों को पकडने की मांग की। साथ ही विधायक शंकरलाल डेचा को भी ज्ञापन की प्रतिलिपी देने की बात बताई।

ब्यूटी पार्लर में की चोरी

अंबाड़ा गांव के डेजी ब्यूटी पार्लर में सोमवार रात को रोशनदान तोड़कर चोरों ने दुकान में छलांग लगा कर प्रवेश किया। दुकान मालिक पूजा पत्नी प्रकाशचन्द्र गर्ग ने बताया कि चोरों ने सामान बिखेर कर दुकान से करीब नौ हजार रुपए नगद सहित अन्य सामान चुरा लिया। साथ ही फिल्मी अंदाज में पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दर्पण पर लिपस्टिक से लिखा की कितना भी कर लो चोरी नहीं पकड़ी जाएगी।

दिनदहाड़े फायरिंग करने के आरोप में बदमाश को पुलिस ने दबोचा

कपड़े के शोरूम पर फायरिंग कर मचाई थी दहशत

धौलपुर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। थाना प्रभारी भोजाराम ने बताया 7 फरवरी को शहर के सन्तर रोड स्थित रवि कपड़ा शोरूम में करीब आधा दर्जन बदमाशों ने पुरानी रंजिश को लेकर दिनदहाड़े फायरिंग कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। दो बदमाश को बाजार के दुकानदारों ने घेराबंदी कर हथियार समेत पकड़ लिया था। वारदात में शामिल रहा तीसरा आरोपी 22 वर्षी छोटू उर्फ पुष्पेंद्र गुर्जर पुत्र माता प्रसाद निवासी मानपुर फरार चल रहा था। स्थानीय पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि फायरिंग का आरोपी शहर में घूम रहा है। मुखबिर की निशानदेई पर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। अनुसंधान के बाद कोर्ट पेश किया जाएगा। वारदात में शामिल दो आरोपियों को पुलिस ने पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया है।

जिनके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किये है। थाना प्रभारी भोजाराम ने बताया शेष फरार चल रहे आरोपियों के संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेल चोरी करने के लिए आईओसी की पाइपलाइन के पास खोदी सुरंग, वेंटीलेशन के लिए पंखे भी लगाए

ब्यावर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के ब्यावर जिले के बर में शातिर चारों ने आईओसी की पाइपलाइन से क्रूड ऑयल चोरी करने के लिए सुरंग खोद डाली। जिस जगह सुरंग खोदी गई वहां से पुलिस थाना की दूरी 100 मीटर है। ऐसे में कहा जा रहा है कि थाने के सामने पिछले डेढ़ महीने से खोदी जा रही सुरंग के बारे में पुलिस को भनक क्यों नहीं लगी।

ब्यावर जिले के बर में तेल चोरी को लेकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पाइपलाइन के निकट बड़ी सुरंग मिली है। तेल चोरी करने के लिए यह सुरंग खोदी गई थी, जिसकी मुख्य लाइन से तेल चोरी कर पेट्रोल पंप तक पहुंचाया जा रहा था। चोरों ने सेंधमारी कर 100 फीट लंबी लाइन बिछा दी थी। दरअसल, क्रूड ऑयल की लाइन गुजरात से हरियाणा जा रही है। यहां पिछले लंबे अरसे से एक पेट्रोल पंप बंद पड़ा है। ऐसे में शातिर चोरों ने आईओसी की लाइन में सेंधमारी कर 100 फीट लंबी लाइन बिछा दी। एचपी के पेट्रोल पंप से आईओसी की मुख्य लाइन तक अलग लाइन बिछाई और पेट्रोल पंप परिसर में लाइन लगाकर क्रूड ऑयल चोरी करने लगे। टेक्निकल सर्वे में लाइन में फॉल्ट सामने आने के बाद अधिकारियों ने गड्ढा खुदवाया तो सुरंग का पता चला।

घटना जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-162 बर के पास की है। बताया गया कि पिछले लंबे अरसे से यहां एक पेट्रोल पंप बंद पड़ा है। इस पंप का आंवटन राजेंद्र जैन के नाम से है, आकाश जैन और सोहनलाल बिश्नोई पंप को किराए पर लेकर चला रहे थे। सुरंग का पता चलने के बाद आईओसी की ओर से बर थाने में केस दर्ज कराया गया है। वहीं, कंपनी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अब तक कितना क्रूड ऑयल चोरी हुआ है। ब्यावर एसपी नरेंद्र सिंह ने घटनास्थल का दौरा भी किया था, उन्होंने बताया कि मामले की जांच एटीएस एसओजी को सौंपी जाएगी।

एसपी नरेंद्र सिंह ने बताया कि आईओसी को 10 दिन से ड्रॉप की शिकायत मिल रही थी। उन्होंने जांच शुरू की तो सुरंग की जानकारी मिली। एसपी ने बताया कि इस सुरंग को बनाने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा है। शातिर चोरों ने सुरंग में वेंटिलेशन और ऑक्सीजन के लिए पंखे भी लगाए थे। उन्होंने बताया कि इस पूरी घटना में पेट्रोल पंप के मालिक या यहां काम करने वाले कर्मचारियों का हाथ हो सकता है। घटना के बाद से पेट्रोल पंप के कर्मचारी फरार हैं, जिससे उन पर शक गहरा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दो दिन से वन विभाग की टीम के हाथ नहीं आया लेपर्ड

बकरी का शिकार कर पशुपालक पर कर चुका है हमला

जैसलमेर, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जैसलमेर के नहरी क्षेत्र में वन विभाग की टीम को लेपर्ड नजर तो आया, लेकिन वह भीड़ को देखकर फिर भाग गया। वन विभाग और जोधपुर से लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज करने आई टीम ग्रामीणों के साथ लेपर्ड का लगातार पीछा कर रही है। लेकिन, पिछले 2 दिनों से लेपर्ड हाथ नहीं आ रही है। वन विभाग के डीएफओ पंकज गुप्ता ने बताया कि लेपर्ड झाड़ियों में छिपा नजर भी आया था, लेकिन भीड़ के कारण वह भाग गया।

पंकज गुप्ता ने बताया कि लेपर्ड पहले भारत-पाक बॉर्डर की तरफ भागा था, लेकिन अब वह उसी इलाके की तरफ लौट रहा है, जहां उसने बकरी का शिकार किया था। हमारी टीम उसे ट्रेंकुलाइज करने के लिए पगमार्क के जरिए उसका पीछा कर रही है।

हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द उसे पकड़ लिया जाए। उधर, लेपर्ड के आने से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

रविवार रात को नहरी क्षेत्र के चक 6 डीकेडब्ल्यूएम ढाकलवाला निवासी इस्माइलखां पुत्र गुल मोहम्मद की ढाणी के बाहर बंधी बकरी पर लेपर्ड ने हमला कर दिया था। हमले के बाद वह बकरी को करीब 2 किलोमीटर दूर घसीटकर ले गया और उसे अपना शिकार बनाया। सोमवार सुबह बकरी नहीं मिली तो इस्माइल खां ने पड़ोसियों से पूछताछ की। तलाश करने पर घर से दो किमी दूर बकरी मृत हालत में मिली।

बासर में सरस्वती माता के दर्शन के लिए उमडी भीड

निर्मल/मुधोल, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के बासर गांव में प्रमुख पुण्य क्षेत्र माता सरस्वती जन्मोत्सव पंचमी के अवसर पर दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बसंत पंचमी अवसर पर ब्रह्म मुहर्त में सुबह 4 बजे देवी सरस्वती का अभिषेक किया गया। संयुक्त अदिलाबाद जिला एमपी सोयम बापू राव, मुधोल विधायक पवार रामराव पटेल, पूर्व एमपी भाजपा नेता रमेश राठोड़, एमएलसी दंडे विठ्ठल ने रेशम वस्त्र की भेंट चढाई।

इस बार मंदिर में ऑनलाइन सुविधा का श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया। भक्तों को और सुविधा देने की बात मंदिर ईओ विजय ने कही। बसंत पंचमी पर लाखों की संख्या में भक्तो ने माता के दर्शन किये। भारी भीड़ के मद्दे नजर कतार में खड़े लोगों को दूध, जल, बिस्कुट वितरण किए गए और बाहर श्रद्धालुओं द्वारा अन्नदान किया गया। भारी संख्या में अक्षर अभ्यास किये गए। पुलिस द्वारा भक्तों को किसी वजह की परेशानी न हो इस लिए रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, सड़क मार्ग और मंदिर परिसर में कड़ा बंदोबस्त किया गया। मंदिर कमिटी सदस्य और मंडल के सरपंच, एमपीटीसी सहित नायक उपस्थित थे।

'पीएम मोदी की अगुवाई में भारत और यूएई के बीच हुए 10 समझौते'

विदेश सचिव क्वात्रा ने दिया ब्योरा

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर गए हुए हैं। आज वह अबूधाबी के पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे। उनकी यात्रा को लेकर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने बताया की पीएम मंगलवार दोपहर अबूधाबी पहुंच चुके हैं। विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, 'प्रधानमंत्री इस देश की अपनी सातवीं यात्रा पर कल दोपहर अबू धाबी पहुंचे।

संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उनकी अगवानी की और हवाई अड्डे पर उनका औपचारिक स्वागत भी किया। इसके बाद नेताओं ने विस्तृत प्रतिनिधिमंडल स्तर और वन-टू-वन वार्ता की, जिसमें भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय जुड़ाव के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण विकास के सभी पहलुओं को कवर किया गया।' विदेश सचिव ने आगे बताया, 'इस दौरान जीवन कार्ड का उपयोग करके किए गए लेन-देन को भी पीएम मोदी ने देखा। प्रधानमंत्री ने घरेलू जीवन कार्ड के शुरू करने को लेकर राष्ट्रपति को बधाई दी।

शंकर गुरूकुल को एसबीआई ने दी 18 लाख की सहायता

हैदराबाद, 14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई ने सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत श्री शंकर गुरुकुल वेद पाठशाला को 41 किलोवॉट सोलार रुफटॉप फोटोवोल्टिक पावर ग्रीड प्रणाली के लिए 18 लाख धनराशि चेक प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी के हाथों पाठशाला के ट्रस्टी को सौंपा गया।

हैदराबाद दौरे पर आये अश्विनी कुमार तिवारी ने कॉर्पोरेट ग्राहकों के साथ बैठक की, साथ ही बैंक के एसएसआर गतिविधि कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कोटि स्थित प्रधान कार्यालय में हुए इस कार्यक्रम में तिवारी ने कहा कि हमारी सफलता उस समाज की समृद्धि के साथ जुड़ी हुई है जिसकी हम सेवा करते हैं। इसलिए हम शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक विकास पर केंद्रित पहलों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। पर्यावरणीय स्थिरता, नवीकरणीय और हरित ऊर्जा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए, आज हमने श्री शंकर गुरुकुल वेद पाठशाला को सौर ऊर्जा प्रणाली के लिए 18.00 लाख का दान दिया है।

इस अवसर पर राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई ने कहा कि सौर ऊर्जा प्रणाली के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता के लिए आज की गतिविधि शुरू की है जो न केवल निर्बाध बिजली आपूर्ति सक्षम करेगी बल्कि बिजली बिल बचाने में भी मदद करेगी। यह बचत उन्हें अधिक छात्रों की सहायता के लिए धन का उपयोग करने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

इस कार्यक्रम में पाठशाला के प्रबंध ट्रस्टी वी श्रीराम, सीजीएम रमेश राव, महाप्रबंधक एन डब्ल्यू देबाशीष मित्रा, महाप्रबंधक सीसीजीआरओ विद्या राजा, उप महाप्रबंधक और सर्कल के अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों ने भाग लिया।

सडक दुर्घटना में सीआई की मौत; एसआई घायल

हैदराबाद, 14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में मंगलावार आधी रात को हुई एक सडक दुर्घटना में एक्साइज सीआई की मौत हो गई साथ ही एक एसआई घायल हुआ है।

रंगारेड्डी जिला न्यायालय के पास यूटर्न लेते समय गलत रास्ते से आ रही एक कार सीआई की बाइक से टकरा गई। जिसमें चार मीनार एक्साइज सीआई सादिक अली की मौके परही मौत हो गई और इसी थाने के एसआई खाजा वली मोइयोनुद्दीन घायल हो गये। ये दोनों मलकपेट में सरकारी क्वार्टर में रह रहे हैं।

एलबी नगर में एक समारोह में भाग लेने के बाद घर लौटते समय यह हादसा हुआ। हादसे के तुरंत बाद कार चला रहा शख्स भाग गया। बताया जा रहा है की सीआई सादिक अली का दो दिन पहले तबादला मेडक में हो गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

बजरंग सेना की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद, 14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना तेलंगाना की ओर से पुलवामा हमले के शहिदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वीर सावरकर प्रतिमा पर आयोजित इस कार्यक्रम में बजरंग सेना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, गोविंद राठी, श्रीनिवास गुप्ता, रजनी श्रीरामोजू, सुनील अग्रवाल, मनोज मोगलगिड्डी, तरनजीत सिंह, प्राची जैन, अभिनय तिवारी, नवनीत, राजाराम, नरेश और अन्य उपस्थित थे।

एनएमडीसी ने किया मजबूत प्रदर्शन

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में मजबूत वित्तीय और भौतिक प्रदर्शन किया। अपने पिछले रिकार्ड को पार करते हुए खनन प्रमुख ने तीसरी तिमाही में विगत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में टर्न ओवर और कर पूर्व लाभ में (असाधारण व्यय के पश्चात) क्रमशः 45 % एवं 64 % की वृद्धि दर्ज की।

अपने असाधारण प्रदर्शन से नए मानदंड स्थापित करते हुए एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में उच्चतम उत्पादन और बिक्री क्रमशः 12.22 एमटी और 11.39 एमटी दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन एवं बिक्री में क्रमशः 15 % एवं 19 % की वृद्धि है ।

अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) ने प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि, भारत में इस्पात की मांग तेजी से बढ़ रही है और इसमें समग्र जीडीपी में प्रगति के अनुरूप उच्च गति बने रहने की आशा है।

एनएमडीसी का टर्न ओवर तथा कर पूर्व लाभ (असाधारण व्यय को छोड़कर) वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में क्रमशः रूपए 5410 करोड़ तथा रूपए 2000 करोड़ रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में टर्न ओवर में 45 % तथा कर पूर्व लाभ में 64 % की वृद्धि दर्शाता है, जबकि वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में कर पश्चात लाभ 68 % बढ़कर रूपए 1492 करोड़ हो गया है ।

एसएसके समाज द्वारा सरस्वती मूर्ति स्थापना

हैदराबाद,14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एसएसके समाज हैदराबाद की ओर से मार्बल सरस्वती माता मूर्ति स्थापना की गई। इस अवसर पर एसएसके समाज अध्यक्ष नगरी लक्ष्मी नारायण, कल्पना एसएसके समाज के महासचिव कटिघर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता एच. कुमार, प्रिंसिपल दगुडु बबीता, महिला मंडल अध्यक्ष राजकुमारी चव्हाण, एस रानी उपस्थित थे।

20 मार्च को श्री श्याम निशान यात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। 20 मार्च को श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर के तत्वाधान में आयोजित कि जाने वाली (द्वादश) श्री श्याम निशान यात्रा के सम्बन्ध में आज श्री राम मंदिर, राम बाग, में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री श्याम निशान यात्रा के प्रचार प्रसार कि सामग्री एवं बैनर का आज संस्था के अध्यक्ष द्वारा लोकार्पण किया गया । आज कि बैठक एवं लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, पवन नालपुरिया, अभिषेक अग्रवाल, सुनील भूत, अशोक शर्मा, राजेश शर्मा, प्रकाश भाटी, राजेश स्वामी, सोहनलाल नेहरा, अशोक शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्नेह सुगंध महिला क्लब ने वेलेन्टाइन डे मनाया। कार्यक्रम में प्रभा दूगड़, अनीता अग्रवाल, सतवंती सरायवाला, इंदु गिडिया, स्मिता दूगड़, पुष्पा टिबरेवाल एवं संगीता सिंघवी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन तथा घुमंतु सेवा समिति के तत्वाधान में पारदी बस्ती तथा महेश्वरम में घुमंतू बस्ती में बसंत पंचमी के अवसर पर 5 वर्ष की आयु तक के बालक बालिकाओं का अक्षर अभ्यास मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया।

रामंतापुर में वसंतोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में रामंतापुर स्थित गंगा भवानी मंदिर के प्रांगण में वसंतोत्सव संपन्न हुआ।

पूजा-पाठ के बाद बच्चों को अक्षराभ्यास कराया गया। तत्पश्चात सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती मनाई गई।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रामंतापुर कारपोरेट श्रीवानी वेंकट राव, मुरलीधर राव, शिल्पा रेड्डी, अशोक सिंह, बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह, जनसेवा संघ के एसपी सिंह, प्रभाकर राव, धर्मेन्द्र सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, परमानंद शर्मा, अशुतोष त्रिपाठी, प्रभास कुमार, रंजन झा, राम विनोद झा, उप्पल श्रीनिवास गुप्ता, सुरेश सिंह, राम प्रकाश गुप्ता,भगवान सिंह, पंकज झा, कमलेश पांडेय, अजय शर्मा, सुनील सिंह, मंजूनाथ गुप्ता, राजेश शर्मा, राजीव कुमार, सुरेश पासवान, संतोष गुप्ता, राजू राय, शिव कुमार, धर्मेन्द्र कुमार एवं अन्य पदाधिकारी, सदस्य शामिल हुए।

मेहनत से ही लक्ष्य प्राप्ती होगी : सौरभ कुमार

वारंगल, 14 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बाल संरक्षण अधिकारी सौरभ प्रवीण कुमार ने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य प्राप्ति के लिए मेहनत करें तो सफलता ही सफलता है। बुधवार को राजकीय आदिवासी बालिका आश्रम उच्च जुलाइवाड़ा में विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जिला बाल संरक्षण विभाग के तत्वावधान में विद्यालय की प्राचार्या एल रमा देवी की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर प्रवीण कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में आश्रम स्कूल की प्रिंसिपल एल रमादेवी, सखी वन स्टॉप सेंटर की कानूनी सलाहकार श्रीदेवी, चाइल्ड हेल्प लाइन सुपरवाइजर राज्यलक्ष्मी, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र की लिंग विशेषज्ञ स्वर्णलता, केस वर्कर विनिला, वार्डन ज्योति और अन्य ने भाग लिया।

बासर में आवारा कुत्तों के हमले में 15 घायल

निर्मल, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बासर में मंगलवार देर रात पागल कुत्तों ने जमकर उत्पात मचाया। कुत्तों के काटने के कारण एक साथ 15 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुत्तों ने सबसे पहले एक स्थानीय लॉज में चार लोगों को काटा।

फिर 11 और लोगों को काटा। उन्हें तुरंत ऑटो से अस्पताल ले जाया गया और इलाज करवाया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर बासर में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है, ऐसे समय में इस घटना से श्रद्धालु में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग और श्रद्धालु चाहते हैं कि अधिकारी कुत्तों के खतरे को ख़त्म करें।

बिहार महिला ऐसोसिएशन द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन दुर्गा माता मंदिर मल्काजगिरी में संपन्न हुई। अध्यक्ष माधवी यादव, उपाध्यक्ष निशा यादव, सचिव अनीता भगत, कोषाध्यक्ष संगीता ठाकुर, समिति वरिष्ठ अधिकारी इंदू देवी, ललिता देवी, कृष्णा देवी, अनीता देवी, संगीता देवी, कविता देवी एवं भारी मात्रा में महिलाओं ने पूजा में भाग लिया।

बसंत पंचमी के अवसर पर राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग ने केडिया कॉलेज चदरघाट में सरस्वती प्रतिमा पर पूजा की, कार्यक्रम में राजू यादव, रामकृष्ण, नरसिंह शामिल हुए।

गच्ची बावली में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें गीता अग्रवाल, राज माथुर, आशा अग्रवाल, उर्मिला गुप्ता, सरस्वती केवी, वेदा, प्रभा मेहता, हरिणी रेला मुनि, ज्योति सक्सेना, ज्योत्स्ना, सुधा, सविता, कृष्ण प्रकाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

चुनाव ड्यूटी में आने वाले कार्मिकों का पूरा विवरण दर्ज किया जाए : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेवराव ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी उनका विवरण दर्ज किया जाए। बुधवार को उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय भवन परिसर स्थित एनआइसी कार्यालय का दौरा किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव के लिए आवश्यक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विवरण संबंधित विभागों से एकत्र किया जाएगा तथा जो पात्र होंगे उनका विवरण एनआईसी को प्रस्तुत किया जाएगा। साफ्टवेयर के माध्यम से पोर्टल पर बिना किसी त्रुटि के पंजीयन करने हेतु ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गौतम, एन.आई.सी प्रभारी श्रीकान्त को आदेश दिया गया। इस कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

कौशल्या सामायिक जोन में हुई तत्वबोध कार्यशाला

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में सभी सामायिक जोन में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। सामायिक जोन संयोजिका प्रभा दूगड़ ने बताया कि मारडपल्ली क्षेत्र की कौशल्या जोन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुष्पा बरडिया, उपासिका सुमन सेठिया ने अपने विचार रखे।

अग्रणी महिला मंच ने बरकतपुरा स्थित सहिता सरस्वती मंदिर में पूजा कर बसंत पंचमी मनाई। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल , श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया , रितु गोयल श्रद्धा सुखिया , संगीता जाजोदिया एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार, पेश करेगा दावेदारी'

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर का बयान

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत पूरी ताकत के साथ ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश करेगा। उन्होंने कहा कि भारत खेलों को देश में लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खेल मंत्री की टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने के सरकार के इरादों के संकेत के बाद आई है। पीएम मोदी ने पिछले साल मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के दौरान अपनी राय रखी थी।

भारत ने पहले कभी भी ओलंपिक खेलों की मेजबानी नहीं की है। गुजरात में चार संभावित स्थलों की पहचान की गई है। हालांकि, पीएम मोदी ने पिछले अक्टूबर में आईओसी सत्र में अपने संबोधन के दौरान किसी उम्मीदवार शहर का उल्लेख नहीं किया था। भारत ने पिछली बार 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। भारत ने 2017 में अंडर-17 फीफा विश्व कप की भी मेजबानी की, लेकिन ओलंपिक खेलों जैसे आयोजन की मेजबानी के लिए कई हितधारकों के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता होगी।

अनुराग ठाकुर ने क्या कहा?

अनुराग ठाकुर ने कहा, ₹2036 ओलंपिक के लिए भारत को तैयार रहने की जरूरत है। ओलंपिक का आयोजन करना बहुत बड़ी बात होगी और भारत इसके लिए तैयार है। जब भी बोली प्रक्रिया शुरू होगी, भारत निश्चित रूप से पूरी ताकत के साथ बोली लगाएगा और भारत में ओलंपिक का आयोजन करेगा।₹

अभी हमें काफी आगे जाना है: खेल मंत्री

खेल मंत्री ने यह भी कहा, "प्रयास हमें करना चाहिए बेहतर सुविधाएं और संसाधन देने का और खिलाड़ियों को खेलने पर पूरी ताकत लगानी चाहिए। टॉप्स योजना से खिलाड़ियों को बोर्डिंग, लॉजिंग, ट्रेनिंग और साथ में जेब खर्च के लिए छह लाख रुपये अलग से मिलता है। जो खेलो इंडिया एथलीट हैं उनको भी छह लाख 20 हजार रुपये अलग से मिलता है। इससे उनके परिवार को कोई खर्चा नहीं उठाना पड़े और खिलाड़ी आगे बढ़ें। इससे भारत के खिलाड़ियों ने देश और विदेशों में जाकर ट्रेनिंग ली। इसी से तो एशियन और पैरा एशियन गेम्स में भारत ने कुल मिलाकर 218 पदक जीते थे। मैं तो यही कहूंगा कि यह सिर्फ शुरुआत है। अभी हमें काफी आगे जाना है।"

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, "2036 ओलंपिक के आयोजन के लिए भी भारत को कमर कसनी है। हमने 44वें फिडे शतरंज ओलंपियाड तो करवाया था लेकिन ओलंपिक का आयोजन करना अपने आम में भव्य होगा। भारत इसके लिए तैयार है। जब भी बोली लगाई जाएगी भारत पूरी ताकत से बोली लगाएगा और ओलंपिक का आयोजन भारत में करेगा।₹

2029 में युवा ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा भारत

आईओसी सत्र में अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत 2029 में युवा ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा। यह ओलंपिक के लिए ड्रेस रिहर्सल का काम करेगा। पेरिस अगस्त में 2024 ओलंपिक की मेजबानी करेगा। वहीं, लॉस एंजिल्स 2028 खेलों के लिए मेजबान शहर की बोली की दौड़ में आगे निकल गया। ब्रिसबेन को बिना किसी प्रतिद्वंद्वी बोली के 2032 में ओलंपिक मेजबान के रूप में घोषित किया गया था। लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन दोनों को खेलों की तैयारी के लिए 11 साल का समय मिला है क्योंकि उनकी बोलियां क्रमशः 2017 और 2021 में पुष्टि की गई थीं।

कब होता है मेजबान का चयन?

ओलंपिक बोली चुनने के लिए कोई निश्चित चुनाव चक्र नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को प्रत्येक संभावित मेजबान की प्राकृतिक गति के अनुकूल होने, ओलंपिक खेलों के लिए सही समय पर सही परियोजना और भागीदार लाने और ओलंपिक आंदोलन के लिए रणनीतिक लाभ सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। समय वैश्विक घटनाओं सहित कई कारकों पर निर्भर करता है।

हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाने पर दिग्गज ने किया सपोर्ट

फैंस बोले- ऐसे तो बुमराह को एमआई की कैप्टेंसी मिलनी चाहिए

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। हार्दिक पांड्या को जब से मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया है और रोहित शर्मा से कप्तानी छिनी है, उसके बाद से ही बवाल मचा हुआ है। फैंस ने तो इस कदर गुस्सा निकाला था कि 24 घंटे के अंदर फ्रेंचाइजी के लाखों फॉलोअर्स घट गए थे, इसके अलावा कईयों ने टीम की जर्सी तक जला दी थी। कई साथी खिलाड़ियों ने भी सोशल मीडिया पर इसका विरोध किया था। अब इस मामले पर भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े दिग्गज में से एक सुनील गावस्कर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गावस्कर ने हार्दिक को कप्तान बनाने का समर्थन किया है। वहीं फैंस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा जवाब दे दिया है।

क्या बोले सुनील गावस्कर?

पहले आपको गावस्कर का बयान बताते हैं कि उन्होंने क्या कहा जिससे फैंस भड़क गए। सुनील गावस्कर ने कहा,'मुंबई इंडियंस ने हमेशा फ्रेंचाइजी के भविष्य के बारे में सोचा है। रोहित शर्मा 36 साल के हो गए हैं और उनके ऊपर तीनों फॉर्मेट में कैप्टेंसी का लोड व प्रेशर है। इस कारण मुंबई इंडियंस ने उनका बर्डन कम किया और वो जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या को दी

जिन्होंने टीम को लगातार दो बार फाइनल में पहुंचाया। इससे रोहित बतौर बल्लेबाज फ्री होकर खेल सकते हैं।'

गावस्कर के बयान से भड़के फैंस

सुनील गावस्कर का यह बयान शायद मुंबई इंडियंस और रोहित शर्मा के फैंस को पसंद नहीं आया है। एक फैन ने तो यह तक लिखा कि, अगर सुनील गावस्कर का यह लॉजिक है और वह फ्रेंचाइजी का भविष्य देख रहे हैं तो जसप्रीत बुमराह बनेंगे मुंबई इंडियंस के कप्तान और उनको टीम की कप्तानी देनी चाहिए थी। एक फैन ने लिखा किसे और अच्छे ढंग से किया जा सकता था। इस साल हार्दिक को रोहित की कप्तानी में खेलने देते और अगले साल उन्हें कप्तान बना देते। काफी फैंस ने मुंबई इंडियंस के इस फैसले को बेहद गलत बताया और याद दिलाया कि रोहित ने फ्रेंचाइजी को अपनी कप्तानी और अपने खेल से 5 खिताब जिताए हैं।

आईपीएल के पिछले 2 सीजन में कैसा रहा दोनों का प्रदर्शन?

अगर पिछले दो साल यानी आईपीएल 2022 और 2023 में रोहित शर्मा व हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की तुलना करें तो इस लिहाज से हार्दिक का पलड़ा भारी है। हार्दिक की कप्तानी में गुजरात ने आईपीएल 2022 का खिताब जीता और आईपीएल 2023 में टीम रनर अप रही। इसके अलावा बतौर बल्लेबाज हार्दिक पांड्या ने 2022 में 487 रन और 2023 में 346 रन बनाए। इसके अलावा रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस 2022 में पॉइंट्स टेबल में आखिरी स्थान पर रही और 2023 में प्लेऑफ से बाहर हो गई। बतौर बल्लेबाज भी रोहित का ग्राफ गिरा और 2022 में उन्होंने 268 और 2023 में 332 रन बनाए।

रचना कुमारी पर लगा 12 साल का प्रतिबंध

हांगझोऊ एशियाई खेलों में लिया था भाग

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ की एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारत की तार गोला फेंक एथलीट रचना कुमारी पर कई बार डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहने के कारण 12 साल का प्रतिबंध लगा दिया। तीस वर्षीय रचना के प्रतियोगिता से इतर लिए गए डोप नमूने में स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल, मेटांडिएनोन, डी हा इ ड्रो क्लो रो मि था इ ल टेस्टोस्टेरोन (डीएचसीएमटी) और क्लेनब्यूटेरोल पाया गया।

एआईयू ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा कि रचना कुमारी पर 24 नवंबर 2023 से 12 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इस खिलाड़ी के 24 सितंबर 2023 के बाद के सभी परिणाम को अमान्य माना जाएगा। इस कारण वह अपने खिताब, पुरस्कार, पदक, अंक आदि गंवा देगी।

रचना का डोपिंग रोधी नियमों का दूसरा उल्लंघन है। रचना हांगझोऊ एशियाई खेलों में भाग लेने वाली 68 सदस्यीय भारतीय टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने जून में भुवनेश्वर में अंतर राज्य चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता था। गोवा राष्ट्रीय खेलों में उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया था।

मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी में 3 नए खिलाड़ियों की एंट्री

मुंबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस की पैरेंट फ्रेंचाइजी जो इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में खेलती है उसकी कप्तानी पर लंबे समय से विवाद जारी है। रोहित शर्मा से कप्तानी छिनने और हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाने पर बवाल हो रहा है। खबरें ऐसी भी हैं कि टीम के अंदर दो गुट बंट गए हैं। पर इन सभी बातों को अगर भूल जाएं तो मुंबई इंडियंस की कुछ सब फ्रेंचाइजी भी दुनियाभर की अन्य लीग में खेलती हैं। आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स भी मुंबई इंडियंस की एक सब फ्रेंचाइजी है। इस टीम में एक बड़ा बदलाव हुआ है और तीन नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री हुई है।

तीन नए खिलाड़ी जुड़े टीम के साथ

एमआई एमिरेट्स की टीम ने मौजूदा आईएलटी20 के क्वालीफायर 1 मैचे से पहले बड़ा ऐलान किया है। फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में तीन नए खिलाड़ियों को शामिल किया। इसकी जानकारी एक्स पर पोस्ट करते हुए दी गई। एमआई एमिरेट्स को क्वालीफायर 1 में 14 फरवरी को गल्फ जायंट्स का सामना करना है। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मौजूदा टूर्नामेंट में एमआई की टीम टेबल टॉपर है।

कौन हैं 3 नए खिलाड़ी?

इस टीम में जो तीन नए खिलाड़ी शामिल हुए हैं उनके

नाम हैं श्रीलंका के भानुका राजापक्षे, इंग्लैंड के रीस टॉप्ली और यूएसए के मोनांक पटेल। यह तीनों खिलाड़ी बुधवार को बड़े मुकाबले से पहले टीम के साथ जुड़े। आईपीएल 2023 में आरसीबी के साथ जुड़े रीस टॉप्ली को एमआई एमिरेट्स ने फजलहक फारूकी के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना है। इसके अलावा कोरी एंडरसन की जगह मोनांक पटेल को एंट्री मिली है। साथ ही भानुका राजपक्षे इस टीम की मौजूदा सीजन के लिए दूसरी वाइल्ड कार्ड एंट्री हैं।

मोनांक पटेल तो नए हैं लेकिन रीस टॉप्ली और भानुका राजापक्षे बड़े खिलाड़ी हैं। राजापक्षे आईपीएल में भी पंजाब किंग्स की टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा टॉप्ली आरसीबी की टीम में मौजूद हैं। हालांकि, टॉप्ली 2023 सीजन में चोट के कारण ज्यादा मुकाबले नहीं खेल पाए थे। लेकिन आईपीएल 2024 से पहले आईएलटी20 का प्रदर्शन उनके आने वाले दिनों के भविष्य पर भी निर्भर करेगा।

एमआई एमिरेट्स का पूरा स्क्वॉड

आसिफ खान, कुसल परेरा, निकोलस पूरन, आंद्रे फ्लेचर, मोहम्मद वसीम, अंबाती रायडू, मोनांक पटेल, जॉर्डन थॉम्पसन, कीरोन पोलार्ड (कप्तान), ड्वेन ब्रावो, डैन माउसली, ओडियन स्मिथ, नॉस्थुश केनजिगे, जहूर खान, रीस टॉप्ली, ट्रेंट बोल्ट, मोहम्मद रोहिद, मैकेनी क्लार्क, विजयकांत वियसकांत, अकील हुसैन, वकार सलामखेल।

राजकोट टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान

शोएब बशीर की जगह मार्क वुड को मौका; स्टोक्स करियर का 100वां टेस्ट खेलेंगे

राजकोट, 14 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग-11 का ऐलान कर दिया है। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह तेज गेंदबाज मार्क वुड को शामिल किया गया। उनके साथ जेम्स एंडरसन भी टीम का हिस्सा हैं।

इंग्लिश टीम में अब टॉम हार्टले और रेहान अहमद 2 स्पिनर्स रहेंगे। उनके साथ जो रूट भी पार्ट टाइम ऑफ स्पिन करेंगे। राजकोट में टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 15 फरवरी से खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज इस वक्त 1-1 से बराबरी पर है। इंग्लैंड ने पहला और भारत से दूसरा मैच जीता था।

100वां टेस्ट खेलेंगे बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स राजकोट में अपने टेस्ट करियर का 100वां मुकाबला खेलेंगे। टीम में उनके अलावा 41 साल के जेम्स एंडरसन और 33 साल के जो रूट ने ही 100 से ज्यादा टेस्ट खेले हैं।

दूसरी ओर भारत के मौजूदा स्क्वॉड में कोई भी प्लेयर 100 टेस्ट नहीं खेल सका। 97 टेस्ट खेलने वाले ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन सबसे अनुभवी हैं। वह राजकोट में अपने करियर का 98वां टेस्ट खेलेंगे।

बैटिंग ऑर्डर में कोई बदलाव नहीं

इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 में एक ही बदलाव किया। सभी बैटर्स अपनी जगह बरकरार करने में कामयाब रहे। जैक क्रॉली, बेन डकेट और ओली पोप टीम के टॉप-3 बैटर्स रहेंगे। जो रूट, जॉनी बेयरस्टो और स्टोक्स मिडिल ऑर्डर में रहेंगे। वहीं बेन फोक्स ही विकेटकीपिंग करेंगे। 20 साल के ऑफ स्पिनर शोएब बशीर तीसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे। उन्होंने भारत के दूसरे टेस्ट से ही डेब्यू किया था, उन्हें दोनों पारियों में 4 विकेट मिले थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, तीसरे टेस्ट की पिच पर घास रहेगी, जो पेसर्स के लिए मददगार रहेगी। इसीलिए इंग्लैंड ने एक स्पिनर को बैठाकर पेसर को प्लेइंग-11 में जगह दी।

मार्क वुड को पहले टेस्ट में नहीं मिला था विकेट

मार्क वुड ने भारत के खिलाफ सीरीज का पहला मुकाबला खेला था। वह मुकाबले में इंग्लैंड के एकमात्र पेसर थे लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। दूसरे मुकाबले में उन्हें बैठाकर जेम्स एंडरसन को खिलाया गया। उन्होंने विकेट लिए, इसीलिए उन्हें तीसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 में भी शामिल किया गया। अब राजकोट में दोनों पेसर्स एक साथ खेलते नजर आएंगे।

तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स (विकेटकीपर), रेहान अहमद, टॉम हार्टले, मार्क वुड और जेम्स एंडरसन।

डोप में फंसने के बाद दिव्या काकरान ने दिया बयान

कहा- मेरे करियर को बर्बाद करने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। अर्जुन अवार्डी पहलवान दिव्या काकरान ने कहा कि उनके करियर को बर्बाद करने के लिए कुछ लोग साजिश रच रहे हैं। उन्होंने तीस से अधिक बार विदेश दौरे किए, लेकिन कभी गलत चीजों का इस्तेमाल नहीं किया। वह पूरी तरह बेगुनाह हैं। दिव्या काकरान ने कहा कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है। वह बेगुनाह हैं।

नोएडा में नायब तहसीलदार दिव्या काकरान को राष्ट्रीय डोपिंग

रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरायड मिथाइल टेस्टोस्टेरॉन और उसके मेटाबोलाइट्स पाए गए हैं। नाडा ने 15 दिसंबर को दिव्या का आउट ऑफ कंपटीशन सैंपल उनके आवास से लिया था, जिसकी टेस्टिंग वाडा से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय डोप टेस्ट लैबोरेटरी (एनडीटीएल) में की गई थी। इसी लैब की टेस्टिंग में एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरायड पाया गया है।

पाकिस्तानी फैंस कितना भी ट्रोल करें आईपीएल ही बेस्टः रजा बोले- भारत में उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला, जिम्बाब्वे वर्ल्डकप नहीं खेलेगा इसका गुनाहगार मैं

दुबई, 14 फरवरी (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने कहा है कि आईपीएल दुनिया की बेस्ट लीग है, इसमें मुझे किसी तरह का कोई झूठ नहीं लगता है। आईएलटी 20 खेल रहे 37 साल के इस क्रिकेटर ने कहा- 'मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आईपीएल को बेस्ट बताने से मुझसे कोई नाराज है। मैंने वही कहा है, जो सच है। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि आपको बेस्ट एन्वायरमेंट कहां मिलता है, तो मेरा जवाब होगा गद्दाफी स्टेडियम लाहौर। अगर आप पूछेंगे कि बेस्ट लीग कौन-सी लगती है तो मैं आईपीएल का नाम लूंगा।

रजा ने हाल ही में आईपीएल की तारीफ की थी, जिसके बाद से उन्हें पाकिस्तानी फैंस ट्रोल कर रहे हैं। रजा ने कहा मुझे पता था कि हम हार गए तो टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में खुद से केवल यही कह रहा था कि सिकंदर कुछ भी हो जाए इस मैच को जीतना है, वरना घर लौटना पड़ेगा। उस समय मैंने अपने दिमाग में कोई निगेटिव सोच नहीं आने दी। बस मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि कुछ भी हो जाए हमें मैच जीतना ही है।

सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है, उससे मुझे फर्क नहीं पड़ता है। कुछ बातें ऐसी भी चल रही हैं, जो मैंने बोली ही नहीं। मेरी बातों को गलत तरीके से सर्कुलेट किया जा रहा है। कुछ खुश हैं, कुछ नाराज हैं, या उनका गुस्सा मेरे ऊपर है, मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैंने वहीं कहा जो सच है। सोशल मीडिया में कुछ लोग एजेंडा चलाते हैं, उसे आप बदल नहीं सकते हैं।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। मुझे ऐसा नहीं लगता है कि इसमें किसी तरह का कोई झूठ है। अगर आप मेरे से पूछेंगे कि आपको बेस्ट एन्वायरमेंट कहां लगता है तो मेरा जवाब होगा कि गद्दाफी स्टेडियम लाहौर। वहां स्टेडियम हाउस फुल रहता है। मुझे लोगों का खूब सपोर्ट मिलता है। लोग वहां नाचते हैं, गाते हैं और खूब एंजॉय करते हैं। अगर आप

सिकंदर रजा का ILT20 के मौजूदा सीजन में प्रदर्शन

मैच- 10 | रन- 263 | विकेट-9

मुझसे पूछेंगे कि सिकंदर भाई आपको बेस्ट लीग कौन सी लगती है तो मैं आईपीएल का नाम ही लूंगा। मेरा मानना है कि सभी लीग का अपना चार्म है। हम लोग तुलना और निगेटिविटी में घूमते हैं। मैं इसके बारे में नहीं सोचता हूं। मुझे मेरी उम्मीद से ज्यादा मोहब्बत, प्यार और इज्जत यहां मिली। मैं हमेशा इसका आभारी रहूंगा। अगर शहर की बात करूं तो मुझे चंडीगढ़ बहुत अच्छा लगा। मैं छोटे शहर से हूं। मुझे खामोशी और शांति ज्यादा पसंद है। चंडीगढ़ मुझे पसंद लगने का एक कारण ये भी है कि मैंने ज्यादा समय चंडीगढ़ में बिताया है। विग सिटी में लाइफ ज्यादा फास्ट है। मुझे सबसे ज्यादा मजा चंडीगढ़ में आया।

आईपीएल का सबसे बड़ा डिफरेंस ये है कि दुनिया के सभी बड़े क्रिकेटर इस लीग के लिए उपलब्ध रहते हैं। यहां आपको क्वालिटी ऑफ क्रिकेट इम्प्रूव होती है। इस समय कोई भी इंटरनेशनल टूर्नामेंट या सीरीज नहीं होता है। मेरे विचार आईपीएल का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट स्टैंडर्ड वाइज यह है कि ओवरसीज प्लेयर्स होते हैं।

होम टूर्नामेंट होने से लोकल प्लेयर्स भी उपलब्ध होते हैं। इंडियन क्रिकेट की बात करें तो क्वालिटी काफी हाई है। मुझे सबसे बड़ा डिफरेंस यही लगा कि एक टूर्नामेंट के लिए दुनिया की सभी बड़े प्लेयर्स उपलब्ध हैं। यही आईपीएल का विगेस्ट फैक्टर है। आईएलटी 20 का फ्यूचर काफी ब्राइट है, क्योंकि दुबई क्रिकेट का एक बड़ा सेंटर बनता जा रहा है और दुबई क्रिकेट को प्रमोट भी कर रहा है। मैं कहूंगा कि बड़े प्लेयर्स आते रहें, लीग का स्टैंडर्ड ऊपर होता रहे। लोकल प्लेयर्स को मौका मिलता रहे और वे बेहतर करते रहें।

अब लीग में लोकल प्लेयर्स को ओपन करने का मौका मिल रहा है, ये पावरप्ले में बैटिंग कर रहे हैं, शुरुआत में कप्तान उन्हें नई बॉल थमा रहे हैं। कप्तानों का भरोसा लोकल प्लेयर्स पर बन रहा है। ये सब लीग के स्टैंडर्ड में ग्रोथ की वजह से हो रहा है।

कांग्रेस ने तेलंगाना से रेणुका चौधरी, अनिल कुमार यादव को राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में चुना

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर तेलंगाना से रेणुका चौधरी और अनिल कुमार यादव को राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया। द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव 27 फरवरी को होने हैं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस संबंध में पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका चौधरी और पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव के बेटे अनिल कुमार यादव के नाम को मंजूरी दे दी है। हालांकि, सभी को हैरान करते हुए कांग्रेस आलाकमान ने तेलंगाना से दो सीटें राज्य के नेताओं को देने का फैसला किया है। राज्यसभा सदस्यों के मामले में अनिल कुमार यादव का नाम असाधारण रूप से सामने आया है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने अनिल कुमार को युवाओं को प्रभावित करने का मौका दिया है। इस बीच, अनिल कुमार यादव ने उन्हें राज्यसभा सदस्य घोषित करने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद दिया। "मेरे जैसे युवा को राज्यसभा में मौका देना खुशी की बात है। यह उदाहरण है कि जो लोग कांग्रेस पार्टी के विकास के लिए कड़ी मेहनत करते हैं उन्हें पद मिलता है।

कांग्रेस पार्टी ने विभिन्न राज्यों में आगामी राज्यसभा द्विवार्षिक चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। एआईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान से सोनिया गांधी और बिहार से डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल प्रदेश से और चंद्रकांत हंडोरे को महाराष्ट्र से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने कर्नाटक से अजय माकन, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर और मध्य प्रदेश से अशोक सिंह को भी उम्मीदवार बनाया है।

बेरोजगारों के साथ हमेशा खड़ा रहूंगा : रेवंत

सीएम ने नव चयनित पुलिस कांस्टेबल को नियुक्ति पत्र सौंपा

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह अगले दस वर्षों तक तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री रहेंगे। इसलिए बेरोजगार नौजवानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को यहां एलबी स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में नवचयनित पुलिस सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बयान का उपहास किया, जिन्होंने कहा था कि बीआरएस पार्टी तेलंगाना में फिर से सत्ता में आएगी।मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं देखूंगा कि केसीआर कैसे सत्ता में आते हैं। केसीआर को मेरी सीधी चुनौती है। वह मेरा एक बाल भी नहीं उखाड़ेंगे।"उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने बेरोजगार युवाओं की दुर्दशा पर कभी ध्यान नहीं दिया और बीआरएस नेता को यह महसूस करना चाहिए था कि तेलंगाना के लोगों ने उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया है।

"केसीआर नलगोंडा गए और अपने बारे में घमंड किया। उन्होंने अपमान किया है कि लोगों ने 'गाय' को छोड़ दिया है और एक 'सांड' को अपने घरों में ले आए हैं। लेकिन, केसीआर को तथ्यों को जानना चाहिए कि लोगों ने खच्चर को बाहर फेंक दिया और चुना एक 'रेस हॉर्स'। रेसिंग हॉर्स किसी भी रेस में जीतेगा। खच्चरों के लिए सत्ता एक सपना बनी रहेगी। मरे हुए सांप को कोई नहीं मारेगा। बीआरएस प्रमुख का नाटक खत्म हो गया है और उन्होंने अपनी दुकान स्थायी रूप से बंद कर दी है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर ने पिछले दस वर्षों में तेलंगाना को गिरवी रख दिया और राज्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें पानी की एक बूंद भी नहीं मिली। उन्होंने कहा, "केसीआर ने एक ही हस्ताक्षर से तेलंगाना के लिए डेथ वारंट लिखा है। उन्होंने मेदिगड्डा बैराज में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा किए गए कुकर्मों को कवर करने के लिए नलगोंडा में एक बैठक की।"

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं को आत्महत्या करने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही बेरोजगारों की समस्याओं को हल करने की जिम्मेदारी ली है। "हम सभी कानूनी बाधाओं को दूर करके चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश सौंप रहे हैं। आज 13,444 युवाओं को नियुक्ति आदेश दिए गए हैं। एक भाई के रूप में, मैं बेरोजगार युवाओं के साथ खड़ा रहूंगा। यह युवाओं, लोगों और गरीबों की सरकार है।" रेवंत रेड्डी ने कहा, ''सरकार पिछली सरकार द्वारा पैदा की गई सभी बाधाओं को पार करके आगे बढ़ रही है।'' उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना में ड्रग माफिया एक बड़ा चिंताजनक कारक है और पुलिस को ड्रग और गांजा माफिया को जड़ से खत्म करना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा, "तेलंगाना को नशीली दवाओं के खतरे से मुक्त करना और युवाओं की रक्षा करना आपकी जिम्मेदारी है।"

खाड़ी श्रमिकों के कल्याण पर पहल करें पीएम मोदी: टीपीसीसी एनआरआई सेल

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 और 14 फरवरी को दो दिनों की अबू धाबी यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात के साथ आठ व्यापारिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन खाड़ी श्रमिकों के कल्याण की परवाह नहीं की, टीपीसीसी एनआरआई सेल ये बातें बुधवार को गांधी भवन में चेयरमैन एम्बेसडर डॉ. बीएम विनोद कुमार ने पत्रकारों से कही। टीपीसीसी एनआरआई सेल के संयोजक मंधा भीम रेड्डी ने अपील की कि खाड़ी देशों में 88 लाख प्रवासी कामगार रहते हैं और केंद्र सरकार को उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। टीपीसीसी एनआरआई सेल खाड़ी संयोजक सिंगिरेड्डी नरेश रेड्डी ने प्रवासी भारतीय श्रमिकों की सेवाओं को मान्यता देने के लिए कहा, जो खाड़ी देशों के विकास में योगदान दे रहे हैं और सबसे अधिक मात्रा में विदेशी मुद्रा भेज रहे हैं।

प्रवासी भारतीय बीमा योजना की 10 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा योजना में प्राकृतिक मृत्यु को कवर किया जाना चाहिए। ईसीआर और ईसीएनआर नामक दो प्रकार के पासपोर्ट धारकों को बीमा सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। दो प्रकार के पासपोर्ट का वर्गीकरण समाप्त कर एक ही प्रकार का पासपोर्ट जारी किया जाना चाहिए। टीपीसीसी एनआरआई सेल के संयोजक मंधा भीम रेड्डी ने कहा कि खाड़ी में भारतीय प्रवासी श्रमिकों के लिए बीमा और पेंशन के साथ एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा योजना लागू की जानी चाहिए। लौटने वाले प्रवासियों के लिए पुनर्एकीकरण और पुनर्वास योजना तैयार करें।

Proforma 10-01

भारतीय रेलवे

''सार्वजनिक सूचना''

रेलवे लाइन व लाइन के समीप परिसर का प्रयोग करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि दक्षिण मध्य रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर वर्तमान लाइनों को दर्शायी गई तारीख पर या उसके बाद 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज, एसी विद्युत द्वारा ऊर्जित कर दिया जाएगा। दर्शायी गई तारीख से ओवरहेड कर्षण तारों को हमेशा ऊर्जित माना जाए। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कथित लाइनों के नजदीक नहीं जाएगा और न ही उसके समीप कार्य करेगा।

अनुभाग	ऊर्जाकरण की तिथि	क्षेत्र
गुंतकल डिवीजन के अंतर्गत धर्मावरम रेलवे स्टेशन (डीएमएम) किमीः 177 – किमीः 180 (एसबीसी से चेनेज) के बीच।	24.02.2024	दक्षिण मध्य रेलवे

समूह महाप्रबंधक/राइट्स बैंगलोर
दक्षिण मध्य रेलवे के लिए एवं उसकी ओर से

यूनियन बैंक Union Bank of India **UNION BANK OF INDIA**
Regional Office, Union Bank Building,
1st Floor, Seethammadhara, Visakhapatnam-13. Ph : 0891-2735465 / 2546717. E-mail id : operations.vizag@unionbankofindia.bank

PREMISES REQUIRED FOR LEASE

Premises required on rent / lease for Offices / Branch at **Yendada** admeasuring minimum carpet area 1700 sft (plus or minus 10%) preferably on ground floor in ready possession with adequate parking space. Interested parties are requested to contact the above address for details and submit their offers in envelope in the proforma containing Technical bid & Financial bid kept in a single sealed cover marked Bank Premises to the above address. Last date for receipt of application is **06.03.2024**. BANK RESERVES THE RIGHT TO REJECT ANY / ALL OFFERS WITHOUT ASSIGNING ANY REASON. No brokerage will be paid by the Bank.

Sd/- Regional Head

डीसीए ने पशमिलारम में माइलान लैब्स इकाई का लाइसेंस रद्द कर दिया

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माइलान लेबोरेटरीज लिमिटेड, यूनिट-7, पशमिलाराम, पाटनचेरु मंडल, संगारेड्डी जिले को ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन, तेलंगाना द्वारा 'अल्प्राजोलम' (सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक) के निर्माण के लिए लाइसेंस जारी किया गया था। डीसीए द्वारा जारी लाइसेंस में थोक दवा अल्प्राजोलम (एपीआई) के निर्माण और फॉर्मूलेशन (टैबलेट/इंजेक्शन) निर्माण इकाइयों को विशेष रूप से दवा की आपूर्ति की गतिविधियों की अनुमति शामिल है।"'अल्प्राजोलम' नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) के तहत एक साइकोट्रोपिक पदार्थ है और इसका उपयोग चिंता विकारों, घबराहट संबंधी विकारों, अवसाद से जुड़ी चिंता, अनिद्रा के इलाज के लिए एक दवा के रूप में किया जाता है। अल्प्राजोलम की लत/आदत बनाने की क्षमता बहुत अधिक है। अल्प्राजोलम के दुरुपयोग से लत, शारीरिक निर्भरता, सहनशीलता और बंद करने पर वापसी के लक्षणों सहित विभिन्न प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं। अल्प्राजोलम के दुरुपयोग के परिणामस्वरूप बेहोशी, उनींदापन, चक्कर आना, भ्रम, बिगड़ा हुआ समन्वय, स्मृति समस्याएं और श्वसन अवसाद हो सकता है, खासकर जब शराब या अन्य केंद्रीय तंत्रिका तंत्र अवसाद के साथ मिलाया जाता है। अल्प्राजोलम के लंबे समय तक दुरुपयोग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिसमें

संज्ञानात्मक हानि, मनोदशा में गड़बड़ी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। डीसीए ने कहा कि ऐसी खबरें हैं कि ताड़ी में 'अल्प्राजोलम' मिलाया जा रहा है जिससे स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो रहे हैं।

माइलान लेबोरेटरीज लिमिटेड, यूनिट-7 के लाइसेंस प्राप्त परिसर से कुछ कर्मचारियों के माध्यम से, जो साइट पर केमिस्ट और उत्पादन अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे, 21.250 किलोग्राम साइकोट्रॉपिक पदार्थ 'अल्प्राजोलम' के अनधिकृत डायवर्जन का निषेध और उत्पाद शुल्क अधिकारियों द्वारा पता लगाया गया था। और 4.850 किलोग्राम अल्प्राजोलम फरवरी 2023 में निषेध और उत्पाद शुल्क अधिकारियों द्वारा माइलान लेबोरेटरीज लिमिटेड, यूनिट -7 के उपभोग्य कक्ष से जब्त किया गया था।

दवा 'अल्प्राजोलम', जो एक मनोदैहिक पदार्थ है, के संबंध में रिपोर्ट किए गए उल्लंघनों की प्रकृति और माइलान लेबोरेटरीज लिमिटेड, यूनिट-7 से इसके अनधिकृत डायवर्जन को ध्यान में रखते हुए, साइट पर मौजूदा नियंत्रणों और प्रथाओं के आकलन के आधार पर, विनिर्माण लाइसेंस के लिए व्यापक जनहित में औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना द्वारा दवा 'अल्प्राजोलम' को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। मिलान डेटा को सत्यापित करने के लिए मादक दवाओं और साइकोट्रॉपिक पदार्थों के निर्माण के लिए लाइसेंस रखने वाली विनिर्माण इकाइयों पर औचक छापेमारी तेज की जाएगी। डीसीए के महानिदेशक वी.बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीईओ, तेलंगाना के कार्यालय में सलाहकार (ईवीएम) ए प्रसाद को आज तेलंगाना विधान सभा चुनाव 2023 के संचालन में सराहनीय सेवाओं की मान्यता के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज को तेलंगाना से राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आपत्तिजनक टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाया जाना चाहिए: केटीआर

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक के तारकरामा राव ने आज विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार से उनकी पार्टी के विधायक कडियम श्रीहरि के खिलाफ कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को हटाने की मांग की। उन्होंने स्पीकर से टिप्पणियों को विधानसभा रिकॉर्ड से हटाने को कहा। केटीआर ने स्पष्ट किया कि सदन के सभी 119 सदस्यों को समान अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जब भी सत्ता पक्ष के सदस्य भाषण देने के लिए कहते हैं, तो उन्हें माइक मिल जाता है।'' उन्होंने आरोप लगाया और कहा कि उन्हें माइक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने स्पीकर से सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करने की अपील की। केटीआर ने कहा कि मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने तथ्यों के खिलाफ बात की है। क्या यह सच नहीं है कि हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत गौरवेली और मलकपेट जलाशय पूरे हो चुके हैं? मंत्री का अनादर करने की हमारी

संस्कृति नहीं है। वे मेडिगड्डा जा रहे हैं और हम पर कीचड़ फेंक रहे हैं। क्या यह सच नहीं है कि मिडमैनर और अपरमैनर अप्रैल में तेज धूप से भर जाते हैं? समेकित सिंगूर, निज़ामसागर और एसआरएसपी का कायाकल्प केवल कालेश्वरम के माध्यम से ही संभव हो सका। इतने बड़े प्रोजेक्ट में तीन बैराज और 15 जलाशय हैं। अगर एक ही बैराज में तीन या चार पिलर में कोई दिक्कत है तो उन्हें ठीक करा लें''।

कान्हा शांति वनम में बाबूजी महाराज का डाक टिकट जारी

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राम चंद्र मिशन के मार्गदर्शकों की वंशावली में दूसरे नंबर पर आने वाले बाबूजी महाराज की 125वीं जयंती समारोह के अवसर पर, हार्टफुलनेस के मुख्यालय कान्हा शांति वनम में बाबूजी महाराज का एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान, मुख्य अतिथि थे,। उन्होंने हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष रेव्ह दाजी की दिव्य उपस्थिति में डाक टिकट जारी किया। रेव्ह दाजी ने घोषणा की कि संस्कृति मंत्रालय हार्टफुलनेस के सहयोग से मार्च में विश्व आध्यात्मिकता महोत्सव 2024 का आयोजन कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री आज करेंगे कोमुरवेल्ली हाल्ट रेलवे स्टेशन का शिलान्यास

हैदराबाद, 14 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री, संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा 15 फरवरी को कोमुरवेल्ली (हाल्ट) रेलवे स्टेशन निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा। कोंडा सुरेखा, पर्यावरण एवं वन, देवादाय मंत्री, तेलंगाना सरकार, पोन्नम प्रभाकर, परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, तेलंगाना सरकार वी. रोजा राधाकृष्णा शर्मा, अध्यक्ष, जिला परिषद, सिद्दिपेट, के.रघोत्तम रेड्डी, विधान परिषद सदस्य, टी. जीवन रेड्डी, विधान परिषद सदस्य वी. यादव रेड्डी, विधान परिषद सदस्य, देशपाटि श्रीनिवास, विधान परिषद सदस्य; डॉ. पी. राजेश्वर रेड्डी, विधान सभा सदस्य, जनगांव के इस अवसर पर उपस्थित रहने की संभावना है। इस अवसर पर अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। सिद्दिपेट जिले में स्थित कोमुरवेल्ली गांव कोमुरवेल्ली मल्लिकार्जुन स्वामी का निवास स्थान है। प्रत्येक वर्ष, हजारों तीर्थयात्री इस मंदिर नगरी में इष्टदेव मल्लिकार्जुन स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आते हैं। इस मंदिर नगरी के महत्व को ध्यान में रखते हुए, रेल मंत्रालय ने मध्य तेलंगाना के कोमुरवेल्ली में हॉल्ट स्टेशन खोलने की मंजूरी दी है। नया हाल्ट स्टेशन इस क्षेत्र के लोगों की मांगों को पूरा करते हुए पहली बार रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह स्टेशन मनोहराबाद-कोत्तपल्ली नई रेल लाइन पर स्थित है। हाल ही में, इस परियोजना के एक हिस्से अर्थात् मनोहराबाद - सिद्दिपेट को शहमारे नरेन्द्र मोदी, प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। प्रस्तावित कोमुरवेल्ली स्टेशन मौजूदा लखडारम और दुड्डेडा स्टेशनों के बीच स्थित है। स्टेशन भवन में मानदंडों के अनुसार टिकटों की बिक्री के लिए बुकिंग खिड़की के साथ-साथ कवर ओवर प्लेटफॉर्म, उचित प्रकाश व्यवस्था, पंखे और प्रतीक्षालय जैसी अन्य यात्री सुख-सुविधाएं प्रदान की जाएंगी. कोमुरवेल्ली में नया हाल्ट स्टेशन यात्रियों को सुरक्षित, तेज और लागत प्रभावी रेल यात्रा प्रदान करेगा। प्रस्तावित स्टेशन से मंदिर 3 किमी की दूरी पर स्थित है जो तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा। यह स्टेशन तीर्थयात्रियों के अलावा छात्रों, छोटे व्यापारियों, नियमित यात्रियों और दैनिक श्रमिकों के लिए भी लाभदायक होगा। जब यह नई रेल लाइन (अर्थात् मनोहराबाद - कोत्तपल्ली) पूरी तरह चालू हो जाएगी तो यह वेमुलवाड़ा, भीमेश्वरालयम, कोंडगट्टु, कोटि लिंगेश्वर स्वामी मंदिर आदि जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थानों को जोडेगी। यह स्टेशन इस क्षेत्र के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहायक होगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.